नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

• 11 अप्रैल 2025 शुक्रवार • बोकारो संस्करण • वर्ष : 08 • अंक : 317 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

देश और दुनिया के इतिहास में आज की प्रमुख घटनाएं

1909 : इजरायल में तेल अवीव शहर की स्थापना।
1919 : अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन की स्थापना की गई।
1924 : पहली मैन्स कॉलेज स्विमिंग चैंपियनशिप शुरू हुई।
1930 : ऋषिकेश में स्टील के तारों से बना लक्ष्मण झूला जनता के लिये खोला गया।
1968 : अमेरिका के राष्ट्रपति जॉनसन ने सिविल राइट एक्ट पर साइन किए।
1977 : प्रसिद्द साहित्यकार फणीश्वरनाथ रेणु का निधन हुआ था।

हेमंत सोरेन बनेंगे आदिवासी समुदाय के राष्ट्रीय नेता

झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय महाधिवेशन में प्रस्ताव लाने की तैयारी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 में भाजपा को शिकस्त देने के बाद इंडिया ब्लॉक में मुख्यमंत्री और झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन का राजनीतिक कद बढ़ गया है। अब झामुमो की योजना मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को आदिवासी समुदाय के राष्ट्रीय चेहरे के रूप में पेश करने की है। इस कदम का उद्देश्य न सिर्फ झामुमो का दूसरे राज्यों में तेजी से विस्तार करना है बल्कि हेमंत सोरेन को आदिवासी समुदाय के एक बड़े नेता और एक मात्र नेता के रूप में स्थापित करने की है। झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय प्रवक्ता तनुज खत्री ने बताया कि आज हेमंत सोरेन की लोकप्रियता न सिर्फ झारखंड में बल्कि बिहार, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, तमिलनाडु से लेकर मणिपुर के साथ-साथ पूर्वोत्तर तक के राज्यों में भी बढ़ी है। पार्टी सूत्रों की मानें तो केंद्रीय महाधिवेशन के दौरान इस प्रस्ताव पर भी मुहर लग सकती है। झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय प्रवक्ता तनुज खत्री ने कहा कि उनके नेता हेमंत सोरेन की

गूंज सिर्फ झारखंड तक सीमित नहीं रहेगी। अब बिहार, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़ सहित अन्य राज्यों में भी हेमंत सोरेन की आवाज बुलंद होगी। झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता और केंद्रीय समिति सदस्य मनोज पांडेय ने कहा कि देशभर के लोगों ने देखा कि केंद्र और भाजपा के अत्याचार के सामने हो आदमी डिगा नहीं। जो आदमी हिला नहीं, वह ताकत हेमंत सोरेन में है। राष्ट्रीय राजनीति में उनके नेता धूमकेतु की तरह चमक रहे हैं। सभी आस लगाए बैठे हैं कि उनका अगुआ हेमंत सोरेन बनें। पूर्व भाजपा विधायक नारायण दास ने राष्ट्रीय फलक पर हेमंत सोरेन को आदिवासी समुदाय के बड़े नेता के रूप में पदस्थापित करने की झामुमो की योजना पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि इससे पहले यह मोर्चा के नेताओं को यह बताना चाहिए कि वो आदिवासी हित, स्थानीय नीति, नियोजन नीति और जनजातीय समुदाय से उनके द्वारा पूर्व में किये वादे पर कितना खरा उतरे हैं। वह चाहते हैं कि अगर हेमंत सोरेन को उनकी पार्टी, आदिवासियों के बड़े नेता के रूप पदार्पण कराती है तो उसका लाभ आदिवासियों को मिलना चाहिए। भाजपा के पूर्व विधायक और प्रदेश कार्यसमिति सदस्य नारायण दास ने कहा कि हमारे यहां भी बाबूलाल मरांडी, अर्जुन मुंडा, नीलकंठ सिंह मुंडा सहित कई बड़े आदिवासी नेता हैं। लेकिन हम एक भारत-श्रेष्ठ भारत और सबको साथ लेकर चलने में विश्वास करते हैं, इससे ही हमारे राज्य और देश का वैभव बढ़ेगा।

आंधी-तूफान ने बिहार में मचाई तबाही
मंदिर पर पेड़ गिरने से सात लोगों की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नालंदा। बिहार में बारिश और आंधी-तूफान के कारण भारी तबाही मची है। इस बीच नालंदा में दर्दनाक हादसा हुआ है। जहां विशाल पीपल का पेड़ उखड़कर देवी स्थान (मंदिर) पर गिर गया। जिससे मंदिर में छिपे 12 से 15 लोग दब गए। अब तक 7 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। वहीं अन्य दबे लोगों को स्थानीय ग्रामीणों की मदद से निकालने का प्रयास जारी है।

मंदिर पर गिरा पीपल का पेड़ :

मामला जिले के सदर प्रखंड के मानपुर थाना क्षेत्र के नगवां गांव का है। जहां बारिश और तूफान से बचने के लिए 12-15 लोग गांव में स्थित देवी स्थान (मंदिर) में शरण लिए हुए थे। इसी बीच तेज आंधी-तूफान के कारण पीपल का पेड़ उखड़कर उस मंदिर पर गिर पड़ा। जिस वजह से सभी लोग उसकी चपेट में आ गए। अब तक 7 लोगों के शवों को बाहर निकाला जा चुका है। वहीं, घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस और वरीय अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए हैं। इस घटना में कई मवेशियों के भी मरने की खबर है। फिलहाल स्थानीय ग्रामीणों की मदद से सभी को निकालने की कोशिश जारी है। बिहारशरीफ एसडीओ नितिन वैभव

काजले ने सात लोगों की मौत की पुष्टि की है। नितिन वैभव काजले, बिहारशरीफ एसडीओ, सदर ''नगवां गांव में आंधी-तूफान के कारण एक विशाल पेड़ देवी स्थान मंदिर पर गिर गया। जहां कुछ लोग बारिश से बचने के लिए छिपे हुए थे। इस घटना में सात लोगों की मौत हुई है। कई लोग घायल हुए हैं। सभी को बाहर निकालने की प्रक्रिया चल रही है।''

दामाद ने की ससुर की हत्या

मुजफ्फरपुर (नबिटा ब्यूरो)। मुजफ्फरपुर में दामाद ने लोहे की रॉड से मारकर ससुर की हत्या कर दी। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपित दामाद मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने एफएसएल की टीम को बुलाया है। घटना जैतपुर थाना क्षेत्र के गिजास की है। मृतक की पहचान रामचंद्र सहनी उर्फ डोमन सहनी (70) के रूप में की गई है। आरोपित दामाद मुजफ्फरपुर शहर के अहियापुर थाना क्षेत्र के दादर का रहने वाला अजय कुमार सहनी है।

ट्रैक्टर से दबकर दो लोगों की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मधुबनी। मधुबनी के कलुआही थाना क्षेत्र के मलमल गांव में हादसा हुआ। बुधवार देर रात बंगला पोखरा के पास पीसीसी सड़क धंसने से ईंट लदा ट्रैक्टर पलट गया। ईंटों में दबने से एक ही परिवार के दो लोगों की मौत हो गई। इनमें एक 10 साल का बच्चा भी है। मृतकों की पहचान मोहम्मद आलम (45) और उनके भतीजे शकीर (10) के रूप में हुई। मोहम्मद आलम रहिका थाना के लखसारि गांव के रहने वाले थे। दो दिन पहले ही ससुराल मलमल गांव आए थे। उनके साथ भतीजा शकीर भी था। घटना उस समय हुई, जब गांव के ही मोहम्मद रजी अहमद के घर के पास ट्रैक्टर पर ईंट लोड की जा रही थी। इस दौरान अचानक पीसीसी सड़क धंस गई और ट्रैक्टर करीब 10 फीट गहरे गड्ढे में जा गिरा। इस दौरान ईंट में मोहम्मद

आलम और शकीर दब गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोग फौरन मदद के लिए आगे आए और ईंट हटाकर दोनों को बाहर निकाला, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। दोनों की ईंट में दबकर मौत हो गई थी। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने फौरन घटना की सूचना कलुआही थाना पुलिस को दी।

गड्ढे से मिला एक साथ दो युवकों का शव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। जिले के टाटीसिलवे थाना क्षेत्र में एक गड्ढे से दो युवकों का शव बरामद किया गया है। सड़क निर्माण के लिए बनाए गए गड्ढे से दोनों युवकों का शव बरामद किया गया है। मामला हत्या का है या हादसे का, फिलहाल अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है। दोनों ही बिंदुओं पर जांच की जा रही है। मामला संदेहास्पद मौत का इसलिए भी है क्योंकि मौके से एक हथियार भी बरामद किया गया है। दोनों मृतक झारखंड के गुमला जिले के रहने वाले हैं। पुलिस को सूचना मिली कि सड़क निर्माण के लिए बनाए गए एक गड्ढे में बाइक सहित दो युवक मृत पड़े हुए हैं। जानकारी मिलने के बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और दोनों मृतकों को गड्ढे से बाहर निकाला गया। इसी दौरान एक मृतक के पास से एक रिवॉल्वर बरामद किया गया।

गुमला के रहने वाले हैं दोनों मृतक

पुलिस के द्वारा दोनों मृतकों की पहचान कर ली गई है। एक की पहचान गुमला के रहने वाले संदीप साहू, जबकि दूसरे का गुमला के ही रहने वाले गोपाल साहू के रूप में हुई है। दोनों मृतक गुमला के सिसई थाना क्षेत्र के डरहा गांव के रहने वाले हैं। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि दोनों युवक हथियार लेकर गुमला से रांची किस उद्देश्य से आया हुआ था या फिर उनकी हत्या कर मामले को हादसा दिखाने की कोशिश की गई है। हेडक्वाटर डीएसपी अमर कुमार पांडेय ने बताया कि एक गड्ढे से दो युवकों शव का बरामद किया गया है। मौके से एक हथियार भी मिला है, जिसकी जांच की जा रही है। दोनों मृतकों की पहचान कर ली गई है। उनके परिजनों को मामले की जानकारी दे दी गई है। गुमला पुलिस से भी दोनों युवकों का डिटेल मंगवाया गया है। जांच की कार्रवाई फिलहाल जारी है।

- हत्या या हादसा- दोनों पहलुओं पर जांच कर रही पुलिस
- घटनास्थल से हथियार भी बरामद
- दोनों मृतक गुमला के सिसई थाना क्षेत्र के डरहा गांव के रहनेवाले थे

बंगाल में नए वक्फ कानून पर हिंसा में 22 गिरफ्तार

- वक्फ संशोधन बिल के विरोध में अब तक सुप्रीम कोर्ट में 12 याचिकाएं दाखिल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

कोलकाता। वक्फ संशोधन कानून के विरोध में पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में 8 अप्रैल को हुई हिंसा के मामले में पुलिस ने 22 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें से 8 आरोपितों को आगे की जांच के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। जंगीपुर के पुलिस अधीक्षक, आनंद रॉय ने बताया कि हिंसा को लेकर पुलिस ने अपने आप संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज किया है। उन्होंने इलाके का दौरा किया और स्थिति का जायजा लिया। दरअसल, प्रदर्शनकारियों ने 8 अप्रैल को वक्फ कानून के विरोध में कई वाहनों को आग लगा दी थी। इसमें पुलिस की गाड़ियां भी शामिल थी। झड़प में प्रदर्शनकारियों ने पथराव भी किया, जिससे कई पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। वक्फ संशोधन बिल को पास होने के बाद से अबतक सुप्रीम कोर्ट में 12 याचिकाएं दाखिल हो चुकी हैं। सुप्रीम कोर्ट की 3 जजों की बेंच 10 याचिकाओं पर 16 अप्रैल को सुनवाई करेगी। बेंच में सीजेआई संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और केवी विश्वनाथन शामिल होंगे।

दक्षिण बिहार में खुलेगा एक और होम्योपैथिक कॉलेज एवं अस्पताल : मंगल पांडेय

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राज्य आयुष समिति के तत्वावधान में गुरुवार को विश्व होम्योपैथी दिवस 2025 के अवसर पर पटना के ऊर्जा ऑडिटोरियम में डॉ. सैमुअल हैनीमैन जयंती समारोह सह वैज्ञानिक सेमिनार का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन बिहार सरकार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पाण्डेय ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। अपने संबोधन में स्वास्थ्य मंत्री ने ऐतिहासिक घोषणा करते हुए कहा कि उत्तर बिहार की तरह दक्षिण बिहार में भी एक होम्योपैथिक कॉलेज एवं अस्पताल राज्य सरकार इसी वित्तीय वर्ष में बनाने जा रही है। इस हेतु मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एवं उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से उसकी स्वीकृति भी मिल चुकी है। उन्होंने कहा कि आयुष चिकित्सा पद्धति को बढावा देने की दिशा में सूबे की सरकार 64 वर्षों के बाद एक और ऐतिहासिक कदम बढ़ाने जा रही है। मंगल पाण्डेय ने कहा कि बिहार सरकार नीतीश कुमार के कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन में स्वास्थ्य के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति कर रही है। बिहार में स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाने के लिए एलोपैथी, होम्योपैथी, यूनानी और आयुर्वेद जैसी विभिन्न चिकित्सा पद्धतियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। इन सभी पद्धतियों के समन्वय से राज्य की जनता को बेहतर एवं सस्ती स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। यह चिकित्सा पद्धति न केवल किफायती और सुलभ है, बल्कि इसके प्रभावी परिणाम भी लोगों के जीवन को बेहतर बना रहे हैं। उन्होंने होम्योपैथी चिकित्सकों से आह्वान किया कि वे इस पद्धति को और अधिक लोकप्रिय बनाने के लिए प्रतिवर्ष इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करें और प्रयास करें। श्री पांडेय ने मुजफ्फरपुर में 121 करोड़ की लागत से बनाए गए 200 बेड के होम्योपैथी अस्पताल का जल्द ही उद्घाटन करने की घोषणा करते हुए कहा कि कॉलेज का भी निर्माण अतिशीघ्र कर लिया जाएगा। राज्य में 28 राजकीय होमियोपैथिक औषधालय तथा 38 जिला में जिला संयुक्त औषधालय में एक-एक होमियोपैथिक ईकाई तथा पटना के कदमकुआं स्थित 10 बेड वाले होमियोपैथिक अस्पताल मौजूद हैं। जिसमें रोगियों को निःशुल्क चिकित्सा सुविधा तथा होमियोपैथिक दवाएं मिल रही है। राज्य में विगत वर्ष 2901 आयुष चिकित्सकों की नियुक्ति की गई है, जिसमें से 951 होम्योपैथिक चिकित्सको का चयन किया गया है। राज्य में 294 आयुष्मान आरोग्य मंदिर हैं। जिसमें से 86 होमियोपैथी प्रक्षेत्र के आयुष्मान आरोग्य मंदिर संचालित हैं। इस अवसर पर होम्योपैथी के जनक डॉ. सैमुअल हैनीमैन को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। श्री पांडेय ने होम्योपैथी के जनक डॉ. सैमुअल हैनिमैन के अलावे बाबू राजेंद्र लाल दत्त एवं बिहार के डॉ. बी. भट्टाचार्य को भी याद किया। स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव सह विकास आयुक्त प्रत्यय अमृत ने कहा कि कोविड-19 के समय पूरे आयुष पद्धति का अहम योगदान रहा। इस कार्यक्रम के दौरान आयुष प्रक्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 12 होम्योपैथी चिकित्सा पदाधिकारियों को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार पिता-पुत्र की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

दरभंगा। बिहार में दरभंगा-मुजफ्फरपुर राष्ट्रीय उच्च पथ संख्या 27 पर एक सड़क दुर्घटना में बाइक सवार पिता-पुत्र की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से जख्मी हो गया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि मब्बी थाना क्षेत्र के शोभन बायपास मोड़ के पास ट्रक ने बाइक को धक्का मार दिया जिससे बाइक पर सवार पिता और पुत्र की घटना स्थल पर ही मौत हो गई वहीं तीसरा युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया जिसका इलाज दरभंगा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में चल रहा है। मृतक बहेड़ी थाना क्षेत्र के अटही गांव के रहने वाले थे, सभी एक बाइक से भरहुल्ली गांव से अपने गांव अटही लौट रहे थे। घटना की सूचना पर पहुंची स्थानीय मब्बी थाना की पुलिस ने घायल तीनों व्यक्तियों को गंभीर अवस्था में उठाकर इलाज के लिए डीएमसीएच पहूंचाया। जहां पिता और पुत्र को मृत घोषित किया गया। वही एक युवक का गंभीर अवस्था में इलाज चल रहा है। मृतक पिता पुत्र की पहचान जिला के बहेड़ी थाना क्षेत्र के अटही गांव के 50 वर्षीय लाल बच्चन मंडल और उसके 22 वर्षीय पुत्र लाल कुमार मंडल के रूप में हुई है। वही घायल युवक की पहचान उसी गांव के रामदास मंडल के 25 वर्षीय पुत्र भजन कुमार मंडल के तौर पर की गई है।

SWAMI SAHJANAND SARASWATI B.ED COLLEGE

Run By Swami Sahjanand Saraswati Shiksha Sansthan
SECTOR 8 'B', BOKARO STEEL CITY, JHARKHAND-82709
Recognised By NCTE
Affiliated To Binod Bihari Mahto Koylanchal University, Dhanbad
Email-sansthanswamisss@gmail.com, Contact Number -7020301012

SITUATION VACANT

01. Principal :- 01-Qualification:- PG, M.Ed., Ph.D with 8 years Teaching Experience Teachers Training College
02. Assistant Professor (Pedagogy Subject) :- 08 Maths, Botany, Zoology, Political Science, Geography, Economics, Commerce, History, Physics, Chemistry, Language (Hindi, English, Regional Language)
Qualification :- PG, M.Ed, NET or Ph.D
03. Assistant Professor (Perspective in Education):- 04 Psychology, Sociology, Philosophy.
Qualification- PG, B.Ed/M.Ed, NET or Ph.D
04. Faculty:-01-Health And Physical Education
Qualification- PG and M.P.Ed
05. Faculty :- 01 - Performing Art (Music/Dance/Theater). **Qualification :-** Paper Related To PG Degree.
06. Fine Arts :-01 - M.A. in Fine Arts,
07. Librarian :-01- B.libs | **08. Non Teaching :-** Offices Assistant, Accountant, Computer Operator.
Qualification - Graduation And Computer Knowledge.

Interested candidate may apply in plain paper giving their complete **BIO-DATA** with a recent passport size photograph before **: 22nd April 2025**
by Post, Courier, E-mail or in college office.

Note: Further details can we see on our website : **www.ssssansthan.in**
For Details Contact Ramakant Sharma (Secretary)
Mob.: 6201885780, 9934561002

सबसे लंबे समय तक झारखंड के सीएम बने रहने वाले नेता बने हेमंत सोरेन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड में बतौर मुख्यमंत्री चार बार सत्ता की बागडोर संभाल चुके हेमंत सोरेन अब राज्य में सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी संभालने वाले नेता बन गए हैं। 10 अगस्त 1975 को जन्मे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को राजनीति विरासत में मिली है। बेहद मृदुभाषी स्वभाव के कारण सबका दिल जीतने वाले हेमंत सोरेन राज्यसभा सदस्य भी रहे, अर्जुन मुंडा के नेतृत्व में बनी सरकार में उपमुख्यमंत्री की भूमिका भी निभाई और फिर कुल चार बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेकर राज्य की सत्ता की बागडोर संभाली। 2019 में रघुवर दास के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ भाजपा सरकार को हराकर वे महागठबंधन के निर्विवाद नेता के रूप में उभरे और फिर 2024 में ईडी की कार्रवाई के दौरान भाजपा के खिलाफ जमकर लड़े, जेल गए, जमानत पर बाहर आए और फिर से मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी संभाली और विधानसभा चुनाव में भाजपा और एनडीए को फिर से हराकर उन्होंने खुद को अजेय नेता के रूप में स्थापित किया। फिलहाल हेमंत सोरेन का मुख्यमंत्री के तौर पर यह चौथा कार्यकाल है और वे सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री की कुर्सी पर काबिज रहने वाले नेता बन गए हैं। हेमंत सोरेन पहली बार 13 जुलाई 2013 को झामुमो, कांग्रेस और राजद के समर्थन से झारखंड के मुख्यमंत्री बने थे, उनका पहला कार्यकाल 28 दिसंबर 2014 तक चला था। चुनाव हारने के बाद उन्होंने पद से इस्तीफा दे दिया था। 2019 के झारखंड विधानसभा चुनाव में महागठबंधन ने भारी जीत दर्ज की और दूसरी बार

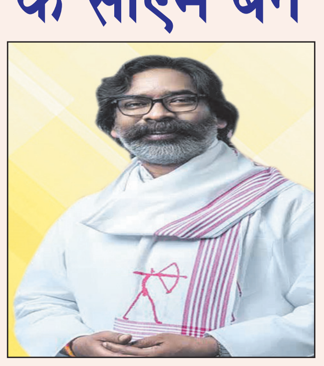

हेमंत सोरेन ने 29 दिसंबर 2019 को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उनका कार्यकाल 31 जनवरी 2024 तक रहा क्योंकि ईडी द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद उन्होंने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। करीब 06 महीने जेल में रहने के बाद जब हेमंत सोरेन झारखंड हाईकोर्ट से जमानत पाकर दोबारा जेल से बाहर आए तो उन्होंने तत्कालीन मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन से इस्तीफा दिलवाकर 04 जुलाई को फिर से मुख्यमंत्री पद की कमान संभाल ली। 04 जुलाई 2024 से 28 नवंबर 2024 तक हेमंत सोरेन ने 147 दिनों का कार्यकाल पूरा किया। विधानसभा चुनाव 2024 में भी झारखंड मुक्ति मोर्चा- कांग्रेस- राजद और भाकपा-माले के महागठबंधन जिसे इंडिया ब्लॉक नाम दिया गया था, को भारी जीत मिली जिसके बाद 28 नवंबर 2024 को हेमंत सोरेन ने चौथी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उनका यह कार्यकाल अभी भी जारी है। झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि झारखंड में अब तक किसी का कार्यकाल याद रखने लायक नहीं है। उन्होंने अर्जुन मुंडा का नाम लिए बगैर कहा कि भाजपा के एक नेता भी तीन बार मुख्यमंत्री बने, लेकिन उनका कोई भी काम ऐसा नहीं था कि उसे याद किया जाए। लेकिन हेमंत सोरेन चौथी बार मुख्यमंत्री हैं और उनके सभी कार्यकाल सफल रहे हैं। राज्य की जनता ने 2029 तक का जनादेश दिया है और ऐसा लग रहा है कि हेमंत सोरेन अगले 20 साल तक मुख्यमंत्री बने रहेंगे। उन्होंने कहा कि झारखंड में निवेश को बढ़ावा देने के लिए 19 से 27 अप्रैल तक मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपने शीर्ष अधिकारियों के साथ स्पेन और स्वीडन की यात्रा पर जा रहे हैं। मुख्यमंत्री के प्रयासों का स्वागत करते हुए झामुमो ने कहा कि खनिजों से भरपूर राज्य झारखंड में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं और हमारी उद्योग नीति स्पष्ट है। हमारे नेता पिछली रघुवर दास सरकार की तरह ढोल पीटने वाले नहीं बल्कि राज्य की समृद्धि के लिए विदेश जा रहे हैं।

पूर्णिया में कैस्ट्रॉल की फर्जी मोबिल फैक्ट्री का खुलासा

■ किराए के मकान में 2 साल से चल रहा था धंधा ■ कंपनी को इंजन सीज होने की मिल रही थी शिकायत

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया में किराए के मकान में नकली मोबिल बनाया जा रहा था। धंधेबाज नकली मोबिल बनाता और फिर उसे बहुचर्चित कैस्ट्रॉल कंपनी के नाम से बेचता था। नकली मोबिल के दो से तीन बार के इस्तेमाल से गाड़ियों में इंजन के सीज करने की समस्या आ जाती। नकली मोबिल बेचकर धंधेबाज ने 2 सालों में अथाह संपत्ति बनाई। शातिर धंधेबाज के इस काले धंधे की भनक लगते ही पुलिस ने फैक्ट्री में छापेमारी की। किराए के मकान से चल रही कैस्ट्रॉल की फर्जी मोबिल फैक्ट्री से लाखों के नकली मोबिल के साथ धंधेबाज को धर दबोचा। मामला पूर्णिया के मधुबनी थाना क्षेत्र के मोलवी टोला इलाके की है।

कैस्ट्रॉल कंपनी के अधिकारी ने पुलिस को दी जानकारी

घटना की जानकारी देते हुए छापेमारी टीम में शामिल कैस्ट्रॉल कंपनी के अधिकारी शुभाशीष दत्ता ने बताया की पूर्णिया में कैस्ट्रॉल कम्पनी के मोबिल की बिक्री में तेजी से गिरावट आ रही थी। इसके बाद उनकी टीम ने इसकी पड़ताल करते हुए सेल्स में आई कमी की वजह तलाशने में जुट गए। पड़ताल में टीम को इसकी भनक लगी कि पूर्णिया में कैस्ट्रॉल कंपनी का नकली मोबिल बेचा जा रहा है। वो जांच करते हुए मधुबनी मोलवी टोला पहुंचे, जिसके बाद उन्हें मालूम हुआ कि कैस्ट्रॉल कंपनी का मोबिल इसी इलाके में मौजूद किराए के मकान से बनाया जा रहा है। इसके दौरान बाद टीम ने इसकी सूचना मधुबनी थाना प्रभारी सूरज प्रसाद को दी।

पिछले 2 साल से कर रहा था धंधा

कैस्ट्रॉल कंपनी के नाम पर नकली मोबिल फैक्ट्री संचालित किए जाने की सूचना मिलने पर मधुबनी थानाध्यक्ष सूरज प्रसाद ने पुलिस टीम के साथ मोलबी टोला स्थित इमामबाड़ा के समीप स्थित मो.बाबर के घर में छापेमारी की। छापेमारी में पुलिस और कैस्ट्रॉल कंपनी के टीम के अधिकारियों ने नकली मोबिल, डब्बा, कैस्ट्रॉल मोबिल का स्ट्रीकर, कई ड्रामों में जला हुआ लाखों का नकली मोबिल बरामद किया। मधुबनी थानाध्यक्ष सुरज कुमार ने बताया कि छापेमारी में कैस्ट्रॉल कंपनी के नाम पर नकली मोबिल का धंधा करने वाले शातिर धंधेबाज मो.बाबर को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जब्त नकली मोबिल, खाली डब्बा, कैस्ट्रॉल मोबिल का स्ट्रीकर, ड्राम की गिनती की जा रही है। घर से नकली कैस्ट्रॉल मोबिल के साथ ही दूसरी कंपनी गल्फ, टीवीएस, हीरो का भी डब्बा बरामद किया गया है। पूछताछ में धंधेबाज मो.बाबर ने बताया है कि वो पिछले 2 साल से नकली मोबिल बनाकर बेचने का काम करता था। इससे उसने खूब संपत्ति बनाई।

शादी के 4 घंटे बाद सड़क दुर्घटना में दुल्हन की मौत

कार-ट्रक की टक्कर में 4 की मौत; बिना दहेज के हुई थी शादी, दूध बेचते है पिता

मधेपुरा, एजेंसी। वैशाली के सड़क हादसे में मधेपुरा की रूपा सहित चार लोगों की मौत हो गई। मंगलवार की सुबह 4 बजे कार और ट्रक की टक्कर में हादसा हुआ। रूपा की शादी सोमवार की रात नवगछिया में हुई थी। शादी के 4 घंटे बाद दुल्हन की मौत हो गई। बुधवार सुबह भागलपुर गंगा घाट पर रूपा (20) का अंतिम संस्कार किया गया। उसके फुफेरे भाई अखिलेश कुमार ने मुखाग्नि दी। रूपा के पिता हंसराज मंडल की आर्थिक स्थिति बेहद खराब है। वे मवेशी पालन कर परिवार का गुजर-बसर करते हैं। मृतका का घर ग्वालपाड़ा थाना क्षेत्र पीरनग रललिया गांव में है। हंसराज के छह बच्चे हैं - चार बेटियां और दो बेटे है। तीन बेटियों की शादी पहले हो चुकी थी। रूपा चौथी बेटी थी। दोनों बेटे अभी छोटे हैं। बड़ा बेटा कन्हैया 12 साल का है और छोटा बेटा अजय कुमार 9 साल का है। मंझली बेटी कविता कुमारी के पड़ोसी क्रांति कुमार ने रिश्ता बताया था। बिना दहेज के शादी हुई थी। लड़की की मां की 4 साल पहले मौत हुई थी। पिता गाय-भैंस पालते हैं। परिवार दूध बेच कर जीवन यापन करता हैं।

बहन ने तय की थी शादी

पिता हंसराज ने बताया कि उनकी आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण उनकी मंझली बेटी ने रूपा की शादी तय की थी। उन्होंने दुख जताते हुए कहा कि परिवार को भरपेट भोजन भी नहीं मिल पाता। ऐसी स्थिति में बच्चों की पढ़ाई का खर्च उठाना भी मुश्किल है। बेटी ने ही दूसरे बेटी की शादी करवाई थी। मंगलवार की रात साढ़े 11 बजे विदाई हुई। घर जाने के दौरान हाजीपुर में एक्सीडेंट हुआ। मेरी बेटी रुपा (20) की मौत हो गई। ससुराल पक्ष के 3 लोगों की मौत हुई है। मृतका की बहन ने कहा है कि शादी करके उसे ले जा रहे थे। एक्सीडेंट हो गया। उसकी मौत हो गई। सभी को पता था कि उसकी शादी हुई है। मेरे छोटे-छोटे 5 बच्चे है। इसलिए मैं शादी में नहीं जा सकी।

दूल्हा समेत तीन लोग जख्मी

बता दें कि रोड एक्सीडेंट में 4 महिलाओं की जान गई। जबकि, दूल्हा समेत तीन लोग जख्मी हुए। मृतकों की पहचान बबीता देवी (क्रांति कुमार की पत्नी), सोनाक्षी कुमारी (8 साल बेटी), मोना देवी (गणेश राय की पत्नी, आंगनबाड़ी सहायिका) के रूप में हुई है। वहीं दुल्हन रूपा कुमारी मधेपुरा के लालिया गांव की रहने वाली थी। जबकि दूल्हा दीनानाथ कुमार, उसके दोस्त क्रांति कुमार और कार ड्राइवर निखिल कुमार घायल है।

बिहार के 12 लाख से अधिक मजदूरों के लिए खुशखबरी, इसी हफ्ते वेतन मिलने की उम्मीद

पटना, एजेंसी। बिहार के 12 लाख से अधिक श्रमिकों का बकाया करीब दो हजार करोड़ रुपये की मजदूरी इसी सप्ताह मिलने की उम्मीद है। इन श्रमिकों को पिछले साढ़े तीन माह से मजदूरी का भुगतान नहीं हो रहा है। मजदूरी भुगतान पर ग्रामीण विकास विभाग निरंतर केंद्र सरकार के संपर्क में है, जिसमें आश्वासन मिला है कि दो-तीन दिनों में राशि जारी होगी। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान 12 अप्रैल को पटना आ रहे हैं। इस दिन वह विभाग की समीक्षा करेंगे। उम्मीद है कि उससे पहले श्रमिकों को मजदूरी मिल जाएगी। मालूम हो कि मजदूरी की शत-प्रतिशत राशि केंद्र सरकार देती है।

27 दिसंबर, 2024 के बाद से ही मजदूरी का भुगतान बंद है। इस संबंध में विभाग के मंत्री श्रवण कुमार ने बताया कि हमलोगों ने मजदूरी भुगतान के लिए कई बार केंद्र से आग्रह किया है। केंद्र ने शीघ्र राशि भुगतान की बात कही है। मनरेगा के तहत श्रमिकों को साल में अधिकतम सौ दिनों तक के काम दिये जाते हैं। विभाग के अनुसार, केंद्र सरकार ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 17 करोड़ मानव दिवस की स्वीकृति दी थी। वहीं, इसके विरुद्ध 25 करोड़ दिनों का काम (मानव दिवस) राज्य के श्रमिकों को दिया गया है। 27 दिसंबर 2024 तक 4100 करोड़ से अधिक मजदूरी के रूप में श्रमिकों को भुगतान किया गया है।

पांच लाख पीएम आवास की स्वीकृति मिलने की उम्मीद

केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री पटना में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण की अद्यतन स्थिति, मनरेगा की स्थिति, पीएम आवास योजना में नये लाभुकों के चयन के लिए चल रहे सर्वेक्षण आदि कार्यों का जायजा लेंगे। उम्मीद है कि विभाग द्वारा मांग की गई पांच लाख आवास की स्वीकृति की भी केंद्रीय मंत्री बिहार दौरे के दौरान घोषणा कर सकते हैं। पीएम आवास योजना के तहत बिहार में अब तक 36 लाख 59 हजार 462 पक्के मकान बने हैं।

राजगीर का रोप-वे 14 अप्रैल तक रहेगा बंद मेंटेनेंस को लेकर मैनेजमेंट का फैसला

नालंदा, एजेंसी। पर्यटकों के बीच आकर्षण का केंद्र रही राजगीर की प्रसिद्ध रोपवे आगामी पांच दिनों तक पर्यटकों को अपनी सेवा से वंचित रखेगी। रोपवे प्रबंधक दीपक कुमार ने बताया कि नियमित रखरखाव को लेकर 14 अप्रैल तक रोप-वे का संचालन पूरी तरह से बंद रहेगा। दीपक ने कहा कि तकनीकी कारणों से रोप-वे के मेंटेनेंस का काम किया जा रहा है। पर्यटकों की सुरक्षा और रोप-वे के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए नियमित अंतराल पर यह आवश्यक प्रक्रिया है।

मेंटेनेंस के बाद होगा शुरू : राजगीर रोपवे बिहार के सबसे लोकप्रिय पर्यटक स्थलों में से एक है, जो सालाना हजारों देशी-विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करती है। यह रोपवे पर्यटकों को रत्नागिरी पहाड़ियों और आसपास के मनोरम दृश्यों का अद्भुत नजारा प्रदान करती है। प्रबंधन ने आश्वासन दिया है कि मेंटेनेंस कार्य पूरा होते ही रोपवे का संचालन पुनः शुरू कर दिया जाएगा। जैसे ही मेंटेनेंस का कार्य संपन्न हो जाएगा, वैसे ही पर्यटकों के लिए रोपवे सेवा तुरंत बहाल कर दी जाएगी।

आईजीआईएमएस के छात्र को अपने अस्पताल में नहीं मिला बेड, मौत पर बवाल

डायरेक्टर के खिलाफ मोर्चा खोला

पटना, एजेंसी। बिहार प्रतिष्ठित आईजीआईएमएस पटना के एक मेडिकल स्टूडेंट की मौत के बाद बवाल मच गया है। 2023 बैच के छात्र अभिनव पांडे को अपने ही अस्पताल में बेड नहीं मिला। सड़क दुर्घटना में घायल होने के बाद उन्हें आईजीआईएमएस लाया गया जहां बेड की कमी बताकर भर्ती नहीं किया गया। एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान बीती रात अभिनव की मौत के बाद छात्र छात्राओं का गुस्सा फूट पड़ा। मेडिकल छात्र और छात्राएं अपने डायरेक्टर के व्यवहार से दुखी होकर उनके ऑफिस के बाहर धरने पर बैठ गए हैं। प्रदर्शनकारी छात्रों ने आईजीआईएमएस में दलाली और पैरवी पर बेड देने का आरोप लगाया है। छात्रों ने यह भी कहा है कि उन्हें एम्बुलेंस भी मुहैय्या नहीं कराया गया। हालात को देखते हुए बड़ी संख्या में पुलिस बलों को तैनात कर दिया गया है। एसडीएम भी मौके पर कैंप कर रहे हैं। बीते सात तारीख को अभिनव एक सड़क हादसे में घायल हो गए थे। साथी मौत से आहत आईजीआईएमएस के छात्रों ने डायरेक्टर के घर का घेराव कर दिया है। उनका आरोप है कि डायरेक्टर ने छात्रों के साथ उचित व्यवहार नहीं किया है। 2 दिन पहले आईजीआईएमएस के इमरजेंसी में घायल होकर आया था तो उसको बेड नहीं मिला। इसके बाद पारस अस्पताल ले जाया गया जहां 2022 बैच के छात्र अविनाश पांडेय की मौत हो गई। छात्रों ने पारस का फीस जमा करने के लिए डायरेक्टर से पैसे की मांग की उन्होंने बात करने से इनकार कर दिया। छात्रों द्वारा डायरेक्टर बंगले का गेट तोड़ दिया गया और खिड़की का कांच भी तोड़ा गया। मौके पर एसडीएम के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पुलिस बल भी पहुंच गई है। डायरेक्टर प्रोफेसर बिंदे कुमार अभी तक बात करने के लिए घर से बाहर नहीं निकले हैं। उनका कहना है कि कार्यालय में ही बात होगी।

इधर धरना दे रहे छात्रों ने बताया कि घायल छात्र को अस्पताल लाने पर बेड नहीं मिला। अब उसे लाने के लिए एमंबुलेंस भी नहीं दिया गया। अपनी मांगों को लेकर सुबह ढाई बजे से मेडिकल छात्र-छात्राएं डायरेक्टर आवास के बाहर धरने पर बैठे हैं लेकिन उन्होंने अबतक मुलाकात नहीं की। प्रदर्शनकारी मेडिकल छात्रों ने अस्पताल में दलालों का अड्डा बन जाने का आरोप लगाया कहा कि पैरवी पर बेड मिलता है। डायरेक्टर का इस्तीफा भी मांगा है। छात्रों का यह भी आरोप है कि निदेशक खुद बात नहीं कर रहे हैं और उन्होंने पुलिस को बुला लिया है और डराने की कोशिश की जा रही है।

ट्रेन के चपेट में आने से छात्र की मौत

ट्रैक पार करने के दौरान हुआ हादसा

आरा(भोजपुर), एजेंसी। आरा रेलवे स्टेशन के पश्चिमी ओवर ब्रिज के समीप डाउन लाइन पर ट्रेन की चपेट में आने से बीए की परीक्षा देने आए छात्र की मौत हो गई। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी मची रही। मृतक की पहचान चरपोखरी थाना क्षेत्र के मदरहा गांव निवासी चंदेश्वर सिंह के बेटे आर्यन सुमित आडवाणी (20) के रूप में हुई है। वह बीए पार्ट थर्ड का छात्र था।

ट्रैक पार करने के दौरान हुआ हादसा : सुमित के चचेरे भाई अमित ने बताया कि उसका क्कपार्ट थर्ड का परीक्षा चल रहा था। परीक्षा देने को लेकर वह नगरी स्टेशन से पैसेंजर ट्रेन से गड़हनी स्टेशन आया और वहां से इंटरसिटी एक्सप्रेस से आरा रेलवे स्टेशन के पश्चिमी गुमटी पर ट्रेन से उतरा। इसके बाद वह रेलवे ट्रैक पार कर रहा था। इसी दौरान दूसरे ट्रेन की चपेट में आने से उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। उसके पास मौजूद एडमिट और आधार कार्ड से रेल पुलिस ने परिजनों को जानकार दी। सूचना पाकर परिजन रात आरा स्टेशन पहुंचे, जिसके बाद पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर उसका

पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। मृत छात्र अपने पांच भाई और एक बहन में छोटा था। उसके परिवार में मां रूनी देवी और 4 भाई जय प्रकाश, विकाश, भोला, नीतीश और एक बहन कविता है। घटना के बाद मृत छात्र के घर में हाहाकार मच गया है। इस घटना के मृत छात्र की मां रूनी देवी हम परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

चेकपोस्ट में बैठे अफसरों को लगाई फटकार

पटना, एजेंसी। राजधानी में ट्रैफिक व्यवस्था का जायजा लेने ट्रैफिक एसपी अपराजित लोहान सादी ड्रेस में ऑटो से निकले। करगिल चौक, एग्जीबिशन रोड, डाकबंगला चौरहा, एयरपोर्ट से लेकर सगुना मोड़ तक गए। इस दौरान वहां के चेकपोस्ट पर तैनात अधिकारियों और जवानों को देखा। डाकबंगला समेत अन्य चेकपोस्ट पर तैनात अधिकारी को अंदर बैठे देख जमकर फटकार लगाई। कहा-पीक आवर में अधिकारी या जवान चेकपोस्ट के अंदर बैठे मिले तो कार्रवाई होगी। अगर ट्रैफिक सिग्नल किसी वजह से बंद है तो एक अधिकारी ट्रैफिक को संभालेंगे। इस तरह का निरीक्षण और जांच अभियान लगातार चलेगा। ट्रैफिक एसपी ने बताया कि सबसे ज्यादा अनियमितता करगिल चौक और एग्जीबिशन रोड पर मिली है।

पटना नगर निगम की पीआरओ ने दिया इस्तीफा

मेयर के बेटे शिशिर पर प्रताड़ित करने का आरोप, महिला थाने में भी शिकायत दर्ज

पटना, एजेंसी। पटना नगर निगम की पीआरओ ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। महिला पदाधिकारी ने मेयर सीता साहू के बेटे शिशिर कुमार पर मानसिक प्रताड़ना और बदसलूकी के आरोप लगाए हैं। इस संबंध में महिला थाने में भी शिकायत दर्ज कराई है। महिला पदाधिकारी ने नगर आयुक्त को लिखे लेटर में कहा, 2021 से नगर निगम में पीआरओ के पद पर अपनी सेवा दे रही हूं, लेकिन अब मेयर पुत्र के कारण इस पद को त्याग रही हूं। कभी मेयर के चैंबर में तो कभी फोन पर मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे थे। मेरे साथ अभद्र व्यवहार किया जाता है। नौकरी से भी निकालने की धमकी दी गई थी। उन्होंने मेरे निजी जिंदगी पर टिप्पणी की है। इससे मैं काफी आहत हूं। यह एक स्त्री के सम्मान की बात है। ऐसे माहौल में काम कर पाना संभव नहीं है।

व्यक्तिगत जीवन को लेकर अभद्र टिप्पणी

महिला थाने में लिखित शिकायत में पीआरओ ने कहा, अनुभव के आधार पर मुझे नौकरी दी गई थी। शिशिर कुमार ने निजी चैनल को इंटरव्यू दिया है, साक्ष्य मेरे पास है। उनके अनुसार मेरे पति ने मुझे छोड़ दिया। इस वजह से मुझे जनसंपर्क अधिकारी की नौकरी मिली। मेरे बारे में जानबूझकर और दुर्भाग्यपूर्ण इरादे से ये बातें कही गई है। उनके इंटरव्यू लगातार वायरल किया जा रहा है। शिशिर की हरकत से मैं मानसिक, सामाजिक और आर्थिक रूप से प्रताड़ना झेल रही हूं। पुलिस मेरे साथ न्याय करे।

उप नगर आयुक्त से की थी बदतमीजी

इससे पहले निगम के उप नगर आयुक्त रामाशीष शरण तिवारी ने शिशिर कुमार पर भद्दी-भद्दी गाली देने और दिवंगत मां को लगाकर गाली देने का आरोप लगाया था। उन्होंने इस मामले में कोतवाली थाने में लिखित शिकायत की थी। उनका कहना है कि गाली-गलौज की यह घटना 3 अप्रैल को हुई थी।

मानहानि केस करने की धमकी

वहीं, शिशिर कुमार ने आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि एसके पटौदिया नाम की एजेंसी है। इसी एजेंसी के जरिए इन्हें पीआरओ के तौर पर रखा गया था। अब एजेंसी ने पीआरओ समेत अन्य कर्मियों को हटाने का नोटिस दे दिया है। 3 अप्रैल को पीआरओ ने मेयर का भाषण नहीं लिखा। इसके चलते मेयर को उस कार्यक्रम में अपमान झेलना पड़ा। महिला थाने में मेरे खिलाफ जो शिकायत की गई है, उसका तथ्य के साथ जवाब दे देंगे। लेकिन अब वे पीआरओ के खिलाफ मानहानि का केस करेंगे, ताकि सच्चाई सामने आ जाए।

Page 3_16.12.2018 PAGE-04.qxd 10-04-2025 22:00 Page 1

डी. फार्मा धारकों को मिली राहत

चल रहे विवाद पर कोर्ट ने लगाया विराम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। फार्मासिस्ट की बहाली को लेकर लंबे समय से चल रहे विवाद पर पटना हाई कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने स्पष्ट कर दिया कि बिहार सरकार द्वारा तय की गई न्यूनतम योग्यता यानी डिप्लोमा इन फार्मेसी (डी. फार्मा) ही फार्मासिस्ट पद के लिए मान्य योग्यता रहेगी।

कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश आशुतोष कुमार और न्यायाधीश पार्थ सारथी की खंडपीठ ने बी. फार्मा और एम. फार्मा डिग्रीधारियों द्वारा दायर कई याचिकाओं को निष्पादित करते हुए यह फैसला सुनाया।

याचिकाकर्ताओं ने दलील दी थी कि बी. फार्मा/एम.फार्मा, डी. फार्मा से उच्च योग्यता है और उन्हें आवेदन से वंचित करना अनुचित है, लेकिन अदालत ने माना कि डिग्री और डिप्लोमा कोर्स की प्रकृति, उद्देश्य और कार्यक्षेत्र अलग हैं।

डी. फार्मा पाठ्यक्रम खास तौर पर सरकारी अस्पतालों व दवा वितरण में उपयोग के लिए तैयार किया गया है, जबकि बी. फार्मा/एम.फार्मा का पाठ्यक्रम औद्योगिक और अनुसंधान क्षेत्र पर होता है।

अदालत ने राज्य सरकार द्वारा जारी नियमों को संविधान सम्मत मानते हुए स्पष्ट किया कि जब तक नियमों में बदलाव नहीं होता, बी. फार्मा/एम.फार्मा धारकों को सिर्फ उसी स्थिति में पात्र माना जाएगा जब वे डी. फार्मा की न्यूनतम योग्यता भी रखते हों।

फैसले में यह भी कहा गया कि फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया के 2015 के रेगुलेशन में दोनों योग्यता (डी. फार्मा/बी. फार्मा) को मान्यता दी गई है, लेकिन राज्य सरकार को अपने पदों की प्रकृति के अनुसार योग्यता तय करने का अधिकार है। कोर्ट के इस निर्णय के बाद हजारों बी. फार्मा/एम.फार्मा डिग्रीधारी अभ्यर्थियों को बड़ा झटका लगा है, जबकि डी. फार्मा धारकों के लिए यह एक बड़ी राहत साबित हुई है।

अनियंत्रित ट्रक ने पिता-पुत्र सहित तीन को रौंदा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दरभंगा। दरभंगा-मुजफ्फरपुर नेशनल हाइवे-27 पर तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रक ने एक बाइक सवार तीन लोगों को रौंद दिया। इसमें मौके पर ही बाप और बेटे की मौत हो गई। जबकि तीसरा व्यक्ति गंभीर रूप से जख्मी हो गया है, जिसका इलाज डीएमसीएच में चल रहा है।

घटना की सूचना मिलते ही मब्बी थाना सहित सिमरी थाना की पुलिस मौके पर पहुंच गई है। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों शव को पोस्टमॉर्टम के लिए डीएमसीएच भेज दिया है। जबकि घायल को इलाज के लिए डीएमसीएच में भर्ती करवाया है। मृतक की पहचान बहेड़ी थाना क्षेत्र के अटही निवासी लालबचन यादव (50) और उनके पुत्र लाल कुमार मंडल (22) वर्ष के रूप में हुई है। वहीं, जख्मी की पहचान भजन कुमार मंडल बताई गई है। घटना की जानकारी मिलते मृतक के परिवार और गांव के भारी संख्या में लोग डीएमसीएच पहुंच गए। परिजनों के चीत्कार से पूरा इलाका गमगीन हो गया है।

घटना के संबंध में बताया जाता है कि बाइक सवार तीनों व्यक्ति पंडाल बनाने का काम किया करता थे। तीनों सिंहवाड़ा थाना क्षेत्र के भरुल्ली गांव से पंडाल बनाकर एक ही बाइक पर सवार होकर दरभंगा की तरफ आ रहे थे। इस दौरान सामने से आ रहे तेज तरफ्तार ट्रक ने सोभन बाइपास से सौ मीटर पहले टक्कर मार दी, जिससे लालबचन यादव और उनके पुत्र लाल कुमार मंडल की मौत घटना स्थल पर ही मौत हो गई। मौत की सूचना मिलते ही घर में कोहराम मच गया है। चारों तरफ डीएमसीएच में चीत्कार मारकर परिजन रो रहे हैं।

इस संबंध में मब्बी थानाध्यक्ष ने कहा कि घटना की सूचना मिलते ही घटना स्थल से दोनों के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए डीएमसीएच भेज दिया है। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही परिजन डीएमसीएच पहुंच गए हैं। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

तेजस्वी व सहनी की बढ़ी मुश्किलें

मुजफ्फरपुर। चुनाव चिह्न के उपयोग के विवाद में विकासशील इंसान पार्टी यानी वीआइपी के संरक्षक मुकेश सहनी, राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष सहनी व विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को पक्ष रखने के लिए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के कोर्ट ने नोटिस भेजा है।

इनको 6 मई को स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से अनिवार्य रूप से उपस्थित होकर अपना पक्ष कोर्ट के समक्ष रखना है। उपस्थित नहीं होने पर कोर्ट एकपक्षीय सुनवाई कर आदेश पारित करेगा। इस संबंध में पिछले वर्ष 18 अप्रैल को भारती सार्थक पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व अधिवक्ता सुधीर कुमार ओझा ने मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी के कोर्ट में परिवाद दाखिल किया था।

इसमें फर्जीवाड़ा व धोखाधड़ी कर भारतीय सार्थक पार्टी के चुनाव चिह्न नाव के दुरुपयोग करने का आरोप लगाया गया था। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी के कोर्ट ने सुनवाई के बाद परिवाद को खारिज कर दिया था। इसके विरुद्ध अधिवक्ता ने प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के कोर्ट में रिविजन वाद दाखिल किया था। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने इसे सुनवाई के लिए स्वीकार कर लिया था।

कार्बाइन सहित देसी कट्टा व कारतूस बरामद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सहरसा। जिले में सोनबरसा राज थाना क्षेत्र के लगमा में पुलिस ने एक बिना मैगजीन का कार्बाइन, कार्बाइन का दो खाली मैगजीन, चार देशी कट्टा और 34 जिंदा कारतूस बरामद किया है। जानकारी के अनुसार, हथियार कारोबारी लगमा निवासी गौरव झा गांव के ही दया झा जो गांव से बाहर रहते हैं के घर में हथियार छुपाकर रख दिया था।

सूचना मिलने पर दया झा के भाई ललन झा ने उसे अपने घर में रख लिया, जिसकी जानकारी मिलने पर कारोबारी गौरव झा अपना हथियार लेने आया तो गौरव झा और ललन झा में कहासुनी होने लगी। इसी बीच किसी ने मामले की जानकारी पुलिस को दे दी। सूचना मिलते ही सोनबरसा राज थानाध्यक्ष अविनाश कुमार सिंह अन्य पुलिसकर्मी के साथ छापेमारी की तो दरवाजे से चार पांच लोग भागने लगे।पुलिस ने जब भागने वाले की जानकारी ली तो लोगों ने बताया कि भागने में ललन झा, गौरव झा और उसका दो सहयोगी था। गौरव और उसके सहयोगी ललन झा पर हथियार वापस करने के लिए दबाव बना रहा था। दया झा का घर बंद रहने के कारण बीडीओ को दंडाधिकारी के रूप में बुला कर घर की तलाशी ली गई तो किचेन में रखे एक लाल बैग में कार्बाइन, चार देशी कट्टा और 29 कारतूस बरामद किया गया। वहीं, ललन झा के निमार्णाधीन घर से कुछ भी बरामद नहीं हुआ। पुलिस ने एक बिना मैगजीन का काबाईन, काबाईन का दो खाली मैगजीन, लोहे का बना एक देशी कट्टा, लोहे का बना एक बिना बैरल का देशी कट्टा, लोहे का बना एक बैरल, पिस्टल का छह मैग्जीन, पिस्टल का एक मैग्जीन, एक हरा रंग के नारियल के डिब्बा में 29 जिंदा कारतूस, एक पीला रंग के प्लास्टिक के पैकेट में पांच जिंदा कारतूस, एक लाल रंग का स्कूल बैग बरामद हुआ। पुलिस ने किसी अभियुक्त के पकड़े नहीं जाने की स्थिति में जब्ती सूची की एक प्रति घर पर चिपकाते हुए घर को विधिवत सील कर चौकीदार को सुरक्षा एवं निगरानी के लिए तैनात किया है।

भूमि विवाद में गोलीबारी, एक की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिहारशरीफ। नालंदा जिले में अस्थावां थाना क्षेत्र के धोबी विगहा गांव में भूमि विवाद को लेकर रिश्तेदारों के बीच हुई हिंसक झड़प और गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई और तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक की पहचान (73) वर्षीय छोटेलाल यादव के रूप में हुई है, जिनकी इलाज के दौरान पावापुरी मेडिकल कॉलेज में मौत हो गई। घटना में कुल तीन लोग घायल हुए, जिनमें से छोटे लाल यादव के पुत्र श्रवण यादव को गोली लगी है, जबकि दो व्यक्ति मारपीट में घायल हुआ है।

मृतक के पोते रोहित कुमार ने बताया कि पिछले चार महीनों से उनका अपने ही गोतिया के साथ जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। उन्होंने कहा कि अस्थावां के सीओ ने विवादित जमीन पर कार्य रोकने का आदेश दिया था। लेकिन दूसरा पक्ष फिर भी खेती कर रहा था। आज जब उन्हें रोकने की कोशिश की तो थाना जाने की बात हुई इसी बीच शिव बालक यादव का बेटा घर की छत पर चढ़कर गोलीबारी शुरू कर दी।

सदर डीएसपी नूरुल हक ने मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह विवाद गोतिया छोटे यादव और शिवबालक यादव के बीच था। हमने एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है। फॉरेंसिक टीम घटना स्थल से साक्ष्य एकत्र कर रही है। प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि यह जमीन विवाद के कारण हुई मारपीट का मामला है।

सड़क पर उतरे एसपी, हड़कम्प

छपरा। सारण जिले की सुरक्षा व्यवस्था, पेट्रोलिंग और पुलिसिंग का हाल जानने पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) शिखर चौधरी बुधवार की रात सड़क पर उतरे। थाना पेट्रोलिंग एवं चेक पोस्ट का जायजा लेने के बाद वाहनों की चेकिंग भी की गई।

वहीं, देर रात सड़क पर एसपी की मौजूदगी में वाहन चेकिंग से बिना वजह सड़क पर घूमने वाले और अपराधी प्रवृत्ति के लोगों में हड़कंप मचा रहा। वहीं पेट्रोलिंग के नाम पर खानापूर्ति करने वाले पुलिसकर्मी भी हलकान रहे। बताया जा रहा है कि देर शाम निकले एसपी ग्रामीण सोनपुर थाना एवं पहलेजा चेक पोस्ट का निरीक्षण किये। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना परिसर की साफ-सफाई, सीसीटीएनएस, वायरलेस, सीसीटीवी के अलावा अभिलेखों के रख-रखाव, मालखाना तथा बंदी गृह की स्थिति का जायजा लिया।

चेक पोस्ट पर भी उन्होंने मौजूद पदाधिकारी एवं कर्मी से यातायात नियंत्रण, वाहन चेकिंग एवं सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी लिये। इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने रिकार्ड रजिस्टरों की जांच कर संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी को आवश्यक दिशा- निर्देश दिया।

सहारा इंडिया की करोड़ों की भूमि हड़पने की कोशिश

धोखाधड़ी सहित कई मामले में प्राथमिकी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

भागलपुर। सहारा इंडिया परिवार की भागलपुर में अवस्थित सौ करोड़ की मूल्य की बेशकीमती भूखंड को फर्जी दस्तावेज प्रस्तुत कर केबाला कराने के प्रयास का मामला सामने आया है।

मोजाहिदपुर थानाक्षेत्र के सिकंदरपुर में रहने वाले जगदीशपुर के टहसुर गांव निवासी राजकुमार रंजन और उनकी सहयोगी रीमा मुखर्जी को नामजद आरोपित बनाते हुए जोगसर थाने में धोखाधड़ी समेत अन्य कई गंभीर आरोप में केस दर्ज कराया गया है।

सहारा इंडिया क्षेत्रीय कार्यालय के प्रोजेक्ट कोआर्डिनेटर बृजेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने राजकुमार रंजन और उनकी सहयोगी रीमा मुखर्जी के विरुद्ध फर्जी तरीके से बोर्ड रिजोलुशनपर और कोलकाता में तैयार किया गया पावर आफ अटार्नी तैयार कराने की बात दर्ज केस में कही है।

जोगसर थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर कृष्ण नंदन कुमार ने केस दर्ज करते हुए अवर निरीक्षक योगेश कुमार को केस का जांचकर्ता बना दिया है। वादी ने पुलिस टीम को कई मोबाइल नंबरों की भी जानकारी दी है जो फर्जी तरीके से बेशकीमती भूखंड को बेचने की साजिश में शामिल हैं। जिला निबंधन कार्यालय से 21 मार्च 2025 को सहारा इंडिया के पंजीकृत कंपनी अंबुजा शेल्टर प्राइवेट लिमिटेड को आफीसियल ई-मेल भेजकर राजकुमार रंजन और रीमा मुखर्जी की तरफ से प्रस्तुत दस्तावेज के सत्यापन का अनुरोध किया था।

निबंधक की सूझबूझ से सौ करोड़ मूल्य की बेशकीमती जमीन का फर्जी तरीके से केबाला करा लेने की साजिश नाकाम हो गई। मामले में सहारा इंडिया क्षेत्रीय कार्यालय, भागलपुर के प्रोजेक्ट कोआर्डिनेटर बृजेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने जब दस्तावेज देखा तो तुरंत समझ गए कि फर्जी दस्तावेज है।

सहारा इंडिया की बेशकीमती भूखंड को बेच आपस में बंदरबांट करने की योजना को अमल में लाने के लिए कोलकाता से पावर आफ अटार्नी ली गई थी।

धोखाधड़ी में राजकुमार रंजन के साथ रीमा मुखर्जी की अहम भूमिका सामने आई है। कंपनी की तरफ से प्रतिनिधित्व करते हुए बृजेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने जोगसर थाने में स्वयं वादी बनते हुए केस दर्ज करा दिया है। दोनों को नामजद आरोपित बनाते हुए धोखाधड़ी समेत कई गंभीर आरोप में केस दर्ज किया गया है।

सहारा इंडिया की बेशकीमती भूखंड को धोखाधड़ी कर उसे बेच आपस में बंदरबांट करने की काली योजना में बाधा बनने वाले सहारा इंडिया क्षेत्रीय कार्यालय के प्रोजेक्ट कोआर्डिनेटर बृजेंद्र कुमार श्रीवास्तव को जान से मारने की धमकी दी गई है। मिली धमकी को लेकर श्रीवास्तव ने जोगसर थानाध्यक्ष को विधिवत जानकारी दे दी है।

फार्म में लौटे केके पाठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा। बिहार में राजस्व पर्षद के अध्यक्ष केके पाठक ने फिर से ताबड़तोड़ एक्शन लेना शुरू कर दिया है। उन्होंने फर्जी जमाबंदी के खिलाफ एक्शन लेने के लिए कहा है।

केके पाठक ने भोजपुर जिले में 15 हजार से ज्यादा नीलाम वाद जल्द से जल्द निपटारा करने का निर्देश दिया है।समीक्षा के दौरान यह पता चला कि जिले के 41 केंद्र संचालित हो रहे हैं। न्यायालय में 15,552 नीलाम पत्र वाद लंबित हैं। इन वादों से संबंधित कुल सन्निहित राशि 440.07 करोड़ रुपये है। इनमें से अब तक 13,277 वादों में भारतीय भू-राजस्व संहिता की धारा सात के तहत नोटिस जारी किए जा चुके हैं।

177 पर डिस्ट्रेस वारंट एवं 698 बॉडी वारंट भी निर्गत हैं। फरवरी 324 वादों का निष्पादन कर 25.34 करोड़ व मार्च में 178 वादों के निष्पादन के माध्यम से 6.61 करोड़ रुपये की वसूली हुई।

केके पाठक ने सभी शेष वादों में धारा सात के अंतर्गत शीघ्र नोटिस जारी कर, 30 दिन बाद पुनः एक बार अनुस्मारक नोटिस भेजा जाए, और यदि 15 दिनों में भुगतान नहीं होता है तो तुरंत बॉडी वारंट जारी किया जाए। एसपी को कहा कि डीएसपी एवं सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारियों के माध्यम से वारंटों का प्रभावी क्रियान्वयन कराते हुए संबंधित ऋणियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया जाए। इसी क्रम में केके पाठक ने बड़हरा अंचल में सरकारी जमीन की फर्जी जमाबंदी मामले पर अविलंब कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

31 लाख रुपये लेकर चार कर्मी फरार

प्राथमिकी दर्ज, छापेमारी जारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। भारत फाइनेंशियल इन्क्लूजन लिमिटेड में कार्यरत चार क्षेत्रीय कर्मियों पर कंपनी के कुल 31.19 लाख रुपये गबन कर फरार होने का मामला सामने आया है।

इस संबंध में कंपनी के शाखा प्रबंधक मो. साकिब आलम ने नगर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। मामला जिले के जमुआ अंतर्गत काजीमाघा गांव से जुड़ा है।

प्राथमिकी में जिन कर्मियों पर गबन का आरोप लगाया गया है। उनमें संदीप कुमार यादव बिहार के जमुई के कटियामा गांव, गणेश कुमार पांडेय नवलशाही, कोडरमा, श्यामकांत कुमार पांडेय तुलसीटांड़, बिरनी, गिरिडीह और मोहित कुमार सिंह गांगपुर, गिद्धौर चतरा) शामिल हैं।

बताते चलें कि यह संस्था ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की महिलाओं को स्वरोजगार के लिए ऋण देती है। आरोपित चारों कर्मी महिलाओं से ऋण की किस्तें वसूलते थे, लेकिन उन्होंने वसूली के रुपये शाखा में जमा नहीं किए। संदीप कुमार यादव ने 19 ऋणी महिलाओं से 1,01,420 रुपये वसूले। गणेश कुमार पांडेय ने 53 महिलाओं से 25,43,667 रुपये, श्यामकांत पांडेय ने 22 महिलाओं से 1,51,060 रुपये वसूले, जबकि मोहित कुमार सिंह ने 7 फरवरी 2025 को 1,23,303 रुपये और एक अन्य कर्मी से 70,700 रुपये लेकर जमा नहीं किया।

इन सभी पर कुल 31,19,450 रुपये की राशि गबन करने का आरोप है। प्रबंधक ने बताया कि पहले तो आरोपित कर्मचारी यह कहकर संपर्क में थे कि राशि सुरक्षित है और जल्द ही जमा करा दी जाएगी। लेकिन, बाद में उन्होंने फोन उठाना बंद कर दिया।

जब भी फोन उठाया गया तो धमकी दी गई कि ज्यादा परेशान करोगे तो दूसरों से कलेक्शन की राशि लूट लेंगे। यह कंपनी ग्रामीण और गरीब महिलाओं को छोटे-छोटे लोन देकर उनके स्वरोजगार को बढ़ावा देने का कार्य करती है।

इन कर्मियों की भूमिका कलेक्शन एजेंट के रूप में होती है जो घर-घर जाकर महिलाओं से किस्त की राशि जमा करते हैं। फिलहाल चारों आरोपित फरार हैं। पुलिस इनकी गिरफ्तारी के लिए छापामारी कर रही है।

रेल यात्रियों की शिकायत पर एजेंसी को जुर्माना

मुजफ्फरपुर। 15228 मुजफ्फरपुर से बेंगलुरु जाने वाली साप्ताहिक एक्सप्रेस में सफर कर रहे यात्रियों ने साफ-सफाई को लेकर सवाल उठाया है। इसमें कॉकरोच की भरमार से यात्री परेशान हो रहे हैं। उक्त ट्रेन में सफर करने वाले यात्री की शिकायत पर एजेंसी को एक हजार रुपये का जुमार्ना लगाया गया है।

उक्त ट्रेन के एसी-2 कोच में सफर कर रहे यात्री ज्ञानेश्वर सहित अन्य ने कॉकरोच की तस्वीर खींचकर रेलमंत्री से लेकर कई उच्चाधिकारियों से शिकायत की है।

इसमें कहा है कि अचानक कॉकरोच बेड और तकिये में घुस गए। सीटों, दीवारों पर भी रेंगते दिखे। इसके डर से नींद उड़ गई। इसको लेकर 12 घंटे बाद बुधवार को एजेंसी पर सोनपुर मंडल की ओर से एक हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। लोगों के बीच 1000 रुपये की जुमार्ना चर्चा का विषय बन गया है।

पुलिस दबिश से अपहृत आठ घंटे में बरामद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

लखीसराय। नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत चितरंजन रोड स्थित दक्ष हॉस्पिटल के पास से बुधवार रात चार-पांच की संख्या में बदमाशों द्वारा एक बाइक सवार युवक का अपहरण कर लिए जाने का मामला सामने आया था।

मामला सीसीटीवी में भी कैद हो गया था, जिसकी सूचना मिलते ही एसपी अजय कुमार के निर्देश पर एसडीपीओ शिवम कुमार के नेतृत्व में टाउन थाना सहित आसपास के थानों की पुलिस मामले की जांच में जुट गई और अपहृत युवक की बरामदगी के लिए छापेमारी शुरू कर दी गई।

वहीं, शहर में भी नाकेबंदी कर दी गई। घटना के महज दो घंटे के अंदर पुलिस ने अपहरण में उपयोग किए गए कार सहित एक व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी। उसके बाद लगातार छापेमारी कर कांड के सात से आठ घंटे के अंदर पुलिस ने अपहृत युवक को न सिर्फ सकुशल बरामद कर लिया। बल्कि कांड को अंजाम देने में शामिल आठ लोगों को गिरफ्तार भी कर लिया।

इस संबंध में टाउन थाना में एक प्रेस वार्ता कर एसपी अजय कुमार ने मामले की पूरी जानकारी देते हुए बताया कि टाउन थाना क्षेत्र के संतर मोहल्ला निवासी नरेश कुमार उर्फ विनोद कुमार मंडल के पुत्र अंशु कुमार को बुधवार रात मारपीट कर अपहरण कर कार सवार चार-पांच की संख्या में अज्ञात व्यक्ति सहित रवि वर्मा एवं सूरज वर्मा द्वारा ले जाया गया। इस संबंध में कांड संख्या 180/25 दर्ज करते हुए एसडीपीओ शिवम कुमार के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। वहीं, उनके निर्देश पर पूरे शहर में सघन छापेमारी किया गया। छापेमारी के क्रम में अपहरणकर्ता रवि वर्मा को कांड में प्रयुक्त किए गए स्लेटी कलर की कार डब्ल्यूबी6 एफ4461 के साथ गिरफ्तार किया गया।

जयंती पर जैन समाज ने निकाली शोभायात्रा

खूंटी। जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर, अहिंसा के अवतार भगवान श्री महावीर स्वामी के 2624 वें जन्म कल्याणक महोत्सव के अवसर पर खूंटी शहर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। कर्रा रोड स्थित जैन मंदिर में पूजा करने कर बाद जिले के जैन परिवारों ने शोभायात्रा निकाली। शोभायात्रा नेताजी चौक होते हुए भगत सिंग चौक और भगत सिंह चौक से डाक बंगला रोड होते हुए शोभायात्रा जैन मंदिर पहुंची। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में जैन परिवार को लोग शामिल थे। शोभायात्रा के दौरान रास्ते मे सभी को मिठाईयां बांट कर जन्मोत्सव मनाते दिखे। भगवान महावीर स्वामी की जयंती को लेकर जैन समाज के लोगों में खासा उत्साह है।

शोभायात्रा की समाप्ति के बाद भगवान महावीर स्वामी का जलाभिषेक कर पूजा होगी। उसके बाद दोपहर को भंडारा का आयोजन किया गया है। जैन परिवार से जुड़े लोगों ने बताया कि शाम को आरती होगी जिसमें बड़ी संख्या में जैन परिवार के लोग शामिल होंगे। महावीर जयंती को लेकर शहर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गए है।

जल्द मिलेगी होम्योपैथी कालेज और अस्पताल की सौगात

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। विश्व होम्योपैथी दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कहा कि दक्षिण बिहार में जल्द नया होम्योपैथी कॉलेज और अस्पताल की स्थापना होगी। उन्होंने कहा कि यह संस्थान चालू वित्तीय वर्ष में ही शुरू हो जाएगा। राज्य में 64 वर्ष बाद एक नए होम्योपैथी कॉलेज की स्थापना होने जा रही है। राज्य आयुष समिति की तरफ से गुरुवार को शहर के शास्त्री नगर स्थित ऊर्जा ऑडिटोरियम में आयोजित डॉ. सैमुअल हैनीमैन की जयंती समारोह एवं वैज्ञानिक सेमिनार को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि होम्योपैपैथी चिकित्सा पद्धति की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है। राज्य में 86 नए आयुष्मान आरोग्य मंदिर बनाए जाएंगे।

मंत्री ने कहा कि 121 करोड़ की लागत से मुजफ्फरपुर में 200 बेड के एक आधुनिक होम्योपैथी अस्पताल का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। इसका उद्घाटन भी जल्द किया जाएगा। अब तक यह राज्य का एकमात्र सरकारी होम्योपैथी अस्पताल है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से होमियोपैथी डॉ. सैमुअल हैनीमैन की जयंती मनाई जाती है, इसी तरह भारत में होम्योपैथी के जनक माने जाने वाले बाबू राजेन्द्रलाल दत्ता और बिहार में इसकी नींव रखने वाले बी. भट्टाचार्य की जयंती भी मनाई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार समाज को बेहतर स्वास्थ्य सेवा देने के लिए प्रतिबद्ध है। समाज को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देने के लिए नित्य नए प्रयोग किए जा रहे हैं। नई योजनाएं चलाई जा रही हैं। स्वस्थ और विकसित बिहार के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार दिन रात कार्य कर रहे हैं।

उन्होंने कहा का एलोपैथी के बाद यदि किसी चिकित्सा पद्धति की समाज में सर्वाधिक स्वीकार्यता है तो वह होम्योपैथी है। यह किफायती होने के साथ ही प्रभावी भी है। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों का इस पर सहज विश्वास होता है। मंत्री ने बताया कि पटना के कदमकुआं स्थित 10 बेड वाले होम्योपैथी अस्पताल में रोजाना लगभग 200 मरीज इलाज के लिए आते हैं।

आंधी-बारिश और बिजली ने मचायी तबाही, 31 लोगों की हुई मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। नालंदा, नवादा, सिवान, भोजपुर, गोपालगंज, बेगूसराय, सारण, गया, जहानाबाद व अरवल में वज्रपात व तेज आंधी-पानी के कारण जगह-जगह पेड़, दीवार, पुलिया और कर्कट गिरने से जानमाल का भारी नुकसान हुआ है।

इन जिलों में कुल 31 लोगों की जान गई है। जिनमें सर्वाधिक नालंदा में अलग-अलग 13 लोगों को जान गंवानी पड़ी है। इनमें एक भी मौत वज्रपात से नहीं हुई है।

नालंदा जिले के मानपुर थाना के नगवां गांव में देवी स्थान की दीवार पर पीपल का विशाल वृक्ष भरभराकर गिर पड़ा, जिससे वृक्ष व दीवार के मलबे से दबकर एक ही जगह छह लोगों की मौत हो गई। जिले के इस्लामपुर में बालमत बिगहा गांव के पास पुलिया धंसने से दादी, उनके दो वर्ष का पोता और नौ माह की पोती की मलबे से दबकर मौत हो गई।

जिले के पावापुरी सहायक थाना के दुगार्पुर खंधा में ताड़ के पेड़ से दबकर एक दस वर्षीय बालक की मौत हो गई। जिले के सिलाव के माधोपुर में ताड़ से दबकर दो की मौत हो गई। वहीं राजगीर के सारिलचक में पेड़ से दबकर एक की मौत गई।

भोजपुर में मां-बेटा समेत पांच लोगों की मौत हुई है। इनमें वज्रपात से एक एवं दीवार व पेड़ से दबकर चार की मौत हुई है। भोजपुर के बड़हरा में बिहार को उत्तर प्रदेश को जोड़ने वाला महुली घाट-सिताबदियारा पीपा पुल तेज आंधी पानी के कारण टूट गया है।

सिवान में वज्रपात से चार लोगों की मौत हो गई है। सारण के पानापुर में वज्रपात से दो की मौत हो गई है। गोपालगंज में झोपड़ी पर पेड़ गिरने से एक महिला की मौत हो गई है। जहानाबाद में वज्रपात से दो की मौत हुई है।

अरवल-पटना सीमा पर पटना के बेदौली गांव में दीवार व पेड़ से दबकर दो की मौत की सूचना है। बेगूसराय के चेरिया बरियारपुर में वज्रपात से किशोरी की मौत हो गई। गया जिले के टनकुप्पा प्रखंड अंतर्गत भेटौरा पंचायत के मायापुर गांव में दीवार गिरने से आठ वर्षीय बालक की मौत हो गई।

आंधी और वर्षा से फसलों को काफी नुकसान पहुंचा है। कई जगह पेड़ धराशाई हो गए। कच्चे व खपरैल घरों को भारी नुकसान हुआ है। कई स्थानों पर बिजली आपूर्ति बाधित है।

जिन किसानों की गेहूं की फसल अभी नहीं कटी है. उन्हें थोड़ी राहत हैं, लेकिन जिनकी फसल कटकर खेत में पड़ी हैं, उनको अधिक नुकसान हुआ है।

मुख्यमंत्री ने जताया शोक

भीषण आंधी-पानी और वज्रपात से प्रदेश में 31 लोगों की मौत पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपदा की इस घड़ी में वह प्रभावित परिवारों के साथ हैं। मुख्यमंत्री ने सभी मतृकों के परिजनों तुरंत चार-चार लाख रुपए का अनुग्रह अनुदान देने का निर्देश दिया है।

उन्होंने लोगों से यह अपील किया है कि सभी लोग खराब मौसम में पूरी तरह सतर्क रहें। खराब मौसम होने पर आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा समय-समय पर जारी किए गए सुझावों का अनुपालन करें। खराब मौसम में घरों में रहें और सुरक्षित रहें।

नवादा जिले में गुरुवार शाम हुई तेज आंधी-बारिश से भारी नुकसान हुआ है। किसानों की तैयार गेहूं का फसल पानी में डूब गई है। मध्यमवर्गीय किसानों का 60 प्रतिशत गेहूं की फसल खेत में थी, जो पानी में डूब गई। कई स्थानों पर तेज आंधी के कारण पेड़ टूटकर गिर गए। शहर के आईटीआई के पास एक पेड़ बिजली के तार पर ही गिर गया। शहर में घंटे बिजली आपूर्ति बाधित रही।

बारिश के बाद नवादा शहर के कई इलाकों में जलजमाव हो गया।

सबसे बुरी स्थिति सदर अस्पताल की रही। अस्पताल परिसर में पानी भर गया। मरीजों, उनके परिजनों और डॉक्टरों को भारी परेशानी उठानी पड़ी। अस्पताल का बाहरी परिसर पानी में डूब गया। मरीजों को जांच कराने में दिक्कत हुई। चारों ओर पानी ही पानी नजर आ रहा था। अचानक दोपहर को साढ़े तीन बजे तेज आंधी के साथ तेज बिजली की चमक और बादलों की गड़गड़ाहट के बीच बारिश हुई। दिन में ही रात जैसा नजारा दिखा। मौसम सुहावना हो गया। उमस भरी गर्मी से लोगों को राहत मिली। लेकिन आधे घंटे से अधिक की बारिश ने शहर की व्यवस्था की पोल खोल दी। नालियां उफनने लगीं। गंदा पानी सड़कों पर बहने लगा, कई मोहल्लों में पानी भर गया।

प्रजातंत्र चौक, विजय बाजार मोड़, पुरानी जेल रोड मोड़, नवीन नगर, वीआईपी कॉलोनी जैसे इलाकों में जलभराव हो गया। लोगों को आने-जाने में दिक्कत हुई। नगर परिषद पर लापरवाही के आरोप लगे। सूरज कुमार, संजीव कुमार राजीव, ललित, रंजय समेत कई लोगों ने बताया कि नालियों की सफाई नहीं हुई है। इसी कारण जलजमाव की स्थिति बनी।

सदर अस्पताल परिसर झील में बदल गया। हालांकि, कुछ देर के बाद ही बारिश छूट गई। रात को बारिश होने की प्रबल संभावना बनी है। इससे संक्रमण का खतरा बढ़ गया है। मच्छरों की संख्या भी बढ़ गई है। अस्पताल प्रबंधन ने कहा है कि जल्द पानी निकासी की जाएगी। अस्पताल नीचे होने के कारण हल्की बारिश में भी डूब जाता है।

संक्षिप्त समाचार

पेड़ पर लटके मिले प्रेमी युगल के शव, अलग-अलग समुदाय के थे युवक और युवती, गांव में मचा हड़कंप

बाराबंकी, एजेंसी। बाराबंकी जिले के मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र के बिहुरा गांव में बृहस्पतिवार की सुबह उस समय हड़कंप मच गया जब गांव के बाहर एक पेड़ से प्रेमी युगल के शव लटके पाए गए। दोनों अलग-अलग समुदाय से थे और बीते चार वर्षों से प्रेम संबंध में थे। युवक की तीन महीने पहले ही शादी हुई थी। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, मृतक सूरज (21) पहाड़पुर गांव का निवासी था जबकि युवती निशा बानो (18) पड़ोसी गांव बिहुरा की रहने वाली थी। दोनों के बीच चार साल से प्रेम संबंध था, लेकिन सामाजिक और धार्मिक बंदिशों के चलते शादी संभव नहीं हो पाई। कुछ दिन पहले दोनों घर से भाग निकले थे, लेकिन परिजनों के दबाव में लौट आए। इसके बाद सूरज के परिजनों ने तीन महीने पहले शादी कर दी।

बुधवार देर रात करीब दो बजे सूरज की पत्नी ने बताया कि वह घर से गायब है। परिजनों ने काफी तलाश की लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। गुरुवार सुबह गांव के कुछ लोग खेत की ओर गए तो देखा कि आम के पेड़ से दो शव फंदे पर लटके हैं। दोनों की पहचान सूरज और निशा के रूप में हुई। बताया गया कि दुपट्टा और गमछा जोड़कर फांसी का फंदा बनाया गया था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। कोतवाल डीके सिंह ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की जांच की जा रही है। वहीं सूरज की नवविवाहिता पत्नी, जिसके हाथों से मेहंदी का रंग अभी पूरी तरह उतरा भी नहीं था, सदमे में है और बार-बार मूर्छित हो रही है। गांव में इस घटना को लेकर गहरा शोक और सनसनी फैली हुई है।

इंटर कॉलेज की भूमि की आय में धांधली की शिकायत

जौनपुर , एजेंसी। सादाबाद के गांव कुरसंडा स्थित कुरसंडा इंटरमीडिएट कॉलेज के नाम 80.5 बीघा कृषि योग्य जमीन की आय में धांधली की शिकायत जिला विद्यालय निरीक्षक से की गई है। डीआईओएस ने इसकी जांच के लिए समिति गठित कर दी है।

ग्राम पंचायत नगला ध्यान निवासी समाजसेवी बनी सिंह ने तहसील दिवस में इसकी शिकायत की थी। उन्होंने कहा था कि 2017 से लेकर आज तक इस खेती का इंटर कॉलेज के खाते में एक भी रुपया जमा नहीं किया है। कॉलेज में काफी कम धनराशि कार्यवाही रजिस्टर में दर्ज की जाती है। आजकल जिस हिसाब से जमीन की बोली लग रही है, उस हिसाब साथ 2024 तक की आय की जांच कराई जानी चाहिए। बनी सिंह का आरोप है कि कॉलेज के प्रबंधक मिलने वाले लोगों को जमीन दे देते हैं। जितनी बोली लगती है, उतनी रकम जमा नहीं की जाती। इस संबंध में डीआईओएस संतप्रकाश का कहना है कि इस मामले की जांच के लिए समिति गठित कर दी गई है। जांच रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

आंबेडकर शोभायात्रा में प्रतिबंधित होंगी जातिसूचक पट्टिकाएं

अलीगढ़ , एजेंसी। आंबेडकर शोभायात्रा के लिए इस वर्ष डॉ. भीमराव आंबेडकर मेला समन्वयक कमेटी का गठन किया गया है। डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती 14 अप्रैल को मनाई जाएगी। इसे लेकर दोनों संयोजकों ने बैठक कर जानकारी दी। शोभायात्रा में जातिसूचक पट्टिकाएं, गीत आदि प्रतिबंधित रहेंगे। शहर के रॉयल रिच रेस्टोरेंट में बुधवार को हुई बैठक में बताया गया कि 14 अप्रैल को राधास्वामी बगीची से बाइक प्रभात फेरी निकाली जाएगी। 26 अप्रैल को सियलखेड़ा के संत आश्रम बगीची से दोपहर दो बजे शोभायात्रा का शुभारंभ होगा।

संयोजक डॉ. राहुल सिंह व सुषमा सिंह ने समाज से अपील की है कि अफवाहों पर ध्यान न दें। समाज एकजुट है। शोभायात्रा में जातिसूचक पट्टिकाएं, गीत आदि प्रतिबंधित रहेंगे। मेला कमेटी के भगवान सिंह भारती, शम्मी गौतम, चौधरी विजेन्द्र सिंह, लल्लन बाबू एडवोकेट, पंकज प्रेमाकर, नेत्रपाल सिंह, राहुल सिंह आदि मौजूद थे।

दिन में छाया रात के जैसा अंधेरा, कई क्षेत्रों में भारी बारिश

तेज हवाएं चलने से पारा एकदम से लुढ़का

लखनऊ , एजेंसी। राजधानी में बृहस्पतिवार को सुबह होते ही, घने काले बादलों और झोंकेदार हवाओं संग जमकर बरसात शुरू हुई। घने बादलों की मौजूदगी से दिन में ही अंधेरा छा गया। बारिश और हवाओं की वजह से तापमान गिरने से मौसम सुहाना हो गया और लोगों को राहत महसूस हुई।

वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के असर से लखनऊ में पूर्वा और पछुआ हवाओं के समागम होने की वजह से यह आंधी और बरसात देखने को मिली है। लखनऊ में सुबह 8:30 बजे तक 7 मिमी. बारिश दर्ज की गई। जबकि एयरपोर्ट के इलाके में यह 2 मिमी. रिकॉर्ड की गई। लखनऊ व आसपास के जिलों बाराबंकी, रायबरेली,सीतापुर आदि में भी अच्छी बारिश देखने को मिली।

गेहूं की फसल को होगा नुकसान

इस आंधी और भारी बारिश से जिन किसानों की गेहूं की फसल अभी कटी नहीं है, उनके नुकसान की आशंका है। झोंकेदार हवाओं से, गेहूं की फसल लेट जाएगी और किसानों को नुकसान उठाना पड़ सकता है।

बारिश के साथ गिरे ओलेज्मौसम हुआ सुहाना

कानपुर , एजेंसी। कानपुर में गुरुवार सुबह अचानक मौसम ने करवट बदल ली है। तड़के सुबह से ही आसमान पर काले बादल घिर आए थे। कुछ देर के लिए अंधेरा छा गया और गरज-चमक के साथ तेज बारिश शुरू हो गई। साथ ही, ओले भी गिरे हैं। इससे गर्मी से बेहाल लोगों को राहत मिली हैं। बता दें कि मौसम विभाग ने आज से लेकर 13 अप्रैल तक प्रदेश के कई जिलों में बारिश और गरज चमक के साथ बौछारें पड़ने का अलर्ट जारी किया है। इसकी शुरुआत कानपुर में सुबह से ही हो गई। अचानक काले बादल आसमान में घिर आए थे। इसके बाद तेज हवाओं के साथ तूफानी बारिश शुरू हो गई। दिन में अंधेरा छा गया, जिससे लोगों को दिन में गाड़ियों की लाइट चालू करनी पड़ी। वरिष्ठ मौसम विज्ञानी डॉ. एसएन सुनील पांडेय ने बताया कि अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से नमी आने के साथ देश के विभिन्न हिस्सों में मौसमी गतिविधियों बनी हैं।

12 अप्रैल को बादलों के और बढ़ने की उम्मीद- इससे माहौल में नमी आ रही है। अगर सारी गतिविधियां एक-दूसरे से जुड़ जाएंगी, तो मौसम बदलेगा। पश्चिमी विक्षोभ पर्वतीय क्षेत्रों में है। इससे भी नमी तराई वाले इलाकों में बढ़ेगी। 12 अप्रैल को बादलों के और बढ़ने की उम्मीद है। इससे गर्मी और उमस बढ़ सकती है।

मौसम ने ली दो जिंदगियां, बिजली गिरने से किसान की मौत, दीवार गिरने से दबकर महिला की मौत

सीतापुर , एजेंसी। सीतापुर जिले में खराब मौसम ने दो जिंदगियां ले ली। खेत में काम कर रहे एक किसान पर बिजली गिरने से उसकी मौत हो गई। वहीं, एक महिला की भी दीवार गिरने से मौत हो गई। बिसवां के ग्राम पंचायत जनुवा के मजरा मोचखुर्द मे आकाशीय बिजली गिरने से किसान हरिश चंद्र भार्गव (23) की मौत हो गई। हरिश्चंद्र कुल तीन भाई थे। मृतक के बड़े भाई की शादी हो चुकी है। हरिश्चंद भार्गव की अभी शादी नही हुई थी। वह बृहस्पतिवार सुबह खेत में गन्ना छीलने गए थे तभी आकाशीय बिजली गिरने से उनकी मौत हो गई। जिले के सकरन में खेत से वापस आ रही महिला पर पक्की दीवार गिर गई जिसके नीचे दबने से उसकी मौत हो गई। रसूलपुर हरदोपट्टी गांव निवासी कुसुमा देवी (55) पत्नी जुगराज बृहस्पतिवार सुबह खेत में गेहूं की फसल की कटाई करने गई थी। सुबह 9.30 बजे तेज हवा के साथ बारिश शुरू हो गई। कुसुमा देवी खेत से अपने घर जाने लगी। गांव में नागेन्द्र के घर के पास पहुंचते ही नागेन्द्र की पक्की दीवार भरभरा कर कुसुमा देवी के ऊपर गिर गई जिसके नीचे कुसुमा देवी दब गई। आवाज सुनकर मौके पर पहुंचें ग्रामीणों ने मलबा हटा कर कुसुमा देवी को किसी तरह बाहर निकाला तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना पुलिस व राजस्व विभाग को दे दी गई है।

टीटीई की पिटाई करने वाले रेलकर्मियों पर लटकी निलंबन की तलवार, रेलवे बोर्ड तक पहुंचा मामला

प्रयागराज , एजेंसी। मुंबई-प्रयागराज दुरंतो एक्सप्रेस में बीते मंगलवार को टीटीई और ट्रेन मैनेजर के बीच हुई मारपीट का मामला रेलवे बोर्ड तक पहुंच गया है। वहीं, मामले में दोषी रेलकर्मियों का निलंबन भी हो सकता है। हालांकि विभागीय जांच शुरू होने के साथ ही इस प्रकरण का एक और वीडियो बुधवार को सामने आया। बताया जा रहा है कि यह वीडियो दुरंतो एक्सप्रेस के ट्रेन मैनेजर केबिन का है। इस वीडियो में ट्रेन मैनेजर और टीटीई के बीच तीखी बहस हो रही है। मौके पर आरपीएफ का एक कर्मी भी ट्रेन मैनेजर व टीटीई को समझाने का प्रयास कर रहा है। वहीं, ट्रेन मैनेजर महेंद्र यादव ने टीटीई एमके पोद्दार के खिलाफ शिकायती पत्र दिया है। पत्र में लिखा कि चार दिन पहले वह ट्रेन लेकर कानपुर गए थे। वहां से पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन और फिर वह सतना गए। लगातार 60 घंटे की ड्यूटी के बाद उन्हें प्रयागराज बुलाया गया। पश्चिम मध्य रेलवे के सतना स्टेशन स्थित लॉबी को इसकी सूचना दी गई। वहां पर महेंद्र की जांच हुई और मेमो देकर प्रयागराज भेजा गया। इसी दौरान सतना से दुरंतो आ रही थी। इस दौरान महेंद्र मेमो लेकर दुरंतो के ट्रेन मैनेजर जगदीश से मिले और ट्रेन में बैठ गए। महेंद्र का आरोप है कि इसी दौरान काली बनियान पहनकर एक व्यक्ति पहुंचा और टिकट मांगने लगा। महेंद्र ने कहा कि उसके पास मेमो है और वह स्पेयर में जा रहे हैं। टीटीई ने इसपर 10 हजार रुपये जुर्माना देने को कहा। इस दौरान दोनों में झड़प हो गई। आरोप है कि महेंद्र को पैंट्री कार में ले जाने की कोशिश की गई। इस आपाधापी में महेंद्र गिर भी गए और उनके हाथ में चोट लग गई। इसके बाद ट्रेन में ही टीटीई और ट्रेन मैनेजर महेंद्र के बीच मारपीट होने लगी। झड़प में टीटीई के कपड़े भी फट गए। इसकी सूचना आरपीएफ मानिकपुर को मिली तो ट्रेन को वहां अटेंड किया गया। तब तक प्रयागराज जंक्शन पर भी यह सूचना पहुंच गई। ट्रेन मैनेजर से हुई अभद्रता को लेकर काफी संख्या में सहयोगी जंक्शन के प्लेटफॉर्म दो-तीन पर ही एकत्र हो गए। जब दुरंतो प्रयागराज पहुंची तो यहां प्लेटफॉर्म पर मौजूद रेलकर्मियों ने टीटीई को घेर लिया। कुछ ने टीटीई को मारा भी। वहीं, टीटीई ने ट्रेन मैनेजर महेंद्र और जगदीश के खिलाफ शिकायत की है। उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज मंडल के सीनियर डीसीएम हिमांशु शुक्ला ने बताया कि अभी जांच चल रही है। मारपीट के वीडियो भी देखे गए हैं। मंडल परिचालक प्रबंधक ने दोनों पक्षों का बयान लिया है।

पत्रकार राघवेंद्र बाजपेयी हत्याकांडः साजिश रचने वाले गिरफ्तार, कुछ ही देर में खुलासा करेंगे पुलिस अधीक्षक

लखनऊ , एजेंसी। सीतापुर में आठ मार्च को हुए पत्रकार राघवेंद्र बाजपेयी हत्याकांड में साजिशकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस मामले में पुलिस अधीक्षक चक्रेश मिश्र दोपहर एक बजे प्रेस कांफ्रेंस करेंगे। आठ मार्च को लखनऊ-दिल्ली हाईवे पर दिनदहाड़े पत्रकार राघवेंद्र बाजपेयी (35) की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। महोली के विकास नगर कॉलोनी निवासी राघवेंद्र बाजपेयी एक दैनिक समाचार पत्र में महोली तहसील के संवाददाता थे। परिजनों के मुताबिक दोपहर करीब तीन बजे उनके मोबाइल पर किसी का फोन आया। इसके बाद वह बाइक से सीतापुर जिला मुख्यालय के लिए निकले। हाईवे पर इमलिया सुल्तानपुर में हेमपुर ओवरब्रिज पर बदमाशों ने उन्हें रोककर गोली मार दी। गंभीर हालत में उन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया था।

खीरी में यूपी-एमपी बॉर्डर पर जमीन के विवाद में अधेड़ की गोली मारकर हत्या, सीमा विवाद में उलझी पुलिस

प्रयागराज , एजेंसी। खीरी थाना क्षेत्र से सटे उत्तर प्रदेश व मध्य प्रदेश सीमा पर स्थित एक खेत में बुधवार देर रात 52 साल के चंद्रकांत मिश्रा की गोली मारकर हत्या कर दी गई। आरोप है कि जमीन के विवाद में गांव के बलवीर सिंह नाम के व्यक्ति ने घटना अंजाम दी और भाग निकला। घायल को एसआरएन अस्पताल भेजा गया लेकिन रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया। फिलहाल देर तक यह नहीं स्पष्ट हो सका कि घटनास्थल यूपी में है या एमपी जनपद में आता है। चंद्रकांत मध्य प्रदेश के चाकघाट थाना क्षेत्र स्थित कुड़री गांव के रहने वाले थे। यह गांव उत्तर प्रदेश मध्य प्रदेश सीमा पर स्थित है जिसमें एक तरफ कुड़री तो दूसरी तरफ खीरी थाना क्षेत्र का बहरइचा गांव है।

दोनों पक्षों में जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। पुलिस के मुताबिक, बुधवार देर रात 12:00 के करीब चंद्रकांत खेत में गेहूं की मड़ाई करा रहे थे। इसी दौरान वहां पर बलवीर पहुंच गया और फिर दोनों पक्षों में विवाद शुरू हो गया। आरोप है कि इसी दौरान चंद्रकांत को गोली मार दी गई। वह लहूलुहान होकर गिरे तो हमलावर भाग निकला। उधर गोली चलने की आवाज सुनकर मौके पर परिजन पहुंचे और फिर पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गई जहां से उसे रेफर कर दिया गया। इसके बाद पुलिस उसे लेकर एसआरएन अस्पताल के लिए चल दी, पर वहां पहुंचने से पहले ही उनकी मौत हो गई।

डीसीपी यमुनानगर विवेक चंद्र ने बताया कि अभी यह स्पष्ट होना बाकी है कि घटनास्थल खीरी थाना क्षेत्र में है या यह एमपी के चाकघाट थाना क्षेत्र के अंतर्गत आता है। दोनों राज्यों की पुलिस मौके पर मौजूद है और राजस्व कर्मियों को भी बुलवाया गया है। घटनास्थल खीरी थाना क्षेत्र में हुआ तो रिपोर्ट पंजीकृत कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

काशी में पीएमः रखौना से हरहुआ तक 8 घंटे नही चलेंगे भारी वाहन, डायवर्जन लागू

वाराणसी , एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को मेंहदीगंज में जनसभा को संबोधित करेंगे। उनका कार्यक्रम सुबह 10.30 बजे से दोपहर 12 बजे के बीच प्रस्तावित है। तय किया गया है कि सुबह 5 बजे से दोपहर 1 बजे तक रखौना से हरहुआ के बीच भारी वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। एडीसीपी ट्रैफिक राजेश कुमार पांडेय ने आमजन से अपील की है कि ट्रैफिक एडवाइजरी का पालन कर यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें।

जनसभा से संबंधित वाहनों के अलावा अन्य सभी वाहनों को रखौना से हरहुआ की तरफ नहीं जाने दिया जाएगा। उन्हें मोहनसराय की तरफ डायवर्ट कर दिया जाएगा। जो वाहन रखौना से हरहुआ जाना चाहेंगे वो राजातालाब से जंसा या अकेलवा से परमपुर अंडरपास चौराहा से रिंग रोड से कोइराजपुर ओवरब्रिज होते हुए हरहुआ जा सकेंगे। हरहुआ से जो छोटे वाहन प्रयागराज जाना चाहेंगे, उन्हें हरहुआ से आगे रिंग रोड पर आने दिया जाएगा। वह कोइराजपुर ओवरब्रिज से वेलकम फैमिली रेस्टूरेंट के सामने से सर्विस रोड होते हुए परमपुर अंडरपास चौराहा से जंसा या अकेलवा होते हुये प्रयागराज जा सकते हैं। जनसभा में जाने वाले सभी वाहनों और बसों को रिंग रोड पर आने दिया जाएगा।

हरहुआ की तरफ से आने वाले जनसभा से संबंधित वाहन अपनी बाईं लेन से आकर रिंग रोड के बगल में खड़े होंगे। वहां से लोग कार्यक्रम स्थल तक पैदल जाएंगे।

रखौना की तरफ से आने वाले जनसभा से संबंधित वाहन अपनी बाईं लेन से आकर रिंग रोड के बगल में होंगे। वहां से लोग कार्यक्रम स्थल तक पैदल जाएंगे।

वीआईपी/ पास वाले वाहन, मंत्रीगण, उच्च पुलिस-प्रशासनिक अधिकारियों के वाहन मेंहदीगंज नहर से रखौना की तरफ खड़े होंगे।

सीएम पोर्टल पर अधिकारी बोल रहे झूठः खराब हैंडपंप को सही बताकर किया निस्तारण, डीएम से शिकायत

अलीगढ़, एजेंसी। गांव में दो माह से खराब पड़े हैंडपंप को सही कराने के लिए ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर इसकी शिकायत की थी। आरोप है कि सचिव ने हैंडपंप को सही कराने का दावा कर शिकायत का निस्तारण कर डाला। जबकि हैंडपंप अभी भी खराब है। मामले की शिकायत डीएम से की गई है।

बहरामपुर के मजरा नगला सिख निवासी जफरुद्दीन ने बताया है कि मोहल्ले का हैंडपंप लगभग दो माह से खराब था। 28 मार्च को उन्होंने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर 1076 पर इसकी शिकायत की, जिसके बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। सात अप्रैल को मोबाइल पर शिकायत के निस्तारण का संदेश मिला तो उन्होंने जन सेवा केंद्र पर जाकर शिकायत संख्या से शिकायत की स्थिति देखी। उन्होंने बताया कि पंचायत सचिव आलोक कुमार और खंड विकास अधिकारी द्वारा हैंडपंप को सही कराने का दावा करते हुए शिकायत का निस्तारण कर दिया है।

शिकायतकर्ता का आरोप है कि मुख्यमंत्री पोर्टल पर जिम्मेदार अधिकारी झूठ बोल रहे हैं। शिकायतकार्ता ने दोनों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए जिलाधिकारी से शिकायत की है। वहीं सचिव आलोक कुमार का कहना है कि उन्होंने ग्राम प्रधान से हैंडपंप की जानकारी ली थी, जिन्होंने हैंडपंप सही कराने की बात कही। इसके बाद हैंडपंप के सही होने की रिपोर्ट भेजी गई है।

ट्राला ने पीछे से कार में मारी टक्कर, दो घायल

छिबरामऊ , एजेंसी। होटल से खाना खाकर घर जाते समय नेशनल हाईवे पर ट्राला ने आगे चल रही कार में टक्कर मार दी। ट्राला ने कार को 50 मीटर तक घसीटा। हादसे में कार सवार दो वकील भी चुटहिल हो गए। घायलों का निजी चिकित्सक के यहां इलाज कराया गया।

तहसील रोड निवासी ऋतिक पाठक एडवोकेट ने बताया कि मंगलवार को अकबरपुर के पास ढाबे पर खाना खाने गए थे। उनके साथ साथी वकील आकाश सक्सेना भी थे। रात 10 बजे लौटते समय नेशनल हाईवे पर राष्ट्रीय विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के सामने पीछे से आए ट्राला ने कार में टक्कर मार दी। ट्राला की टक्कर एवं डिवाइडर से टकराने के कारण कार क्षतिग्रस्त हो गई। पीछे से आए कोल्ड कर्मियों के साथ दोनों ने ट्राला को रोकना चाहिए पर भाग निकला। हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस व हाईवे कर्मियों ने क्षतिग्रस्त कार को पूर्वी बाईपास पर खड़ा करा दिया। कोतवाल अजय अवस्थी ने बताया कि अंधेरा होने के कारण कार चालक ट्राला का नंबर नहीं देख पाए। हाईवे के सीसीटीवी कैमरे चेक कर ट्राला का पता किया जाएगा।

जेल रोड की बदहाली दूर होने में लगेगा समय

रायबरेली , एजेंसी। जेल रोड की बदहाली दूर होने में अभी और समय लगेगा। वजह, बुधवार को नगर पालिका परिषद रायबरेली की बोर्ड की बैठक में सभासदों के हंगामे और विरोध के चलते जेल रोड को लोक निर्माण विभाग को हैंडओवर करने के प्रस्ताव पर सहमति नहीं बन पाई।

सभासदों ने नगर पालिकाध्यक्ष शत्रोह्न सोनकर के 50 लाख रुपये तक के कार्य कराने के एजेंडे को वापस लेने की मांग करते हुए हंगामा किया। मांग रखी कि इसे बोर्ड की बैठक में प्रस्ताव रखा जाए। बाद में कोरम पूरा न होने पर बोर्ड की बैठक स्थगित कर दी गई।

सुपर मार्केट स्थित नगर पालिका परिषद रायबरेली के सभासद हाल में शाम तीन बजे पालिकाध्यक्ष शत्रोह्न सोनकर की अध्यक्षता में बोर्ड की बैठक शुरू हुई। बोर्ड की बैठक में 34 सभासदों ने भाग लिया। अधिशासी अधिकारी स्वर्ण सिंह बैठक का संचालन कर रहे थे। पालिकाध्यक्ष ने प्रस्ताव रखा कि जेल रोड खस्ताहाल है।

इससे लोगों को आने-जाने में परेशानी होगी। सड़क की मरम्मत पर पांच करोड़ रुपये का खर्च आएगा। नगर पालिका के पास इतनी धनराशि नहीं है। इसलिए जेल रोड को लोक निर्माण विभाग को सौंपा जाना है। इस पर सभी सभासदों की सहमति जरूरी है।

सभासद सतीश कुमार मिश्र, पंकज साहू, जय प्रकाश वर्मा, संजय श्रीवास्तव, रामखेलावन बारी, कमरुद्दीन, पुष्पा यादव, मोहित सिंह, श्रवण कुमारी, सुनीता पाल, सबिस्ता बृजेश, रीता देवी, जमुना देवी, कुसुमा देवी, नूरजहां, बृजेश पांडेय, सूफियान, मो. हुसैन, सुशील धनगर, शैलेंद्र यादव, हसीना बानो, आशा सिंह आदि ने सबसे पहले पालिकाध्यक्ष के 50 लाख तक के कार्य की क्षमता कराने के एजेंडे को वापस लेने की मांग रखी। पालिकाध्यक्ष ने विरोध किया तो सभासदों ने हंगामा और प्रदर्शन किया।

यूपी में जिंदा जला ड्राइवरः ट्रक-डंपर की टक्कर के बाद लगी भीषण आग, रॉन्ग साइड बनी हादसे की वजह

मिर्जापुर , एजेंसी। मिर्जापुर-रीवा हाईवे पर बुधवार की रात धसड़ा मोड़ के पास एक भीषण सड़क दुर्घटना में डंपर चालक की जलकर मौत हो गई। गेहूं से लदे ट्रक और डंपर की आमने-सामने की टक्कर के बाद दोनों वाहनों में आग लग गई। आग इतनी भयंकर थी कि दोनों वाहन धू-धू कर जलने लगे। लपटें दूर से देखी जा रही थीं, लेकिन कोई पास जाने की हिम्मत नहीं जुटा सका। थाना विंध्याचल के गैपुरा निवासी बब्बन बिंद (45) की मौके पर ही मौत हो गई। वह डंपर में फंसे रह गए और जिंदा जल गए। चालक की चीख सुनकर मौके पर पहुंचे लोगों ने वाहन से निकलने की कोशिश की। आग भीषणता के चलते कोई कुछ नहीं कर सका। सूचना पर लहंगपुर चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया। फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पुलिस ने डंपर के चेंबर से शव के अवशेष कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि गेहूं लदा ट्रक गलत दिशा से आ रहा था। जिससे यह दुर्घटना हुई। मौके पर पहुंचे अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन ओपी सिंह और थानाध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने घटना की जांच पड़ताल की। आवश्यक निर्देश दिया। पुलिस ने दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर जांच में जुटी। स्थानीय लोगों ने बताया कि टक्कर इतनी तेज थी कि आसपास की जमीन तक कांप उठी। डंपर देखते ही देखते आग की लपटों में घिर गया।

धूमधाम से निकली भगवान महावीर की शोभायात्रा

जैन समाज के सैकड़ों श्रद्धालु पीली साड़ी और सफेद वस्त्रों में हुए शामिल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। अहिंसा के अग्रदूत और जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर के जन्म कल्याणक महोत्सव के अवसर पर गुरुवार को पटना में भगवान महावीर की भव्य शोभायात्रा धूमधाम से निकाली गई। यह शोभायात्रा प्रातः 8 बजे श्री दिगम्बर जैन मंदिर, मीठापुर से प्रारंभ हुई। शोभायात्रा में जैन समाज के सैकड़ों श्रद्धालु पीली साड़ी और सफ़ेद वस्त्रों में शामिल हुए। पूरे देश में बिहार ही एकमात्र ऐसी भूमि है, जो भगवान महावीर की जन्मभूमि, कर्मभूमि एवं निर्वाण भूमि रही है। भगवान महावीर के पांचों कल्याणक बिहार में ही सम्पन्न हुए हैं। इस कारण यहां भगवान महावीर जयंती का विशेष महत्व है।

शोभायात्रा मीठापुर जैन मंदिर से निकलकर मीठापुर पुल, बुधमार्ग पेट्रोल पंप, इस्कॉन मंदिर, इनकम टैक्स गोलंबर, मौर्यालोक, डाकबंगला चौराहा, एक्जीबिशन रोड, भट्टाचार्या रोड, पीरमुहानी होते हुए कदमकुआं स्थित जैन मंदिर पहुंची। यात्रा के मार्ग में श्रद्धालुओं द्वारा आरती, पुष्पवर्षा और भक्तिमय गीतों के साथ स्वागत किया गया। शोभायात्रा में वर्तमान में वर्धमान (महावीर) की आवश्यकता है। प्राणी मात्र से प्रेम करो - जियो और जीने दो, मत करो जीव संहार जैसे संदेशों के साथ नृत्य-संगीत से वातावरण भक्तिमय बना रहा। महिलाएं पूरे रास्ते भक्ति गीतों पर नृत्य करती रहीं और भक्तगण सफाई का संदेश देते हुए आगे-आगे चल रहे थे।

झांकियों के माध्यम से दिए गए संदेश

शोभायात्रा में अनेक आकर्षक झांकियां भी शामिल थीं। महिला मंडल द्वारा प्रस्तुत णमोकार मंत्र की झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। इसमें महिलाएं डांडिया नृत्य करती नजर आईं। बच्चों ने माता त्रिशला के 16 सपनों की झांकी और भगवान महावीर के पांच नामों पर आधारित झांकी प्रस्तुत की। कार्यक्रम में श्रीमती सरला छाबड़ा के नेतृत्व में दर्जनों महिलाएं व बच्चे सम्मिलित हुए।

पूजन, अभिषेक और सामूहिक वात्सल्य भोज

शोभायात्रा की समाप्ति श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, कदमकुआं में हुई। यहां भगवान महावीर का स्वर्ण कलश से शांतिधारा, 108 कलशों से अभिषेक, पूजन एवं आरती श्रद्धाभाव से संपन्न हुआ। इसके पश्चात सामूहिक वात्सल्य भोज का आयोजन हुआ।

बिहार स्टेट दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र कमिटी के सचिव पराग जैन ने बताया कि भगवान महावीर की जन्मस्थली कुंडलपुर में भी जन्मकल्याणक महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। वहां पटना से सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। आयोजन का नेतृत्व जगदीश जैन एवं संयोजन राकेश जैन द्वारा किया गया।

सफल आयोजन के लिए समिति की सराहना

कार्यक्रम का संचालन जैन संघ के अध्यक्ष प्रदीप जैन, उपाध्यक्ष सुबोध कुमार जैन व रमेश कामदार, महामंत्री मुकेश कुमार जैन, कोषाध्यक्ष संजय जैन तथा अन्य पदाधिकारियों ऽ तनसुख जैन, विजय जैन कासलीवाल (मीठापुर), विनोद कुमार जैन (पाटलिपुत्र), पूनमचंद सिंघवी (ओसवाल तेरापंथ संघ) आदि के सहयोग से किया गया।

निरामिष दिवस की घोषणा का स्वागत

महावीर जयंती के अवसर पर बिहार सरकार द्वारा घोषित निरामिष दिवस का जैन संघ सहित सभी समुदायों ने स्वागत किया और महामहिम राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपकर इसके कठोर अनुपालन की मांग की।

अपने करीबी दो मंत्रियों के घर अचानक पहुंचे सीएम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गुरुवार की सुबह अचानक अपने करीबी मंत्रियों के घर पहुंच गए। पहले वह ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चौधरी के घर गए। मुख्यमंत्री वहां से जल संसाधन व संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी के घर पर पहुंचे। नीतीश कुमार अपने मंत्रिमंडल के दोनों निकट सहयोगियों से मिलने के बाद प्रधान सचिव दीपक कुमार के आवास पर पहुंच गए।

महावीर जयंती की छुट्टी के दिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अचानक मंत्रियों से मुलाकात की वजह तो पता नहीं चल सका है। लेकिन इससे सियासी हलचल तेज हो गई है। बताया जाता है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपने मंत्रिमंडल में शामिल मंत्री अशोक चौधरी और विजय चौधरी से मुलाकात के बाद प्रधान सचिव दीपक कुमार के भी आवास पर पहुंचे। जहां उन्होंने अपने प्रधान सचिव से कुछ देर तक बात चीत की। दरअसल बिहार में विधानसभा चुनाव होने में अब कुछ ही महीने बचे हैं। ऐसे में सभी पार्टियां एक्टिव मोड में आ गई हैं और तैयारी में जुट गई हैं। इसी सिलसिले में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार लगातार अपने सहयोगियों से मिलकर चुनावी रणनीति बना रहे हैं।

सियासी हलचल तेज

उल्लेखनीय है कि वक्फ बिल को लेकर जदयू में उथल पुथल देखने को मिल रहा है। जदयू ने लोकसभा में वक्फ संशोधन बिल का समर्थन किया है। इसके बाद से ही कई मुस्लिम नेता मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से नाराज हैं। उधर संसद के दोनों सदनों से पारित होने और राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद वक्फ संशोधन बिल अब कानून बन गया है। जिसके बाद से ही देश भर में सियासत गर्मायी हुई है। जदयू के कई मुस्लिम नेताओं ने पार्टी छोड़ दी है। माना जा रहा है कि विधानसभा चुनाव में भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को मुस्लिम वोट नहीं मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। ऐसे में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अल्पसंख्यकों को साधने के लिए रणनीति बना रहे हैं।

कोई माई का लाल वक्फ कानून को लागू होने से नहीं रोक सकता : नित्यानंद राय

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। वक्फ बिल को लेकर गर्माई सियासत के बीच केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि कोई माई का लाल वक्फ कानून को लागू होने से नहीं रोक सकता है। गुरूवार को नई दिल्ली से पटना पहुंचे नित्यानंद राय ने पटना एयरपोर्ट पर वक्फ कानून को लेकर तेजस्वी यादव के बयान पर कहा कि कोई माई का लाल वक्फ कानून को लागू होने से नहीं रोक सकता। यह कानून संसद से पारित हुआ है, किसी की औकात नहीं कि इसे रोके। बता दें कि तेजस्वी यादव ने हाल ही में कहा था कि अगर उनकी सरकार बनी तो वे वक्फ बिल को फाड़कर कूड़े में फेंक देंगे और उसे लागू नहीं होने देंगे। इस पर पलटवार करते हुए नित्यानंद राय ने कहा कि जनता ने तेजस्वी यादव की राजनीति के पन्नों को फाड़कर फेंक दिया है। बिहार की राजनीति से उनका सफाया तय है।

वहीं 26/11 के मुख्य आरोपी को भारत लाए जाने के सवाल पर नित्यानंद राय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में कोई भी आतंकवादी या देशद्रोही बच नहीं सकता। ऐसे तत्वों पर कड़ी नजर रखी गई है और सख्त कार्रवाई की जा रही है। पश्चिम बंगाल में हो रही हिंसा पर उन्होंने कहा कि कुछ लोग वक्फ कानून को लेकर भ्रम फैला रहे हैं और लोगों को भड़काने का प्रयास कर रहे हैं। यह कानून किसी मुसलमान के खिलाफ नहीं, बल्कि गरीब मुसलमानों के अधिकारों की रक्षा और उनके कल्याण के लिए है। वक्फ संपत्तियों पर वर्षों से मुट्ठी भर लोग कब्जा किए बैठे थे यह कानून उनके खिलाफ है। तेजस्वी यादव द्वारा खुद को मुख्यमंत्री उम्मीदवार बताए जाने पर नित्यानंद राय ने कटाक्ष करते हुए कहा कि तेजस्वी यादव मुंगेरीलाल के हसीन सपने देख रहे हैं। मुख्यमंत्री जनता बनाती है और जब जनता उन्हें नकार चुकी है तो वे मुख्यमंत्री कैसे बनेंगे?

वीर कुंवर सिंह स्मृति संस्कृत व्याकरण शिविर का भव्य समापन, प्रतिभागियों को किया गया सम्मानित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। पटना में संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए चलाए जा रहे 'आधुनिको भव संस्कृतं वद अभियान' के अंतर्गत आयोजित वीर कुंवर सिंह स्मृति अन्तर्जलीय दशदिवसीय संस्कृत व्याकरण शिविर का समापन समारोह अत्यंत उत्साह और गरिमा के साथ सम्पन्न हुआ।

इस शिविर का आयोजन सर्वत्र संस्कृतम् एवं विहार संस्कृत संजीवन समाज, पटना के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था। समापन समारोह की अध्यक्षता एवं उद्घाटन डॉ. मुकेश कुमार ओझा (राष्ट्रीय अध्यक्ष, आधुनिको भव संस्कृतं वद अभियान एवं महासचिव, विहार संस्कृत संजीवन समाज) ने की। उन्होंने अपने संबोधन में संस्कृत भाषा की आधुनिक उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए युवाओं को इससे जुड़ने के लिए प्रेरित किया।

समारोह की मुख्य अतिथि डॉ. लीना चौहान (राष्ट्रीय उपाध्यक्षा, आधुनिको भव संस्कृतं वद अभियान) रहीं। उन्होंने शिविर की उपलब्धियों की सराहना करते हुए सभी प्रतिभागियों को बधाई दी।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में सदानंद प्रसाद (वरिष्ठ संस्कृत प्रचारक एवं शिक्षक) उपस्थित रहे। उन्होंने प्रतिभागियों के समर्पण की सराहना करते हुए ऐसे आयोजनों को संस्कृत के पुनरुत्थान में सहायक बताया। शिविर के दौरान आयोजित 'वीर कुंवर सिंह स्मृति संस्कृत व्याकरण ज्ञान प्रतियोगिता' का परिणाम भी इसी समारोह में घोषित किया गया। देशभर से आए प्रतिभागियों में से विजेता निम्नलिखित रहे–

प्रथम पुरस्कार दयानी शारदेय, आसनसोल (पश्चिम बंगाल)

द्वितीय पुरस्कार नेहा भारती, मगध महिला कॉलेज, पटना

तृतीय पुरस्कार सुजाता घोष, संस्कृत शोध छात्रा, असम

विशेष पुरस्कार प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों में डॉ. रम्भा कुमारी, संस्कृत शिक्षिका, पटना

शिवानी मिश्रा, रामभद्राचार्य विश्वविद्यालय, चित्रकूट (उत्तर प्रदेश)। इस अवसर पर राष्ट्रीय संयोजक पिंटू कुमार ने बताया कि 11 अप्रैल 2025 से वीर कुंवर सिंह स्मृति अन्तर्जलीय संस्कृत शिक्षक प्रशिक्षण संभाषण शिविर का शुभारंभ किया जा रहा है। यह शिविर भी 10 दिवसीय होगा और 'आधुनिको भव संस्कृतं वद अभियान' के अंतर्गत संचालित किया जाएगा। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने सभी प्रतिभागियों, अतिथियों एवं सहयोगियों के प्रति आभार प्रकट करते हुए यह विश्वास जताया कि ऐसे प्रयासों से संस्कृत भाषा को एक नई दिशा मिलेगी और यह अभियान निरंतर आगे बढ़ेगा।

राज्य के किसानों को मिलेगी शीघ्र बाजार समिति प्रांगणों की सुविधा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। उप मुख्यमंत्री-सह-कृषि मंत्री द्वारा जिलावार बाजार समिति प्रांगणों के निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा की गई। इस समीक्षात्मक बैठक में सचिव कृषि संजय कुमार अग्रवाल सहित वरीय पदाधिकारियों ने भाग लिया। बिहार राज्य पुल निर्माण निगम के प्रतिनिधि द्वारा बताया गया कि चंदौती (गया) तथा वैशाली में कार्य पूर्ण हो गया है। पूर्वी और पश्चिम चंपारण के बाजार समिति का कार्य 15 मई तक पूर्ण कर लिया जाएगा। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा 'एक राष्ट्र, एक बाजार' की व्यवस्था की घोषणा की गई है, जिसका सबसे ज्यादा लाभ बिहार को मिलेगा। बिहार के किसानों को उनके फसल उत्पादों के लिए अधिकतम मूल्य मिल पायेगा। इस प्रकार किसानों की आय में अपेक्षित वृद्धि हो पायेगी एवं किसान समृद्ध होगा। कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा 75वें स्वतंत्रता दिवस समारोह (15 अगस्त, 2021) के अवसर पर गांधी मैदान में आयोजित राजकीय समारोह में घोषणा की गयी कि राज्य के किसानों को कृषि उत्पाद हेतु बाजार की सुविधा उपलब्ध करने के उद्देश्य से सभी कृषि उत्पादन बाजार समितियों का जीर्णोद्धार एवं चरणबद्ध तरीके से विकास कराया जाय। कहा कि बाजार समिति प्रांगणों में अनाज, फल-सब्जी एवं मछली का अलग-अलग बाजार की व्यवस्था, स्टोरेज की सुविधा आदि कार्य किया जा रहा है।

जदयू का पोस्टर वार, लालू परिवार को बताया सनातन का दुश्मन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले पोस्टर राजनीति तेज हो गई है। जदयू ने राजद के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए पटना की सड़कों और राजद कार्यालय के बाहर पोस्टर लगाए हैं। पोस्टर में लालू यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी और तेज प्रताप की तस्वीरें हैं, जिन पर लिखा गया है- 'सनातन के दुश्मनों को भूलेगा नहीं बिहार।' पोस्टर में आरोप लगाया गया है कि लालू यादव ने श्रीराम रथ यात्रा को रोका था और तेजस्वी यादव ने राम मंदिर का मजाक उड़ाया था। पोस्टर में एक क्यूआर कोड भी है जिसे स्कैन करने पर 'भूलेगा नहीं बिहार' नामक पेज खुलता है, जिसमें राजद शासनकाल के कथित जंगलराज की घटनाओं का विवरण दिया गया है। यह पोस्टर वार नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव द्वारा राज्य की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाने के बाद सामने आया है।

मामूली विवाद को लेकर मारपीट

बाढ़। बांध रोड स्थित मामूली विवाद को लेकर दो पक्षों में मारपीट की घटना को अंजाम दिया गया। इस मारपीट की घटना में मोहम्मद आशिक, मोहम्मद मुख्तार, मोहम्मद अलाउद्दीन और नसीमा खातून घायल हो गई। जिसका इलाज बाढ़ अनुमंडल अस्पताल में कराया गया। पीड़ित न्याय की गुहार लगाने के लिए बाढ़ थाना पहुंचकर शिकायत की है।

इंडी गठबंधन ने पिछड़ों और वंचितों से किया विश्वासघात, डॉ. अम्बेडकर के खिलाफ रचा षड्यंत्र : तरूण चुग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तरूण चुग ने गुरुवार को पटना स्थित पार्टी कार्यालय में आयोजित डॉ. भीमराव अम्बेडकर सम्मान कार्यशाला को संबोधित करते हुए कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन के दलों ने वर्षों तक पिछड़े और वंचित वर्गों के अधिकारों को कुचला है और डॉ. अम्बेडकर के विचारों के खिलाफ षड्यंत्र किया है।

तरूण चुग ने कहा कि कांग्रेस और राजद जैसे दल जो स्वयं को दलितों-पिछड़ों का हितैषी बताते हैं, असल में उन्हीं के सबसे बड़े धोखेबाज़ हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि काका कालेलकर आयोग (1956) और मंडल आयोग (1980) की रिपोर्टों को लंबे समय तक टालने और संसद में विरोध करने का काम इन्हीं दलों ने किया।

उन्होंने कांग्रेस के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी पर मंडल आयोग के खिलाफ संसद में भाषण देने और राहुल गांधी पर विदेशी धरती से आरक्षण खत्म करने की वकालत करने का आरोप लगाया। चुग ने कहा कि यह कांग्रेस की पिछड़े वर्गों के प्रति मानसिकता को दिखाता है। चुग ने कांग्रेस पर डॉ. अम्बेडकर, संविधान और सामाजिक न्याय की भावना का अपमान करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राजद जैसे दल कांग्रेस की चापलूसी करके उसी के पापों में सहभागी बन गए हैं और तुच्छ वोट बैंक की राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने तीखे लहजे में सवाल किया कि क्या ये वही लालू प्रसाद यादव हैं जिन्होंने इमरजेंसी के खिलाफ जेपी आंदोलन में भाग लिया था अगर हां, तो आज वही कांग्रेस के साथ क्यों खड़े हैं जिसने लोकतंत्र की हत्या की। चुग ने कहा कि इंदिरा गांधी ने अकेले 50 निर्वाचित सरकारों को गिराया और कांग्रेस के शासन में कुल 90 सरकारें बर्खास्त की गईं। यही कांग्रेस और राजद के रिश्ते की असलियत है। उन्होंने कहा कि 1952 और 1954 के चुनावों में कांग्रेस ने षड्यंत्रपूर्वक डॉ. अम्बेडकर को हराने का प्रयास किया। यही नहीं, कांग्रेस ने 1955 में नेहरू और 1971 में इंदिरा गांधी को स्वयं भारत रत्न दिया, लेकिन बाबा साहब को यह सम्मान देने से इंकार किया। भाजपा समर्थित सरकार ने 1990 में उन्हें यह सम्मान दिया। चुग ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने बाबा साहब की 100वीं जयंती तक नहीं मनाने दी और उनके नाम पर कोई स्मारक नहीं बनाया। जबकि भाजपा सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बाबा साहब की स्मृति में पंचतीर्थ का निर्माण कर उनके विचारों को सहेजने और सम्मानित करने का कार्य किया।

हनुमान जन्मोत्सव का चतुर्थ भव्य आयोजन कल, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी करेंगे उद्घाटन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। हिंदू सेवा समिति, बिहार के तत्वावधान में राजधानी पटना के कंकड़बाग टेम्पू स्टैंड चौराहा पर आगामी 12 अप्रैल 2025 को चतुर्थ हनुमान जन्मोत्सव का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस विशाल आयोजन की तैयारियां पूरे जोशोखरोश के साथ अंतिम चरण में हैं। समिति ने आयोजन को यादगार बनाने के लिए विभिन्न स्तरों पर सघन कार्य योजना बनाई है। कार्यक्रम का उद्घाटन बिहार सरकार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, बिहार विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव, तथा स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे के कर कमलों द्वारा किया जाएगा। इस शुभ अवसर पर बिहार सरकार के मंत्री नितिन नवीन, संतोष सिंह सहित कई अन्य गणमान्य अतिथि भी उपस्थित रहेंगे। समिति के अध्यक्ष दीपक कुमार अग्रवाल ने बताया कि कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार हेतु राजधानी के विभिन्न क्षेत्रों में प्रचार गाड़ियों को रवाना किया गया है। साथ ही समिति के पदाधिकारियों द्वारा घर-घर जाकर हनुमान पताका लगाई गई तथा स्थानीय नागरिकों को आयोजन में सम्मिलित होने हेतु आमंत्रित किया गया। इस वर्ष की विशेषता यह है कि 1501 किलोग्राम लड्डू का भोग बजरंगबली को अर्पित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त देश के विभिन्न हिस्सों से आए कलाकारों की प्रस्तुतियां आयोजन की शोभा को और भी बढ़ाएंगी। कार्यक्रम की भजन संध्या में विशेष आकर्षण के रूप में 25,000 से अधिक श्रद्धालुओं द्वारा सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ किया जाएगा। इसके साथ ही काशी (वाराणसी) की तर्ज पर विशेष टीम द्वारा गंगा आरती की तर्ज पर भव्य आरती का आयोजन भी किया जाएगा। श्री अग्रवाल ने बताया कि हिंदू सेवा समिति का यह प्रयास न केवल धार्मिक आस्था को सुदृढ़ करता है, बल्कि सामाजिक एकता और सांस्कृतिक गौरव को भी उजागर करता है। समिति ने सभी श्रद्धालुओं एवं नगरवासियों से इस भव्य आयोजन में सम्मिलित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने का आग्रह किया है।

पलायन रोको, नौकरी दो पदयात्रा पटना पहुंची, आज सीएम को सौंपेंगे ज्ञापन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। 'पलायन रोको, नौकरी दो' पदयात्रा गुरूवार को अपने 26वें दिन राजधानी पटना पहुँची। यह यात्रा भीतिहरवा गांधी आश्रम से शुरू होकर पूरे बिहार में भ्रमण करती हुई यहाँ तक पहुँची है। पदयात्रा का नेतृत्व एनएसयूआई के राष्ट्रीय प्रभारी कन्हैया कुमार, यूथ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष शिव प्रकाश गरीब दास तथा एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष सूरज यादव कर रहे हैं। पटना पहुँचने पर सैकड़ों की संख्या में पेंडिंग सेना भर्ती के अभ्यर्थियों ने हाथों में प्रतीकात्मक हथकड़ी पहन कर पदयात्रा में हिस्सा लिया और आम नागरिकों को संविधान की प्रस्तावना की प्रतियाँ वितरित कीं। पदयात्रा की शुरुआत पटना साहिब गुरुद्वारे में मत्था टेक कर की गई, जहाँ सभी प्रमुख नेताओं ने श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके पश्चात यात्रा गुरुका बाग, अंबेडकर छात्रावास, पत्थर की मस्जिद, दरगाह चौराहा, साईं मंदिर, मुसल्लाहपुर हाट होते हुए पटना विश्वविद्यालय गेट पर समाप्त हुई। दोपहर में पदयात्रा विश्राम के लिए सदाकत आश्रम में रुकी, जहाँ एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। बीपीएससी अभ्यर्थी ख़ुशी चौधरी ने कहा कि सरकार पहले हमें बेरोजगार बनाती है और फिर अपराधी। बिहार के छात्रों को बिहार की नौकरियों में मौका नहीं दिया जा रहा, जबकि बाहरी राज्यों के अभ्यर्थी सरकारी पदों पर भर्ती हो रहे हैं।

डोमिसाइल नीति तुरंत लागू की जानी चाहिए। प्रेस वार्ता में पटना के फुटकर दुकानदारों उमा देवी और कपिल कुमार ने भी नगर निगम और पुलिस की प्रताड़ना की शिकायत की। इस अवसर पर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार ने कहा, ''यह यात्रा बिहार के आम जनमानस में गहरी छाप छोड़ रही है। सरकार अब जनता की आवाज को दबा नहीं सकती।'' उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी माँगें मुख्यमंत्री के समक्ष रखी जाएँगी। एनएसयूआई के राष्ट्रीय प्रभारी कन्हैया कुमार ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि यह कंग्रेस की नहीं, बिहार के छात्रों और युवाओं की यात्रा है, जो अपने ही राज्य में सम्मानजनक रोज़गार चाहते हैं। 11 अप्रैल को मुख्यमंत्री से मुलाक़ात कर माँग पत्र सौंपा जाएगा। डबल इंजन सरकार पर हमला करते हुए कन्हैया ने कहा, ''सरकार वक़्फ़ बोर्ड जैसे इमोशनल मुद्दों पर जनता को उलझा रही है ताकि बेरोज़गारी और महंगाई जैसे असली मुद्दों से ध्यान भटका सके। एक ओर किसान के बच्चे लाठी खा रहे हैं, दूसरी ओर अमित शाह के बेटे को आईसीसी का चेयरमैन बनाया जा रहा है। प्रेस वार्ता में एआईसीसी के सचिव सह बिहार प्रभारी सुशील पासी, शाहनवाज आलम, बिहार कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता राजेश राठौर, ज्ञान रंजन, तथा जिला अध्यक्ष सुमित कुमार सन्नी भी उपस्थित रहे। डॉ. पीयूष रंजन झा, मीडिया इंचार्ज 'पलायन रोको, नौकरी दो' पदयात्रा ने बताया कि पदयात्रा का उद्देश्य केवल रोजगार की माँग नहीं, बल्कि बिहार के युवाओं को उनका हक दिलाना है।

एक नजर

मगध आयुक्त जायेंगे अवकाश पर, डीएम त्यागराजन एस.एम. को सौंपा जायेगा अतिरिक्त प्रभार

पटना (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। बिहार सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार प्रेम सिंह मीणा, भा.प्र.से., आयुक्त, मगध प्रमंडल, गया (अतिरिक्त प्रभार - अपर महानिदेशक, बिपार्ड, गया) को दिनांक 20 अप्रैल 2025 से 2 मई 2025 तक कुल 13 दिनों की उपार्जित छुट्टी की स्वीकृति प्रदान की गई है। उक्त अवधि के अंतर्गत 25 अप्रैल से 30 अप्रैल तक श्री मीणा व्यक्तिगत व्यय पर सिंगापुर की निजी विदेश यात्रा पर रहेंगे, जिसके लिए उन्हें एक्स-इंडिया लीव की अनुमति भी राज्य सरकार द्वारा प्रदान की गई है। सरकारी अधिसूचना के अनुसार, श्री मीणा की अनुपस्थिति की अवधि में उनके द्वारा धारित समस्त पदों व दायित्वों का अतिरिक्त प्रभार गया के जिलाधिकारी त्यागराजन एस.एम. को सौंपा गया है। गौरतलब है कि प्रेम सिंह मीणा मगध प्रमंडल में प्रशासनिक स्तर पर सक्रिय और प्रभावी अधिकारी माने जाते हैं। उनके अवकाश के दौरान प्रशासनिक सुचारूता बनाए रखने के उद्देश्य से यह अंतरिम व्यवस्था की गई है।

बेमौसम बरसात में किसानों की फसल बर्बाद

बाढ (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। गुरुवार की संध्या करीब एक घंटे तक हुई मूसलाधार बारिश ने किसानों के मेहनत पर पानी फ़ेर दिया। मूसलाधार बारिश के चलते किसानों के खेत में कटाई की गई फसल पूरी तरह से बर्बाद हो गया। वहीं खेत में लगे फसल पानी और तेज हवा के चलते जमीन पर सो गया। जिसके चलते किसानों को काफी बर्बादी का सामना करना पड़ सकता है। किसानों ने बताया कि अधिकांशत फसल अभी खेत में लगे हुए हैं। साथ ही खलिहान में भी रखे हुए फसल पानी पड़ने से काला हो जाएगा और बर्बादी भी बहुत ज्यादा है।

बुजुर्ग दंपत्ति को मारपीट कर किया अधमरा

बाढ़ (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। 60 वर्षीय वीर कुमार सिंह और उनकी धर्मपत्नी जोशना देवी को परिवार के ही सदस्यों ने मारपीट कर अधमरा कर दिया । घटना की सूचना पुलिस को मिलने के बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और बुजुर्ग दंपति को उठाकर बाढ़ अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया। जहां दोनों का इलाज कराया जाने के बाद पुलिस मामले की छान बिन में जुड़ गई है। अभी तक मामले की प्राथमिक की दर्ज नहीं हो पाई है।

ट्रेन का चेन खींचकर रोका

बाढ़ (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। गुरुवार की सुबह टाटा के ऊपर एक्सप्रेस ट्रेन को असामाजिक तत्व के लोगों ने सिकंदरपुर गांव के पास चेन खींचकर रोक दिया और बाढ़ से खुलने के बाद भटगांव गांव के पास भी ट्रेन का जंजीर खींचकर ट्रेन को बाधित किया। ट्रेन पर सवार यात्रियों ने बताया कि कुछ असामाजिक तत्व के लोग बड़े-बड़े थैली में अवैध शराब की खेप उतार कर ले गए। इस दौरान रेल पुलिस और रेलवे सुरक्षा बल के जवान मुख्य दर्शक बने रहे यात्रियों ने बताया कि अक्सर इस ट्रेन में शराब की अवैध कारोबार की जाती है और रेल पुलिस उसे रोकने में नकारा साबित हो रही है।

एक देसी कट्टा और 14 जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार

बाढ़ (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। भदौर थाना क्षेत्र के मुबारकपुर गांव निवासी राम श्लोक यादव पिता केदार यादव को भदौर थाना अध्यक्ष अरविंद कुमार ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी करते हुए बुधवार की रात्रि गिरफ्तार कर लिया। पुलिस में गिरफ्तार युवक को न्यायिक विरासत के तहत जेल भेज दिया है साथ ही आर्म्स एक्ट मामले में मामला दर्ज करते हुए अनुसंधान शुरू कर दी है।

20 सूत्री अध्यक्ष बनने पर हर्ष

बाढ़ (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। नगर परिषद के दाल कारोबारी संजय कुमार साहू को हाल के दिनों में भाजपा ने बाढ़ प्रखंड मंडल अध्यक्ष बनाया था उनके बेहतर कार्य और पार्टी के मजबूती में बेहतर योगदान को लेकर मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग पटना के द्वारा बनाए गए सूची में 14 सदस्य के साथ संजय को 20 सूत्री बाढ़ का अध्यक्ष बनाया गया है। जिसको लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है। संजय साहू ने बताया कि वह भाजपा के मजबूती के लिए हर संभव अपनी ताकत झोकते आए हैं और आगे भी पार्टी को बेहतर मुकाम हासिल करने के लिए तैयार हैं।

तेज आंधी से तीन घंटे तक बिजली गुल

मसौढ़ी (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। मसौढ़ी में गुरुवार की शाम तेज आए आंधी पानी में शहर के कई हिस्सों में न केवल तबाही का मंजर देखने को मिला है बल्कि बिजली के तार पर भी कई जगहों पर पेड़ गिर गए हैं जिसके कारण पूरे शहर में 3 घंटे तक बिजी गुल रही है। बिजली एसडीओ राजेश कुमार ने बताया कि दमड़ीचक, सरवां, कोर्ट परिसर, कैलूचक और मेंन रोड के आसपास में बिजली के तार पर पेड़ की डाली टूटकर गिर गई थी, कैलूचक में ट्रांसफार्मर पर पेड़ की डाली टूटकर गिरी है इसके अलावा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में बिजली के तार पर पेड़ गिर गया है। सभी जगहों पर युद्धस्तर पर बिजली को काटकर गिरे हुए पेड की टहनी को हटाया जा रहा है। बहरहाल आंधी पानी से गिरे हुए बिजली के तार पर पेड़ से 3 घंटे तक पूरे शहर में बिजली बाधित रही है, जिस शहरवासियों को कई तरह के परेशानियों का सामना करना पड़ा।

गेहूं की फसल में लगी आग

मसौढ़ी (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। मसौढ़ी एवं धनरूआ थाना क्षेत्र में गुरुवार की दोपहर पांच जगहों पर खेत में लगे हुए गेहूं के फसल में अचानक आग लग गई जहां पर कई किसानों के फसल जलकर कर बर्बाद हो गये, अगलगी की सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंची और आग बुझाने में जुटी रही। अग्निशमन पदाधिकारी जयंत शर्मा ने बताया की मसौढ़ी में बेदौली और धनिचक, धनरूआ में सेवती, मधुबन और भगवानगंज के खरोज गांव में गेहूं के खेत में आग लगने की सूचना मिली थी।

संपादकीय

मनोज कुमार की फिल्मों में देशभक्ति की भावना व्यापक थी

मनोज कुमार हिंदी सिनेमा के उन चंद अभिनेताओं में थे, जिन्होंने बंटवारे की त्रासदी को भोगा था। पाकिस्तान और चीन से संघर्ष के बाद निराश भारतीयों के मन में देशभक्ति की अलख जगाने का बीड़ा उठाने वाले वे अकेले कलाकार थे। उस दौर में जब भारत अपने बूते खड़ा हो रहा था, तब उन्होंने नागरिकों के मन में देश की संस्कृति और उसकी महानता पर गर्व करना सिखाया, जो आज के राष्ट्रवाद से कहीं बड़ा फलक था। उनकी फिल्मों में देशभक्ति का जज्बा उस दौर के करोड़ों दर्शकों के मन में उतरता चला गया। शायद इसीलिए कभी-कभी मनोज कुमार कहते भी थे कि देशभक्ति थोपी नहीं जानी चाहिए। दरअसल, भारतीय नागरिकों में जिस तरह की देशभक्ति वे देखना चाहते थे, उसे उन्होंने बखूबी अभिव्यक्त किया और पूरब से लेकर पश्चिम तक उन्होंने भारत की ही बात सुनाई। इस तरह एक कलाकार के रूप में राष्ट्रीय चेतना की नींव मजबूत की और देशभक्ति की धारा बहाई। उनकी फिल्म 'शहीद' को कौन भूल सकता है। मनोज कुमार जब भगत सिंह की मां से मिले, तो उन्होंने कहा था कि तुम मेरे बेटे जैसे लगते हो। मनोज कुमार की फिल्मों में देशभक्ति की भावना व्यापक थी। वह एक राष्ट्र तक सीमित नहीं थी। उसमें करोड़ों नागरिकों के दुख-सुख और उनकी भावनाएं भी जुड़ी थीं। 'उपकार' और 'पूरब पश्चिम', फिर 'क्रांति' जैसी फिल्मों ने न केवल देशवासियों, बल्कि विदेश में रहने वाले प्रवासी भारतीयों को भी झकझोर कर रख दिया था। निश्चित रूप से उनकी फिल्मों में लादी गई देशभक्ति नहीं थी। न ही मनोज कुमार उनके जरिए अपना कोई विचार या दृष्टिकोण किसी पर थोप रहे थे। उनका एकमात्र लक्ष्य था, देशभक्ति जगाना और लोगों के मन में राष्ट्र के लिए कुछ कर गुजरने का जज्बा पैदा करना। इसमें वे काफी हद तक कामयाब रहे। उन्होंने अपनी फिल्मों के माध्यम से सिर्फ देशभक्ति की बात नहीं की, गरीबी, बेरोजगारी, भूख और भ्रष्टाचार से बदहाली का भी चेहरा दिखाया। बाढ़ और सूखे से हलकान किसानों और कामगारों की दुर्दशा की भी बात की। इस तरह मनोज कुमार की फिल्मों में पूरे भारत की तस्वीर थी, एक राष्ट्रीय भावना थी।

संसार के कल्याण का मार्ग है महावीर के सिद्धांत

संदीप सृजन

भगवान महावीर, जैन धर्म के चौवीसवें तीर्थंकर के रूप में तो धार्मिक मान्यता अनुसार संसार में पूजे ही जाते है लेकिन सही मायने में देखा जाए तो वे संसार में मानवता के सच्चे मसीहा थे । उनका जीवन और शिक्षाएं न केवल धार्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण हैं, बल्कि सामाजिक, नैतिक और पर्यावरणीय संदर्भ में भी प्रासंगिक हैं। उनके अहिंसा, सत्य, अपरिग्रह, अचौर्य और ब्रह्मचर्य के सिद्धांत संसार के कल्याण के लिए है। महावीर ने अपने जीवन के माध्यम से मानवता को आत्म-शुद्धि और शांति का मार्ग दिखाया। उनके जीवन, दर्शन और शिक्षाओं की आधुनिक संदर्भ में प्रासंगिकता है।

भगवान महावीर का जन्म आज से 2624 वर्ष पूर्व (599 ईसा पूर्व) वैशाली (वर्तमान बिहार, भारत) के कुंडग्राम में हुआ था। उनके पिता सिद्धार्थ एक क्षत्रिय राजा थे और माता त्रिशला था । उनका मूल नाम वर्धमान था। बचपन से ही वर्धमान में करुणा और विचारशीलता के लक्षण दिखाई देने लगे थे। एक प्रसिद्ध कथा के अनुसार, जब वे एक बार अपने मित्रों के साथ खेल रहे थे, तो एक सांप को देखकर उनके मित्र डर गए, लेकिन वर्धमान ने उसे शांतिपूर्वक उठाकर सुरक्षित स्थान पर छोड़ दिया। यह घटना उनके अहिंसक स्वभाव का प्रारंभिक संकेत थी। 30 वर्ष की आयु में, अपने माता-पिता की मृत्यु के बाद, वर्धमान ने सांसारिक जीवन का त्याग कर दिया। उन्होंने अपने भाई नंदिवर्धन से आज्ञा ली और संन्यास ग्रहण किया। इसके बाद, वे साढ़े बारह वर्षों तक कठोर तपस्या में लीन रहे। 42 वर्ष की आयु में, ऋजुबालिका नदी के तट पर उन्हें केवलज्ञान (सर्वोच्च ज्ञान) प्राप्त हुआ। केवलज्ञान प्राप्ति के बाद वे महावीर कहलाए, जिसका अर्थ है महान विजेता। अगले 30 वर्षों तक, महावीर ने भारत के विभिन्न हिस्सों में यात्रा की और अपनी शिक्षाओं का प्रचार किया। 72 वर्ष की आयु में, पावापुरी (बिहार) में उन्होंने निर्वाण प्राप्त किया, जिसे जैन परंपरा में मोक्ष कहा जाता है।

महावीर का दर्शन जैन धर्म के मूल सिद्धांतों पर आधारित है, जो पांच महाव्रतों पर केंद्रित हैः अहिंसा, सत्य, अपरिग्रह, अचौर्य और ब्रह्मचर्य। ये सिद्धांत केवल संन्यासियों के लिए ही नहीं, बल्कि गृहस्थ जीवन जीने वालों के लिए भी अनुकरणीय हैं।

अहिंसाः महावीर ने अहिंसा को जीवन का सर्वोच्च धर्म माना। उनके अनुसार, हिंसा केवल शारीरिक रूप में ही नहीं, बल्कि मन और वचन से भी नहीं होनी चाहिए। वे कहते थे कि प्रत्येक जीव में आत्मा निवास करती है, और हर आत्मा का सम्मान करना मानव का कर्तव्य है।

सत्यः सत्य महावीर के दर्शन का दूसरा महत्वपूर्ण स्तंभ था। वे मानते थे कि सत्य बोलना ही काफी नहीं है, बल्कि उसे जीवन में उतारना आवश्यक है।

अपरिग्रहः महावीर का अपरिग्रह का सिद्धांत आज के उपभोक्तावादी समाज के लिए विशेष रूप से प्रासंगिक है। वे

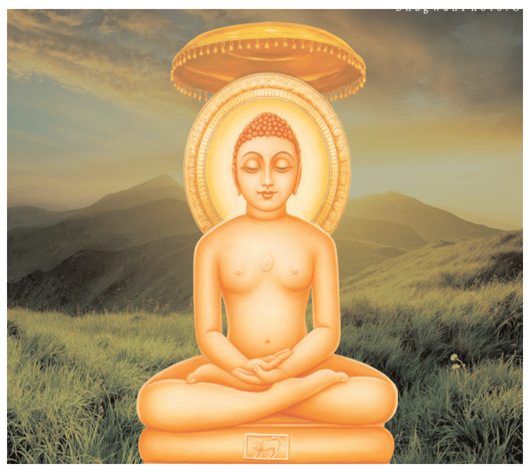

कहते थे कि आवश्यकता से अधिक संचय करना आत्मा को बंधन में डालता है। यह सिद्धांत हमें संतोष और सादगी की ओर ले जाता है।

अचौर्यः अचौर्य का अर्थ है चोरी न करना, चाहे वह भौतिक संपत्ति हो या किसी की भावनाएं। मन की वृत्ति पर नियंत्रण रखने का सूत्र है महावीर का यह सिद्धांत।

ब्रह्मचर्यः ब्रह्मचर्य का तात्पर्य इंद्रियों पर नियंत्रण और संयम से है। ये मार्ग भोग का त्याग कर योग की तरफ जाने का है। महावीर का मानना था कि ये गुण मानव को नैतिकता और आत्म-संयम की ओर ले जाते हैं।

महावीर ने कर्म सिद्धांत को जैन दर्शन का आधार बनाया। उनके अनुसार, हर क्रिया का एक परिणाम होता है, जो आत्मा को कर्मों के बंधन में जकड़ता है। इन बंधनों से मुक्ति के लिए आत्म-ज्ञान और तपस्या आवश्यक है। वे कहते थे, आत्मा स्वयं में शुद्ध और अनंत है, लेकिन अज्ञानता के कारण वह संसार में भटकती है। यह विचार व्यक्तिगत जिम्मेदारी और आत्म-निर्भरता को प्रोत्साहित करता है।

एक बार एक शिष्य ने उनसे पूछा, क्या भाग्य हमारा जीवन निर्धारित करता है? महावीर ने कहा, भाग्य तुम्हारे कर्मों का परिणाम है। अपने कर्मों को बदलो, तो भाग्य भी बदलेगा। यह सिद्धांत हमें यह सिखाता है कि हम अपने जीवन के निर्माता स्वयं हैं।

महावीर का जीवन और शिक्षाएं मानवता के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। उनके विचारों ने भारतीय संस्कृति, समाज और दर्शन को गहराई से प्रभावित किया।

सामाजिक सुधारः महावीर ने जाति-प्रथा और सामाजिक असमानता का विरोध किया। उनके अनुसार, सभी जीव आत्मा के स्तर पर समान हैं। एक बार एक निम्न जाति के व्यक्ति ने उनसे पूछा, क्या मैं भी मोक्ष प्राप्त कर सकता हूं? महावीर ने कहा, मोक्ष जाति या वर्ण से नहीं, कर्म और ज्ञान से प्राप्त होता है। यह विचार उस समय के सामाजिक ढांचे के खिलाफ क्रांतिकारी था।

पर्यावरण संरक्षणः महावीर की अहिंसा का सिद्धांत प्रकृति और पर्यावरण तक विस्तृत था। जैन धर्म में पेड़-पौधों और सूक्ष्म जीवों की रक्षा का जोर उनकी शिक्षाओं से प्रेरित है। आज के जलवायु संकट के दौर में यह विचार अत्यंत प्रासंगिक है। वे कहते थे, प्रकृति के साथ हिंसा स्वयं के साथ हिंसा है।

शांति और करुणाः महावीर का जीवन शांति और करुणा का संदेश देता है। उन्होंने युद्ध और हिंसा का विरोध किया और लोगों को प्रेम और सहानुभूति के साथ जीने की प्रेरणा दी। उनकी यह शिक्षा विश्व शांति के लिए आज भी महत्वपूर्ण है।

महावीर की तपस्या और त्यागः महावीर की 12 वर्षों की तपस्या उनके संकल्प और आत्म-नियंत्रण का प्रतीक है। वे नंगे पांव घूमे, कांटों पर चले, गर्मी और सर्दी सहन की, और कई बार भूखे-प्यासे रहे। एक कथा के अनुसार, एक बार एक चरवाहे ने उनके कानों में कील ठोक दी, लेकिन महावीर ने क्रोध या प्रतिशोध की भावना नहीं दिखाई। उनकी यह तपस्या हमें सिखाती है कि सच्ची शक्ति बाहरी परिस्थितियों को सहन करने में नहीं, बल्कि मन को वश में करने में है।

आज के युग में, जहां हिंसा, लालच और असमानता अपने चरम पर हैं, महावीर की शिक्षाएं एक मार्गदर्शक के रूप में कार्य कर सकती हैं। महावीर का संदेश व्यक्तिगत जीवन में संयम और नैतिकता लाता है। उनकी अपरिग्रह की शिक्षा हमें सादगी और संतोष सिखाती है, जो आज के भौतिकवादी समाज में दुर्लभ है। उदाहरण के लिए, यदि हम उनकी सलाह मानें और केवल आवश्यक वस्तुओं का उपयोग करें, तो हमारा जीवन अधिक शांतिपूर्ण और तनावमुक्त हो सकता है। उनके सिद्धांत सामाजिक न्याय और समानता की नींव रखते हैं। आज जब विश्व विभिन्न संघर्षों से जूझ रहा है, महावीर का शांति और करुणा का संदेश हमें एकजुटता की ओर ले जा सकता है। उनकी अहिंसा का सिद्धांत हमें यह सिखाता है कि हिंसा से समस्याएं हल नहीं होतीं, बल्कि संवाद और समझदारी से ही शांति संभव है।महावीर की पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता आज के संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। उनकी शिक्षाएं हमें प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाए रखने की प्रेरणा देती हैं। उदाहरण के लिए, यदि हम उनके अहिंसा के सिद्धांत को अपनाएं और मांसाहार त्याग दें, तो इससे पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। भगवान महावीर मानवता के सच्चे मसीहा थे। उनका जीवन एक प्रकाश स्तंभ है, जो हमें अंधेरे से उजाले की ओर ले जाता है। उनकी शिक्षाएं अहिंसा, सत्य, अपरिग्रह, अचौर्य और ब्रह्मचर्य सार्वभौमिक हैं और हर धर्म, हर समाज के लिए प्रासंगिक हैं।

गालिब का पुनर्जन्म

(रमेश जोशी)

हालत कैसी है, यह बात अलग है लेकिन कागजों में सड़कें हर गांव कस्बे और घर के आगे बनी हुई हैं । नहीं है तो कागजों में देखें जरूर मिल जाएंगी ।देखें जरूर मिल जाएंगी। विस्तार से पूछ नहीं सकते क्योंकि यह डाटा प्रोटेक्शन, निजता और अंततः राष्ट्र की सुरक्षा का मामला भी हो सकता है । सो सड़क हमारे घर के ठीक सामने है, चौड़ी है और व्यस्त सड़क है । सुबह शाम तरह तरह के लोग घूमने घामने इसी रास्ते से जाते हैं । वे सभी एक दूसरे को शक्ल और कुछ गतिविधियों से पहचानते भी हैं । इन लोगों में एक गुप्ता जी भी हैं । अध्यापक रह चुके हैं भले ही गणित के लेकिन अध्यापक होने के कारण सर्वज्ञ होने का भ्रम होना स्वाभाविक है । वैसे ही जैसे हर सच्चे हिन्दू को किसी भी मस्जिद के नीचे मंदिर के अवशेष देख सकने की दिव्यदृष्टि स्वतः ही प्राप्त है ।

गुप्ता जी ने शुरु शुरु में प्राइवेट स्कूल में पढ़ाना, फिर कोचिंग सेंटर में हाथ आजमाया, घर की बैठक का दरवाजा सड़क की तरफ खोलकर गुटखा और नमकीन के पैकेट लटकाकर दुकान भी खोली । अब पूर्णतः देश और समाज की सेवा में लगे हुए हैं । वैसे आजादी के समय तो कोई खतरा नहीं था लेकिन पता नहीं किस औररंगजेब का राज्य आ गया कि अचानक हिन्दू धर्म खतरे में आ गया है । सो गुप्ता जी भी धर्म को बचाने के लिए तरह तरह की रैलियों में जाने लगे हैं । फिर भी दिन 24 घंटे का होता है । जिन्हें 20-20 घंटे और कभी कभी 24-24 घंटे काम करना पड़ता है उनकी बात और है लेकिन गुप्ता जी को समय मिल ही जाता है ।

गुप्ता जी हमारी बरामद संसद के सदस्य नहीं हैं । फिर भी हम उन्हें बैठने और बोलने का अवसर दे देते हैं । हम कोई ओम बिरला थोड़े हैं जिन पर राहुल गाँधी को न बोलने देने के राष्ट्रीय महत्व का गुरुतर दायित्व आ पड़ा हो । आज गुप्ता जी बैठते ही कहा- मास्टर जी, इजाजत हो तो एक शेर अर्ज करूँ

हमने कहा- गुप्ता जी, अब इस देश को यही देखना शेष रह गया था कि आप जैसे हर काम में गणित लगाने वाले को शायरी जैसा फालतू काम करना पड़ रहा है । खैर यहां न तो मानदेय है और न तालियां । बस, सीधे और संक्षेप में अर्ज कर दीजिए ।

बोले-हुई मुद्दत कि गुप्ता मर गया पर याद आता है वो हर इक बात पे कहना कि यूं होता तो क्या होता तोताराम जो अब तक अपने स्वभाव के विपरीत चुप बैठा था, बोल पड़ा- गुप्ता जी, चोरी और सीनाजोरी गालिब की जगह गुप्ता फिट कर दिया तो यह शेर तुम्हारा हो गया

संयोग से गालिब में चार मात्राएं और गुप्ता में भी चार मात्राएं तो फिट हो गया लेकिन बाकी क्या दुनिया जानती नहीं गुप्ता जी बोले- तोताराम जी, आप नाराज क्यों हो रहे हैं । हम अपना ही शे'र सुना रहे हैं । पिछले जन्म में हमीं गालिब थे ।तोताराम ने कहा- क्या बात करते हो मुसलमानों में न तो अवतार होते हैं और न ही पुनर्जन्म । वहां तो सब मरते रहते हैं और जब सब मर जाते हैं और सारा वेटिंग रूम भर जाता है तो नई सृष्टि बनाने से पहले खुदा सब मर चुके लगों को उनके राष्ट्रवादी वचनों के हिसाब से मंत्रालय अलोट कर देता है और फिर सृष्टि और सुशासन चल निकलते हैं।

हमने कहा- गुप्ता जी, तोताराम ठीक कहता है । मुसलमानों में पुनर्जन्म नहीं होता, इसीलिए वहां खुदा के कई कई अवतार और एक साथ कई कई पैगंबर नहीं मिलते। जैसे मोदी जी की तरह पिछले जन्म में शिवाजी थे वैसे ही यदि आप पिछले जन्म में गालिब थे तो प्रमाण दीजिए । जैसे ऑडिशा से सांसद प्रदीप पुरोहित गंधमर्दन पहाड़ी क्षेत्र के गिरिजा बाबा संत ने बताया कि देश के आज जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं, वे अपने पूर्व जन्म में महाराज छत्रपति शिवाजी थे।

गुप्ता जी बोले- एक क्या कई संतों से कहलवा देंगे । यहीं से जाने कितने संत गुजरते हैं । नहीं तो हमारे साथ जेल में चले चलना वहां भी बड़े बड़े चमत्कारी संत मिल जाएंगे अगर लोकतंत्र की रक्षा के लिए अघोषित पैरोल पर कहीं प्रवचन करने नहीं गए हुए होंगे तो हमने कहा- गुप्ता जी जब आपके पक्ष में ऐसे ऐसे संतों के प्रमाण हैं तो यही उचित है कि हम मान लें कि सेल्यूलर जेल से माफी माँग कर सावरकर नहीं महात्मा गाँधी रिहा हुए थे और पटेल को 60/- रुपए महिना पेंशन मिला करती थी । -रमेश जोशी। ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

वक्फ बिल के बाद पीएम मोदी का अगला एजेंडा क्या है

(सुधांशु माहेश्वरी)

मोदी सरकार ने वक्फ बिल को दोनों सदनों से पारित करवा दिया है। इस बिल का पारित होना केंद्र सरकार के लिए एक बड़ी सियासी जीत है, ऐसा भी इसलिए क्योंकि जब इससे पहले किसी बड़े रिफॉर्म को सदन में लाने की कोशिश हुई थी, पूरे देश में आंदोलन देखने को मिले, कई जगह हिंसा तक हुई, लेकिन इस बार विपक्ष ना कोई बड़ा आंदोलन खड़ा कर सका और ना ही देश में किसी तरह की कोई हिंसा हुई। हां बिल के बाद एक-दो राज्यों में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं।

अब सवाल उठता है कि पीएम मोदी का अगला एजेंडा क्या रहने वाला है वक्फ पारित हो गया, लेकिन अब आगे सरकार और कौन से बड़े कदम उठाने वाली है, कौन से बड़े फैसले होते हुए दिख सकते हैं

एजेंडा नंबर 1- काशी-मुथरा विवाद

सरकार के एजेंडे में अब मथुरा-काशी विवाद रहने वाला है। असल में बीजेपी लंबे समय से मांग कर रही है कि वाराणसी और मथुरा में उन जगहों पर मंदिर बनना चाहिए जहां भगवान शिव और भगवान श्री कृष्ण का आधार रहा है, काशी को अगर शिव की नगरी माना गया है तो वही मथुरा को कृष्ण जन्मभूमि। हिंदू पक्ष कोर्ट में इसे लेकर सियासी लड़ाई भी लड़ रहा है, बीजेपी चाहती है कि राम मंदिर की तरह यहां भी अदालत के जरिए ही कोई समाधान निकले।

एजेंडा नंबर 2– यूनिफॉर्म सिविल कोड

पीएम मोदी के दूसरे बड़े एजेंडे की बात करें तो उसमें यूनिफॉर्म सिविल कोड का शामिल होना जरूरी है। उत्तराखंड तो पहला ऐसा राज्य बन चुका है जहां पर यूसीसी को लागू किया गया है। गृहमंत्री अमित शाह के मुताबिक आने वाले समय में भाजपा शासित दूसरे राज्यों में भी यूनिफॉर्म सिविल कोड आ सकता है, गुजरात में भी इसकी एक रूपरेखा तैयार कर ली गई है। अब यूनिफॉर्म सिविल कोड को बीजेपी तो अपने वैचारिक और राजनीतिक एजेंडे का एक अहम हिस्सा मानती है, लेकिन विपक्ष का कहना है कि यूसीसी की वजह से देश का लोकतांत्रिक ढांचा कमजोर होगा।

एजेंडा नंबर 3– एनआरसी का आना–नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटीजंस को लेकर भी मोदी सरकार का स्टैंड एकदम स्पष्ट है। गृहमंत्री अमित शाह 2020 में लोकसभा में कह चुके हैं कि पूरे देश में एनआरसी लागू किया जाएगा। यह अलग बात है कि असम अभी एक मात्र ऐसा राज्य है जहां पर नेशनल रजिस्टर आफ सिटीजंस लागू किया गया है। यहां पर समझने वाली बात यह है कि 2013 में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद ही एनआरसी की प्रक्रिया को शुरू किया गया था। एनआरसी के जरिए देश के वैद्य नागरिकों के नाम और उनकी पहचान से संबंधित जानकारी हासिल की जाएगी। इसके जरिए आसानी से अवैध प्रवासियों की पहचान हो पाएगी और फिर उन्हें देश से बाहर निकला जाएगा। विपक्ष एनआरसी को लेकर भी काफी असहज है और इसे मुसलमानों के खिलाफ मानता है। पश्चिम बंगाल में तो कई मौकों पर बीजेपी और टीएमसी के बीच में इस मुद्दे पर तकरार देखने को मिल चुकी है। (यल विचार लेखक के अपने हैं)

बर्फीली वादियों में दौड़ेगी वंदे भारत

अप्रैल की हल्की ठंडक और वसंत की खिलती बहार... हिमालय की बर्फीली चोटियाँ, सेब के पेड़ों पर गुलाबी फूलों की चादर, और मैदानों की हरी घास – यह सब अब सिर्फ कल्पना नहीं रहेगा। क्योंकि अब जल्द ही, यह सब आप अपनी आंखों के सामने, जम्मू कश्मीर के लिए स्पेशल डिजाइंड वंदे भारत ट्रेन में बैठकर देख सकेंगे। जैसे ही ट्रेन पहलगाम की घाटियों से गुजरेगी, हरियाली से सजी वादियाँ, दूर तक फैले चीड़ के जंगल और चरवाहों की झलक आपको एक लम्हे में रोक देंगे। देवदार की खामोशी को चीरती वंदे भारत की रफ्तार – तकनीक और प्रकृति का अद्भुत संगम जल्द ही आपको देखने को मिलेगा।

इंजीनियरिंग का कमाल

÷मेक इन इंडिया÷ के तहत इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (ICF) में बनी यह ट्रेन आधुनिक तकनीक और सुविधाओं से लैस है, जो बिजली सी चलती है। मगर सुरक्षित और आरामदायक सफर की मिसाल है। इसका सफर हर भारतीय को गर्व से भर देगा।

क्यों खास है कश्मीर वाली वंदे भारत?

यह वंदे भारत एक्सप्रेस विश्वसनीयता, सुरक्षा और यात्रियों के आराम को सुनिश्चित करने के लिए अत्याधुनिक तकनीक एवं उन्नत सुविधाओं से युक्त है। इस वंदे भारत ट्रेन को कश्मीर घाटी की कठिन जलवायु परिस्थितियों में सुगम यात्रा प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। जिससे अब हर मौसम में कश्मीर घाटी तक पहुंचना आसान होगा और वंदे भारत एक्सप्रेस की शुरुआत, क्षेत्र में यात्री सेवाएँ एवं पर्यटन अनुभव बेहतर बनाएगी।

ज़ीरो से नीचे तापमान, फिर भी कनेक्टिविटी बरकरार

जम्मू-कश्मीर जैसे सर्द मौसम वाले क्षेत्र में सुचारू रेल संचालन सुनिश्चित करने के लिए इस वंदे भारत ट्रेन में विशेष तकनीकी सुविधाएँ प्रदान की गई हैं–

सिलिकॉन हीटिंग पैड–यह वॉटर और बायो-टॉयलेट टैंकों में पानी को जमने से रोकेंगे। साथ ही, इनमें ओवरहीट प्रोटेक्शन सेंसर लगे हैं, जो यह सुनिश्चित करता है कि शून्य या माइनस तापमान में भी रेल संचालन सुचारू रूप से हो।

हीटेड प्लंबिंग पाइपलाइन– जीरो डिग्री से भी कम तापमान में सेल्फ-रेगुलेटेड हीटिंग केबल्स पानी को जमने से रोकेंगे।

ऑटो-ड्रेनिंग मैकेनिज्म– प्लंबिंग लाइनों में पानी के जमने की समस्या को रोकेगा, जिससे संचालन में कोई बाधा नहीं आएगी।

यात्रा होगी सुगम और सुरक्षित

कश्मीर की कठिन परिस्थितियों में ड्राइवर की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करने के लिए इस वंदे भारत ट्रेन में अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग किया गया है, जिससे सुगम यात्रा संभव होगी–

एंबेडेड हीटिंग एलिमेंट– फ्रंट लुकआउट ग्लास में लगाए गए यह एलीमेंट सर्द मौसम मंभ विंडशील्ड को डी-फ्रॉस्ट कर ड्राइवर को क्लियर विज़न प्रदान करेंगे, जिससे सुरक्षित व सुगम ट्रेन संचालन हो सकेगा।

एंटी-स्पॉल लेयर–बर्फबारी या आंधी जैसे कठिन मौसम के दौरान यह लेयर ड्राइवर को सुरक्षित ट्रेन के संचालन में सहायता करेगा।

सुरक्षित और आरामदायक वर्क एनवायरनमेंट– ट्रेन को कठिन मौसम परिस्थितियों से निपटने के लिए स्पेशल रूप से डिज़ाइन किया गया है।

भारतीय रेल की न्यू-एज टेक्नोलॉजी

इस वंदे भारत ट्रेन के सुचारू संचालन और यात्रियों के आराम के लिए कई तकनीकी सुविधाएं सुनिश्चित की गई हैं–

एयर ड्रायर सिस्टम हीटिंग– अत्याधिक ठंड में एयर ब्रेक सिस्टम की दक्षता बनाए रखेगा। साथ ही, हीटिंग, वेंटिलेशन और एयर कंडीशनिंग (HVAC) डक्ट्स द्वारा यात्रियों की आरामदायक यात्रा सुनिश्चित की गई है ।

5 kVA ट्रांसफॉर्मर–ट्रेन के महत्वपूर्ण घटकों के सुचारू संचालन और ठंडे मौसम में उनकी दक्षता बनाए रखने के लिए इसे अंडरफ्रेम में विशेष रूप से स्थापित किया गया है।

पूर्ण वातानुकूलित कोच– सेमी-हाई-स्पीड क्षमताओं (160 किमी प्रति घंटे) से लैस होंगे, जिससे तीव्र और समयबद्ध यात्रा संभव होगी।

आधुनिक सुविधाएँ– चौड़े गैंगवे, स्वचालित प्लग डोर, मोबाइल चार्जिंग सॉकेट, इंफोटेनमेंट सिस्टम और सीसीटीवी जैसी सुविधाएँ यात्रियों के अनुभव को सुगम बनाएंगी।

यात्रा में विकास का अनुभव

कश्मीर घाटी में वंदे भारत एक्सप्रेस की शुरुआत रेल यात्रा में एक ऐतिहासिक बदलाव का प्रतीक है। यह सेवा सभी मौसमों में निर्बाध कनेक्टिविटी सुनिश्चित करेगी, जो बर्फबारी, कठोर ठंड और कठिन पर्वतीय चुनौतियों को पार कर सुगम यात्रा का भरोसा दिलाती है। आधुनिक सुविधाओं और जलवायु-विशिष्ट अनुकूलन के साथ, यह ट्रेन यात्रियों को बेहतर यात्रा अनुभव प्रदान करेगी। कश्मीर घाटी को सम्पूर्ण देश से अभूतपूर्व रूप से जोड़ने के साथ वंदे भारत एक्सप्रेस भौगोलिक और आर्थिक अंतर को भी समाप्त करेगी।

पेट में पहुंचते ही कमाल दिखाएगी अजवाइन

हमारी रसोई के अंदर कितने मसाले मौजूद हैं। जिन्हें खाने को टेस्टी बनाने के लिए डाला जाता है। मगर क्या आप ने सोचा है कि सही तरीके से अगर इन मसालों का उपयोग किया जाए तो ये दवा बन सकते हैं। आयुर्वेद में इन्हें जड़ी-बूटी की तरह बताया गया है।

आयुर्वेदिक डॉक्टर ने बताया कि अजवाइन को यवानी कहा जाता है, जिससे 11 बीमारियों का नाश किया जा सकता है। लेकिन इसे इस्तेमाल करने का सही तरीका आपको जरूर मालूम होना चाहिए। आइए जानते हैं कि अजवाइन के पत्तों या बीजों को दवा कैसे बना सकते हैं?

अजवाइन के बेहतरीन फायदे

- पाचन तंत्र तेज करता है
- भूख और स्वाद बढ़ाता है
- ब्लोटिंग और स्टमक क्रैम्प का इलाज
- पेट के कोलिक पेन से राहत
- पेट में पानी भरने पर असरदार
- पेट के कीड़े मारता है
- टॉक्सिन निकालता है
- खांसी में कारगर
- पीरियड्स के दर्द से राहत
- हाइपरटेंशन से राहत
- वात-कफ दोष में संतुलन लाता है

अजवाइन का पहला उपयोग

- बंद नाक, साइनस, कोल्ड-फ्लू के लिए अजवाइन की भाप ले सकते हैं।
- अजवाइन की कुछ पत्तियां, 1 चम्मच अजवाइन के बीज का तेल उबलते पानी में डालें।
- फिर सिर पर तौलिया रखकर इसकी भाप लें।
- दिन में 2 से 3 बार स्टीम लें।
- इससे फेफड़े खुल जाते हैं और सूजन कम होती है।

अजवाइन का दूसरा इस्तेमाल

- पेट की समस्या, ब्लोटिंग, भारीपन, कमजोर पाचन में इसका काढ़ा पीएं।
- 1 चम्मच अजवाइन के बीज लें।
- इसे 1 गिलास पानी में डालकर उबाल लें।
- फिर इस मिक्सचर को छानकर घूंट-घूंट करके पीएं।
- लेकिन इसे रोजाना ना करें और दिक्कत होने पर ही पीएं।

मोल्ड टॉक्सिसिटी क्या है? जानें सेहत के लिए यह कैसे है खतरनाक

घरों में नमी के कारण दीवार पर फंगस जमा हो जाते हैं, इसके कारण होने वाली समस्याओं को मोल्ड टॉक्सिसिटी कहते हैं।

हाइजीन की कमी, बैक्टीरिया और फंगस की वजह से शरीर बीमारियों की चपेट में आ सकता है। घरों में सफाई न होने, नमी या सीलन बनी रहने के कारण भी आप फंगस के संपर्क में या सकते हैं। इसकी वजह से कई गंभीर समस्याओं का खतरा भी रहता है। अक्सर घर के किचन, बाथरूम, सिंक आदि के पास दीवार में नमी हो जाती है। इसकी वजह से दीवार पर सफेद या गहरे रंग के झाग जैसे फाहे जम जाते हैं। यह एक तरह का नुकसानदायक कवक और बैक्टीरिया होता है, जिसकी वजह से गंभीर समस्याओं का खतरा रहता है। इसी को मोल्ड टॉक्सिसिटी कहते हैं।

मोल्ड टॉक्सिसिटी के लक्षण

मोल्ड एक प्रकार का कवक होता है जो सतहों पर विकसित होता है, जैसे कि फसल, कागज, दीवार या जमीन। यह आमतौर पर गर्म और आर्द्र के कारण होता है और इसकी वजह से कई गंभीर नुकसान हो सकते हैं। मोल्ड के संपर्क में आने से कई तरह की एलर्जी और इन्फेक्शन का खतरा रहता है। इसकी वजह से नाक, कान और गले में गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। मोल्ड टॉक्सिसिटी के कुछ प्रमुख लक्षण इस तरह से हैं-

सांस लेने में दिक्कत

यह एक सामान्य लक्षण है जो मोल्ड टॉक्सिसिटी होने पर दिखता है। व्यक्ति को आसानी से सांस लेने में कठिनाई हो सकती है और सांस लेने के दौरान गले में खराश या कफ भी हो सकता है।

नाक से जुड़ी दिक्कतें

जलवायु और वायरल संक्रमण की तरह, मोल्ड टॉक्सिसिटी होने पर भी नायक से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं। इसमें नाक में खुजली, जलन, और बंद नाक शामिल हो सकते हैं।

स्किन से जुड़ी समस्याएं

मोल्ड टॉक्सिसिटी के कारण व्यक्ति को स्किन पर छाले, चकत्ते, खुजली, दानें आदि हो सकते हैं।

पेट से जुड़ी समस्या

मोल्ड टॉक्सिसिटी के कारण पेट में दर्द, अपच और बदहजमी जैसी समस्याओं का खतरा भी रहता है।

रिस्क फैक्टर

मोल्ड टॉक्सिसिटी के कारण मरीज को इन गंभीर खतरों का सामना करना पड़ सकता है-

एलर्जिक रिएक्शन

बहुत से लोग मोल्ड टॉक्सिसिटी होने पर एलर्जिक रिएक्शन का सामना कर सकते हैं, जो नाक, गला, और आंतरिक सिस्टम में खराबी का कारण बनता है।

अस्थमा

मोल्ड टॉक्सिसिटी वाले व्यक्तियों में अस्थमा का खतरा बढ़ सकता है, जिसमें सांस लेने में कठिनाई और सांस लेने की क्षमता में कमी होती है।

फेफड़ों से जुड़ी समस्या

मोल्ड टॉक्सिसिटी अगर लंबे समय तक बनी रहती है, तो इसकी वजह से फेफड़ों से जुड़ी गंभीर समस्याओं का खतरा रहता है।

मानसिक समस्याएं

लंबे समय तक के मोल्ड एक्सपोजर के बाद, व्यक्ति में चिंता, डिप्रेशन, या अन्य मानसिक समस्याएं भी हो सकती हैं।

मोल्ड टॉक्सिसिटी से बचाव

मोल्ड टॉक्सिसिटी से बचाव के लिए आपको इन चीजों का ध्यान रखना चाहिए-

- घर में साफ-सफाई रखें
- सीलन वाली जगहों का विशेष ध्यान दें
- नमी दूर करने के लिए धूप और हवा आने की व्यवस्था करें
- नियमित रूप से दीवारों और घर की सफाई करें

मोल्ड टॉक्सिसिटी से बचने के लिए हाइजीन का ध्यान रखना चाहिए। साफ-सफाई और नमी को दूर करने से आप मोल्ड टॉक्सिसिटी का शिकार होने से बच सकते हैं। मोल्ड टॉक्सिसिटी के लक्षणों को नजरअंदाज करने के बजाय डॉक्टर से संपर्क करें।

क्या गर्मियों में काली मिर्च का पानी पी सकते हैं?

अधिकतर भारतीय घरों में काली मिर्च का उपयोग मसाले के रूप में किया जाता है। काली मिर्च खाने को स्वादिष्ट और पौष्टिक बनाती है। इसके अलावा, काली मिर्च का उपयोग लोग काढ़े के लिए भी करते हैं। आपको बता दें कि काली मिर्च की तासीर बेहद गर्म होती है। इसलिए अधिकतर लोग गर्मियों में काली मिर्च का अधिक मात्रा में सेवन करने से परहेज करते हैं। क्या गर्मियों में काली मिर्च का पानी पी सकते हैं?

काली मिर्च की तासीर बेहद गर्म होती है। इसलिए आपको काली मिर्च का पानी पीने से बचना चाहिए। वैसे तो किसी भी मौसम में काली मिर्च का पानी नहीं पीना चाहिए। लेकिन गर्मियों में तो काली मिर्च के पानी से पूरी तरह परहेज करना चाहिए। गर्मियों में काली मिर्च का पानी पीने से शरीर में गर्मी बढ़ सकती है। यह कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का कारण भी बन सकता है। यानी काली मिर्च का पानी सेहत के लिए बेहद नुकसानदायक होता है। इसका सीधे तौर पर सेवन करने से बचना चाहिए।

गर्मियों में काली मिर्च का सेवन कैसे करें?

गर्मियों में काली मिर्च का सेवन सीधे तौर पर या अधिक मात्रा में बिल्कुल नहीं करना चाहिए। आप काली मिर्च के पाउडर को किसी पेय पदार्थ के साथ ले सकते हैं। आपको बता दें कि आप काली मिर्च को खीरा, पुदीना, नींबू या सत्तू के पानी के साथ मिलाकर ले सकते हैं। इसके लिए आप काली मिर्च का पाउडर बनाएं। इसे पेय पदार्थ में मिक्स करें और पी लें। इस तरह से काली मिर्च का सेवन करने से शरीर को कोई नुकसान नहीं पहुंचता है। इससे शरीर को एनर्जी मिलेगी और गर्मी भी नहीं बढ़ेगी।

गर्मियों में काली मिर्च खाने के नुकसान

- गर्मियों में काली मिर्च का सेवन करने से पेट में गर्मी बढ़ सकती है।
- काली मिर्च पेट में जलन या दर्द का कारण बन सकती है।
- इसके अलावा, अगर गर्मियों में काली मिर्च का सेवन किया जाए, तो इससे एसिडिटी या सीने में जलन भी हो सकती है।
- काली मिर्च का अधिक मात्रा में सेवन करने से त्वचा पर मुंहासे निकल सकते हैं।
- इससे त्वचा पर खुजली और रेडनेस की समस्या भी हो सकती है।
- आपको भी गर्मियों में काली मिर्च का सेवन सीधे तौर पर नहीं करना चाहिए। आप किसी पेय पदार्थ के साथ काली मिर्च का पाउडर ले सकते हैं।

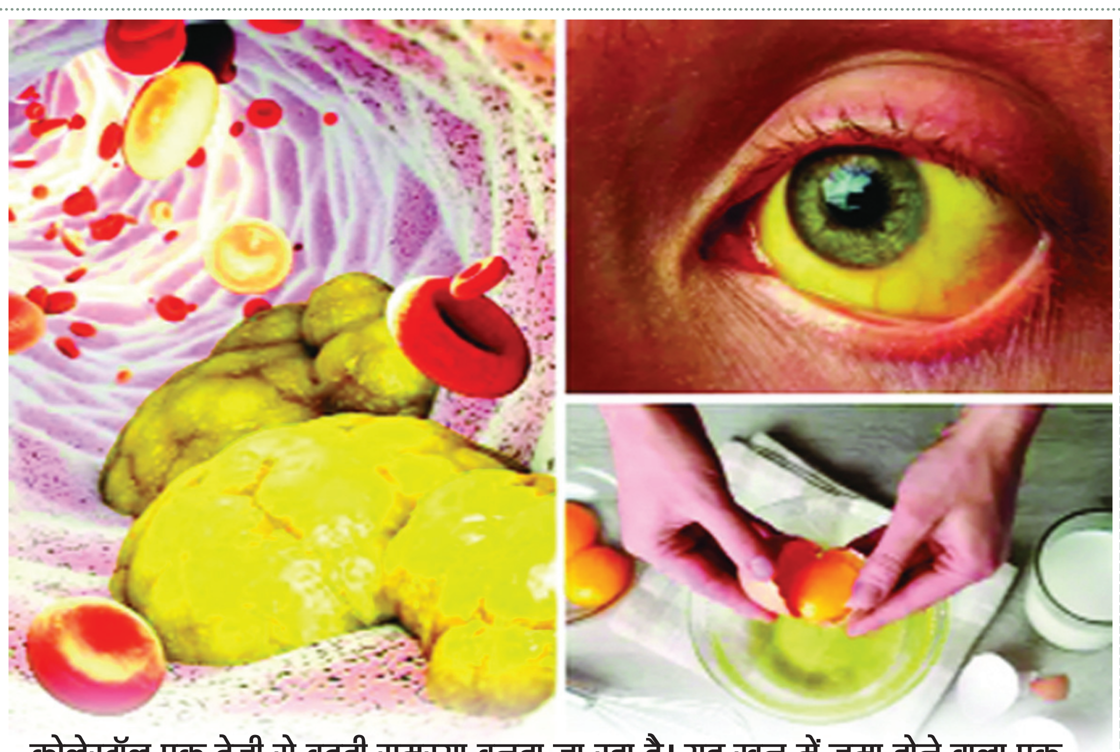

कोलेस्ट्रॉल एक तेजी से बढ़ती समस्या बनता जा रहा है। यह खून में जमा होने वाला एक चिपचिपा पदार्थ होता है, जिसका लेवल बढ़ने से खून की नसों में ब्लॉकेज आ सकती है। कोलेस्ट्रॉल बढ़ने का नुकसान यह है कि यह ब्लड फ्लो को धीमा या रोक सकता है जिससे आपको हार्ट अटैक, स्ट्रोक, दिल के रोग या नसों के रोग होने का जोखिम बढ़ सकता है।

हार्ट अटैक, स्ट्रोक का जोखिम बढ़ाता है कोलेस्ट्रॉल

अगर बात करें कोलेस्ट्रॉल बढ़ने के लक्षणों की तो कई बार इसके लक्षणों का पता नहीं चल पाता है और जब पता चलता है, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। वैसे हाई कोलेस्ट्रॉल के कुछ लक्षण हैं, जो आपको अपनी आंखों में नजर आ सकते हैं। अगर आपको आंखों से जुड़ी कुछ समस्या महसूस होती है, तो आपको उनकी जांच के साथ कोलेस्ट्रॉल का भी टेस्ट कराना चाहिए।

जलन और बेचैनी होना

यदि आपके आंखों में अक्सर जलन, खुजली या बेचैनी महसूस होती है, तो यह हाई कोलेस्ट्रॉल का एक संकेत हो सकता है। हाई कोलेस्ट्रॉल से खून में धीरे-धीरे खराब फैट की मात्रा बढ़ती है, जिससे आंखों की सतह पर जलन या खुजली का अहसास हो सकता है।

आंखों में सूखापन रहना

हाई कोलेस्ट्रॉल की वजह से आंखों की सतह आपको कई लक्षण महसूस हो सकते हैं, जैसे आंखों में सूखापन रहना या आंखों का कमजोर होना। यह समस्याएं आंखों की सूजन, खुजली, और पानी आने के कारण हो सकती हैं।

आंखों के पास गांठ बनना

अगर आपकी आंखों के आस-पास किसी भी स्थान पर गांठें हैं, तो यह भी हाई कोलेस्ट्रॉल के लक्षण हो सकते हैं। वास्तव में हाई कोलेस्टेरॉल से फैट से बनता है और फैट आपकी आंखों के आसपास गांठों के रूप में दिख सकता है। इनके अलावा अगर आपकी आंखों की पुतली में रंग का बदलाव या अंधापन महसूस होता है, तो यह कोलेस्ट्रॉल बढ़ने का एक लक्षण है।

कैसे कम करें कोलेस्ट्रॉल

इसके लिए आपको डाइट और एक्सरसाइज का खास ध्यान रखना चाहिए। कोलेस्ट्रॉल कम करने के लिए आप प्रोटीन डाइट की हेल्प ले सकते हैं। प्रोटीन से भरपूर चीजों के सेवन से आपको कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद मिल सकती है। चलिए जानते हैं अप किन-किन चीजों का सेवन करना चाहिए।

- प्रोटीन रिच फूड्स कम करेंगे बैड कोलेस्ट्रॉल
- दाल और बीन्स- मूंग दाल, तूर दाल, चना दाल, मसूर दाल
- मछली- सार्डिन मछली, मैकरेल फिश, सालमन फिश, ट्राउट फिश
- मांस- चिकन (स्किन निकालकर) और टर्की
- अंडे- अंडे का सिर्फ सफेद हिस्सा
- दही और पनीर- पनीर (लो फैट या स्किम पनीर) और ग्रीक योगर्ट (सुखा योगर्ट)
- ड्राई फ्रूट्स- काजू, बादाम
- सोया प्रोडक्ट्स- टोफू और सोया मिल्क
- अनाज और अनाजवाले उत्पाद- ओट्स, ब्राउन राइस, ब्राउन ब्रेडम किनुआ

गोल्ड लोन कंपनियों पर सख्ती

ग्राहकों को एग्रीमेंट में नीलामी सहित सभी जानकारी देना अनिवार्य

नई दिल्ली, एजेंसी। गोल्ड लोन में बढ़ती खामियों को लेकर आरबीआई ने रुख कड़ा कर लिया है। अब गोल्ड लोन कंपनियों को सुनिश्चित करना होगा कि सोने की शुद्धता, वजन आदि की जांच के लिए एक मानकीकृत प्रक्रिया अपनाई जाएगी। ऋणदाता की सभी शाखाओं में इस प्रक्रिया को एक समान रूप से अपनाया जाना चाहिए। आरबीआई ने बुधवार को गोल्ड लोन से संबंधित मसौदा जारी किया। इसके मुताबिक, सभी प्रक्रियाओं का विवरण

ग्राहकों की जानकारी के लिए ऋणदाताओं की वेबसाइट पर प्रदर्शित किया जाएगा। ऋणदाता ग्राहक की मौजूदगी में ही कर्ज मंजूर करेंगे और गारंटी परीक्षण करेंगे। परीक्षण प्रक्रिया में पत्थर के वजन आदि से संबंधित कटौतियों के बारे में ग्राहक को समझाया जाएगा। जारी किए जाने वाले प्रमाणपत्र में इसका विवरण शामिल होगा। लोन एग्रीमेंट में प्रतिभूति के रूप में लिए गए सोने के गारंटी का विवरण, मूल्य, नीलामी प्रक्रिया की जानकारी और नीलामी के लिए हालात, नीलामी आयोजित होने से पहले ऋण के पुनर्भुगतान/निपटान के लिए उधारकर्ता को दी जाने वाली नोटिस अवधि का विवरण शामिल होना चाहिए।

अशिक्षित ग्राहकों को गवाह की मौजूदगी में बतानी होंगी शर्तें– कर्ज लेने वालों के साथ सभी संचार विशेष रूप से ऋण की शर्तें या अन्य महत्वपूर्ण बातें जो उधारकर्ता या ऋणदाता के हित को प्रभावित करते हैं, उन्हें ग्राहक की भाषा में ही बताना होगा। इसमें निर्धारित सोने के मूल्य के अनुपात में कर्ज का उल्लंघन आदि भी शामिल होंगे। अशिक्षित ग्राहकों को गवाह की उपस्थिति में महत्वपूर्ण नियम और शर्तें समझानी होंगी।

डोनाल्ड ट्रंप की कृपा से एलन मस्क ने बना दिया कमाई का रेकॉर्ड,

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी शेयर मार्केट में बुधवार को रेकॉर्ड तेजी आई। इससे टेक्नोलॉजी शेयरों वाला नासदाग 12.16 प्रतिशत उछल गया। इस तेजी से अमेरिकी रईसों की नेटवर्थ में रेकॉर्डतोड़ तेजी देखने को मिली। टॉप 10 रईसों की नेटर्थ में करीब 140 अरब डॉलर की तेजी रही। इलेक्ट्रिक कार बनाने वाली कंपनी टेस्ला के शेयरों में 22.69 प्रतिशत की तेजी आई।

इससे कंपनी के सीईओ और दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क की नेटवर्थ में 35.9 अरब डॉलर की रेकॉर्ड तेजी आई। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर इंडेक्स के मुताबिक मस्क की नेटवर्थ अब 326 अरब डॉलर पहुंच गई है। वैसे इस साल उनकी नेटवर्थ में 107 अरब डॉलर की गिरावट आई है। ऐमजॉन के शेयरों में 11.98 प्रतिशत तेजी से कंपनी के को–फाउंडर जेफ बेजोस की नेटवर्थ में 18.5 अरब डॉलर की तेजी आई। इसके साथ ही उनकी नेटवर्थ 210 अरब डॉलर पहुंच चुकी है। दुनिया के अमीरों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर मौजूद फेसबुक के मार्क जकरबर्ग की नेटवर्थ में 25.8 अरब डॉलर की तेजी आई। इस तेजी के साथ ही उनकी नेटवर्थ 207 अरब डॉलर पहुंच चुकी है।

ट्रंप के फैसले के बाद क्रिप्टो मार्केट में रौनक

बिटकॉइन में 8 प्रतिशत से अधिक की उछाल

नई दिल्ली, एजेंसी। ट्रंप के टैरिफ में 90 दिनों की रोक के ऐलान के बाद गुरुवार को बिटकॉइन की कीमत 8 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 81,700 डॉलर के पार पहुंच गई। ट्रेड टेंशन से परेशान निवेशकों को राहत मिलते ही दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी ने इंट्राडे में 83,541 का शिखर छुआ। हालांकि, व्हाइट हाउस ने स्पष्ट किया कि सभी आयातों पर 10 प्रतिशत का टैरिफ जारी रहेगा। इसके साथ ही, चीन से आयात पर टैरिफ 125 प्रतिशत कर दिया गया। जबकि, बीजिंग ने अमेरिकी सामानों पर 84 प्रतिशत शुल्क लगाया था। बता दें सुबह 9:50 बजे के करीब बिटकॉइन 81,740 (67 लाख से अधिक) पर कारोबार कर रहा था, जो पिछले 24 घंटे में 8.1 प्रतिशत की बढ़त दर्शाता है। इथेरियम 12.6 प्रतिशत चढ़कर .1,613 और वैश्विक क्रिप्टो बाजार पूंजीकरण 8.3 प्रतिशत बढ़कर 2.59 ट्रिलियन हो गया।

किस क्रिप्टो में कितना आया उछाल– कॉइनमार्केटकैप के अनुसार इथेरियम में करीब 12 पर्सेंट की तेजी देखी गई। एक्सआरपी में 12.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई, सोलाना में 11 प्रतिशत की वृद्धि हुई, बीएनबी में 5.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई, कार्डानो में 11 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि ट्रॉन, डॉगकोइन, चेनलिंक, एवलांच, स्टेलर, सुई, हेडेरा और शीबा इनु में 5 प्रतिशत से 14 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई। कॉइनमार्केटकैप डेटा के अनुसार बिटकॉइन का मार्केट कैप 1.621 ट्रिलियन डॉलर हो गया, जिससे क्रिप्टो बाजार में इसकी हिस्सेदारी 62.58 प्रतिशत तक पहुंच गई है। दैनिक ट्रेडिंग वॉल्यूम 49 प्रतिशत बढ़कर 78.76 अरब डॉलर हो गया है, जिसमें 94.72 प्रतिशत हिस्सा स्टेबलकॉइन्स का रहा। अलंकार सक्सेना ने कहा, ट्रंप के टैरिफ पर 90 दिन की रोक से निवेशकों को राहत मिली है। स्श्वष्ट के नए चेयर पॉल एटकिंस की नियुक्ति और इथेरियम ईटीएफ विकल्पों को मंजूरी से संस्थागत निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। बिटकॉइन .100,000 तक पहुंच सकता है। पीआइ42 के सीईओ अविनाश शेखर ने कहा, टैरिफ रोक और नियामक स्पष्टता से क्रिप्टो को मुख्यधारा में अपनाने का रास्ता साफ हुआ है। हालांकि, कुछ विशेषज्ञ सतर्क हैं।

अडानी को मिला दुनिया के सबसे ताकतवर शख्स का साथ

खरीद लिए एक तिहाई बॉन्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया की सबसे बड़ी एसेट मैनेजमेंट कंपनी ब्लैकरॉक ने अडानी ग्रुप पर बड़ा दांव लगाया है। अडानी ग्रुप की कंपनी रिन्यू एग्जिम डीएमसीसी की बॉन्ड बिक्री में ब्लैकरॉक ने करीब एक तिहाई हिस्सा खरीदा है। यह पहला मौका है जब ब्लैकरॉक ने अडानी ग्रुप की किसी कंपनी में निवेश किया है। सूत्रों के मुताबिक रिन्यू डीएमसीसी ने 750 मिलियन डॉलर के बॉन्ड जारी किए थे जिसमें से ब्लैकरॉक ने 250 मिलियन के बॉन्ड खरीदे हैं। इस इश्यू में ब्लैकरॉक के अलावा कम से कम 5 और इंटरनेशनल इनवेस्टर्स ने भी खरीदारी की। यह बॉन्ड इश्यू 3 से 5 साल के टेन्योर के लिए है और इससे मिलने वाली रकम का इस्तेमाल आईटीडी सीमेंटेशन के अधिग्रहण को फाइनेंस करने के लिए किया जाएगा। अडानी समूह ने एक बयान में कहा कि रिन्यू एक्जिम द्वारा आईटीडी सीमेंटेशन के अधिग्रहण को सपोर्ट देने के लिए ब्लैकरॉक सहित कई अंतरराष्ट्रीय निवेशकों ने एक नए बॉन्ड इश्यूएंस में हिस्सा लिया है। कंपनी ने इस बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी। अमेरिका की कंपनी ब्लैकरॉक का इस बॉन्ड में भाग लेना बहुत महत्वपूर्ण है। ऐसा इसलिए है क्योंकि नवंबर के अंत में गौतम अडानी, उनके भतीजे सागर अडानी और ग्रुप के कुछ अधिकारियों पर अमेरिकी न्याय विभाग ने कुछ आरोप लगाए थे।

ब्लैकरॉक की हैसियत

ब्लैकरॉक के सीईओ लैरी फिंक को दुनिया का सबसे ताकतवर शख्स माना जा रहा है। ब्लैकरॉक की हैसियत का अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि दुनिया के कुल शेयरों और बॉन्ड्स का 10 फीसदी यही कंपनी संभालती है। यह दुनिया का सबसे बड़ा शेडो बैंक है। अगर हम यह कहें कि पूरी दुनिया इस कंपनी के कब्जे में है तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। दुनिया के हर बड़े सेक्टर की बड़ी कंपनी में इसका हिस्सा है। साथ ही भारत की कई कंपनियों में भी ब्लैकरॉक की हिस्सेदारी है। पिछले साल के अंत में इसका एसेट अंडर मैनेजमेंट 11.60 ट्रिलियन डॉलर था।

किस कंपनी को खरीदा

रिन्यू एक्जिम ने आईटीडी सीमेंटेशन में 20.81 प्रतिशत अतिरिक्त हिस्सेदारी खरीदी है। यह हिस्सेदारी उन्होंने ओपन ऑफर के जरिए खरीदी। अब आईटीडी सीमेंटेशन में कंपनी की हिस्सेदारी बढ़कर 67.45 प्रतिशत हो गई है। रिन्यू एक्जिम डीएमसीसी ने पहले आईटीडी सीमेंटेशन के प्रमोटर, इटैलियन थाई डेवलपमेंट पब्लिक कंपनी के साथ एक समझौता किया था। इस समझौते के तहत गौतम अडानी की कंपनी ने 46.64 प्रतिशत हिस्सेदारी (80.1 मिलियन शेयर) 400 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से 3,204 करोड़ रुपये में खरीदी थी। इसके बाद कंपनी ने छोटे शेयरधारकों से 26 प्रतिशत अतिरिक्त हिस्सेदारी (44.7 मिलियन शेयर) 571.68 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से खरीदने के लिए एक ओपन ऑफर दिया।

आईटीडी सीमेंटेशन ने जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट के साथ-साथ तूतीकोरिन, हल्दिया, मुंद्रा और विझिंजम के बंदरगाहों पर काम किया है। इसके अलावा, कंपनी ने दिल्ली और कोलकाता मेट्रो परियोजनाओं में भी योगदान दिया है। यह अडानी ग्रुप के लिए यह कंपनी बहुत उपयोगी साबित हो सकती है। अडानी ग्रुप बंदरगाहों, इन्फ्रास्ट्रक्चर, बिजली और रियल एस्टेट के क्षेत्र में अपना कारोबार बढ़ा रहा है। आईटीडी सीमेंटेशन पहले से ही अडानी ग्रुप के साथ जलविद्युत और समुद्री परियोजनाओं में काम कर रही है। इसके अलावा वह यूपी में बन रहे 504 किलोमीटर लंबे गंगा एक्सप्रेसवे में भी साथ हैं। आईटीडी सीमेंटेशन को खरीदने की दौड़ में अडानी ग्रुप ने अबू धाबी की एक बड़ी ड्रेजिंग कंपनी और आरपीजी ग्रुप की केइडी इंटरनेशनल जैसी कंपनियों को पीछे छोड़ा था।

बिक रहा सरकारी बैंक, आगे बढ़ा प्रोसेस, सरकार ने दी जानकारी

नई दिल्ली, एजेंसी। निवेश एवं लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के सचिव अरुणीश चावला ने बुधवार को कहा कि सरकार ने आईडीबीआई बैंक के वैल्यूएशन के लिए एसेट अप्रेजर की नियुक्ति की है और संभावित खरीदार के साथ शेयर खरीद समझौते पर भी विचार-विमर्श कर रही है। आईडीबीआई बैंक के प्राइवेट की प्रक्रिया ढाई साल से अधिक समय से चल रही है।

क्या है डिटेल– अक्टूबर, 2022 में, सरकार ने एलआईसी के साथ मिलकर कुल 60.72 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचकर आईडीबीआई बैंक के निजीकरण के लिए निवेशकों से ईओआई (रुचि पत्र) मांगे थे। इसमें भारत सरकार की 30.48 प्रतिशत और एलआईसी की 30.24 प्रतिशत हिस्सेदारी शामिल है। चावला ने संवाददाताओं से कहा कि दीपम सरकार के निर्णय के अनुसार आईडीबीआई बैंक की रणनीतिक बिक्री के साथ 'आगे बढ़ रहा है।' उन्होंने कहा, हमने

एक वर्चुअल डेटा रूम स्थापित किया है। प्रश्नों के उत्तर देने की सुविधा अच्छी तरह से चल रही है और हमने एक परिसंपत्ति मूल्यांकक नियुक्त किया है। हम शेयरधारक समझौते पर भी विचार-विमर्श कर रहे हैं। एक अधिकारी ने कहा, आईडीबीआई बैंक की रणनीतिक बिक्री अगले 6-7 माह में पूरी हो जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि वित्तीय बोलियां जल्द ही कंट्रोल की जाएंगी।

एक बार जब एसेट अप्रेजर और लेनदेन सलाहकार आईडीबीआई बैंक के वैल्यूएशन पर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर देंगे, तो बिक्री के लिए रिजर्व या मिनिमम प्राइस सेट किया जाएगा। इसके बाद, इच्छुक खरीदारों की वित्तीय बोलियां खोली जाएंगी और विजेता की घोषणा की जाएगी। अक्टूबर, 2022 में ईओआई आमंत्रित करने के बाद जनवरी, 2023 में दीपम को आईडीबीआई बैंक के लिए कई रुचि पत्र (ईओआई) प्राप्त हुए थे। आईडीबीआई बैंक के संभावित खरीदार को पहले ही गृह मंत्रालय (एमएचए) द्वारा सुरक्षा मंजूरी दे दी गई है और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा उचित और उचित मूल्यांकन को मंजूरी दे दी गई है।

उधार के विमानों से बनी इंडिगो ने हासिल की आसमानी उपलब्धि

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजारों में पिछले कुछ दिनों से जारी उथलपुथल के बीच भारत की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो चुपचाप एक बड़ी उपलब्धि हासिल की। इंडिगो बुधवार को मार्केट कैपिटलाइजेशन के हिसाब से दुनिया की सबसे वैल्यूएबल एयरलाइन बनी। इंडिगो ने अमेरिका की डेल्टा एयरलाइन्स को पछाड़कर यह मुकाम हासिल किया। कारोबार के दौरान इंडिगो का शेयर 52 हफ्ते के टॉप पर पहुंच गया था। इसके साथ ही उसका मार्केट कैप 2.01 लाख करोड़ रुपये यानी करीब पहुंच गया 23.24 बिलियन हो गया और वह डेल्टा एयरलाइन (23.18 बिलियन) से आगे निकल गई। लेकिन यह तमगा उसके पास करीब एक घंटे रहा। कंपनी का शेयर बीएसई पर 0.68 प्रतिशत की तेजी के साथ 5,189.40 रुपये के स्तर बंद हुआ और मार्केट कैप 23.16 बिलियन रह गया। इस बीच

बुधवार को डेल्टा एयरलाइन के शेयरों में 23.38 प्रतिशत तेजी आई और उसका मार्केट कैप 28.60 अरब डॉलर पहुंच गया।

इंडिगो की यह उपलब्धि इसलिए भी अहम है कि उसकी कमर्शियल शुरुआत अगस्त 2006 में हुई थी जबकि डेल्टा एयरलाइन 1929 से वजूद में है। महज 6 साल पहले इंडिगो की मार्केट वैल्यू महज 7.72 अरब डॉलर था जबकि डेल्टा का मार्केट कैप 36.67 अरब डॉलर था।

कैसे हुई शुरुआत

इंडिगो की शुरुआत साल 2006 में राहुल भाटिया और राकेश गंगवाल ने की थी। आज यह देश की सबसे बड़ी एयरलाइन है। भारतीय बाजार में इसकी हिस्सेदारी करीब 64 फीसदी है। राहुल भाटिया दिल्ली के रहने वाले हैं जबकि उनके दोस्त राकेश गंगवाल अमेरिका में रहते हैं। गंगवाल कई बड़ी एयरवेज कंपनियों में काम कर चुके थे और उन्हें इस सेक्टर का काफी अच्छा नॉलेज था। भाटिया ने ही गंगवाल के सामने एयरलाइन शुरू करने का प्रस्ताव रखा था। इस तरह इंडिगो की पेरेंट कंपनी इंटरग्लोब एविएशन की शुरुआत 2004 में हुई। उस समय देश की एविएशन इंडस्ट्री भारी नुकसान से जूझ रही थी। इसके बावजूद दोनों ने इस सेक्टर में उतरने की ठानी। साल 2004 में ही उन्हें एयरलाइन शुरू करने का लाइसेंस भी मिल गया। लेकिन कंपनी 2006 तक अपनी सेवाए शुरू नहीं पाई क्योंकि उसके पास विमान नहीं थे। गंगवाल ने अपनी जान–पहचान के चलते कंपनी को एयरबस से उधारी पर 100 विमान दिलाए। आखिरकार 4 अगस्त 2006 से कंपनी ने अपनी उड़ान शुरू की। जब इंडिगो ने अपना सफर शुरू किया तो एविएशन इंडस्ट्री मुश्किल दौर से गुजर रही थी। कंपनी ने देश के प्रमुख शहरों को हवाई मार्ग से जोड़ने का काम किया और कम कीमत पर लोगों को हवाई यात्रा देने का सपना पूरा किया। इंडिगो के जरिए ही हवाई चप्पल पहने लोगों का भी प्लेन में बैठने का सपना पूरा हुआ। हवाई जहाज में घूमना एक मिडिल क्लास परिवार के लिए केवल सपना होता था। इंडिगो ने उनके इस सपने को पूरा किया।

अमेरिका-चीन ट्रेड वॉर से भारत को राहत, सस्ते होंगे स्मार्टफोन, टीवी और फ्रिज

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका और चीन के बीच गहराते ट्रेड वॉर का अप्रत्याशित फायदा अब भारतीय ग्राहकों को मिल सकता है। अमेरिका द्वारा चीन से आने वाले उत्पादों पर 125 प्रतिशत टैरिफ लगाने के बाद चीनी कंपनियां नए बाजारों की तलाश में जुट गई हैं। इसी कड़ी में चीन की कई इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट निर्माता कंपनियां भारतीय कंपनियों को 5 प्रतिशत तक की छूट दे रही हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस डिस्काउंट का सीधा असर भारतीय बाजार में देखने को मिल सकता है- जिससे स्मार्टफोन, टीवी, फ्रिज जैसे इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों की कीमतें घट सकती हैं। इस रियायत से जहां ग्राहकों को राहत मिलेगी, वहीं घरेलू मांग को भी नई रफ्तार मिल सकती है।

ट्रंप के टैरिफ ने बदले अंतरराष्ट्रीय समीकरण

अमेरिका और चीन के बीच ट्रेड वार की स्थिति बन गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2 अप्रैल को चीन पर कुल 54 प्रतिशत के कड़े टैरिफ लगाने का ऐलान किया, जिसके जवाब में चीन ने भी अमेरिकी आयात पर 34 प्रतिशत टैक्स लगा दिया। इसके तुरंत बाद अमेरिका ने जवाबी कार्रवाई करते हुए चीन पर टैरिफ बढ़ाकर 104 प्रतिशत कर दिया, जिसके जवाब में चीन ने भी अमेरिका पर टैरिफ को और बढ़ाकर 84 प्रतिशत कर दिया। चीन के इस जवाबी कार्रवाई से बौखलाए ट्रंप ने 9 अप्रैल को एक फिर चीन पर टैरिफ बढ़ाने का ऐलान किया और इसे 125 फीसदी कर दिया लेकिन साथ ही उन देशों को राहत दी जो अमेरिका के खिलाफ टैरिफ नहीं लगा रहे। इससे ग्लोबल शेयर मार्केट ने राहत की सांस ली और इसमें तेजी देखने को मिली।

भारत को मिल सकता है बड़ा फायदा

अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते टैरिफ वॉर से जहां वैश्विक बाजारों में चिंता का माहौल है, वहीं भारतीय कंपनियों के लिए यह एक मौका बनकर उभरा है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस टकराव से भारत की इलेक्ट्रॉनिक इंडस्ट्री को फायदा मिल सकता है। टैरिफ बढ़ने की वजह से चीन की एक्सपोर्ट कंपनियों पर दबाव बढ़ गया है, क्योंकि उन्हें अमेरिका से कम ऑर्डर मिलने लगे हैं। इस स्थिति में भारतीय कंपनियों के पास चीन से सस्ते में इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स खरीदने और बेहतर कीमतों पर डील करने का मौका है। गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप में अप्लायंस बिजनेस के हेड कमल नंदी के मुताबिक, चीन में डिमांड घटने से कंपोनेंट मैन्युफैक्चरर्स पर दबाव बना है। ऐसे में भारतीय कंपनियों के पास अब रेट्स को लेकर फिर से बातचीत करने का मौका है, जो कीमतों में कटौती का रास्ता खोल सकता है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री में सामान्यतः 2 से 3 महीने का इन्वेंट्री साइकिल होता है, इसलिए भारतीय कंपनियां मई-जून से नए ऑर्डर देने की तैयारी में हैं। सुपर प्लास्ट्रॉनिक्स के सीईओ अवनीत सिंह मारवाह ने बताया, चीन में उत्पादन बढ़ गया है लेकिन अमेरिका से ऑर्डर घटने के चलते वहां की कंपनियों में बेचैनी है। इस स्थिति का लाभ उठाते हुए भारतीय कंपनियां अब कंपोनेंट्स की कीमतों पर फिर से बातचीत कर रही हैं। इसका फायदा अंततः ग्राहकों को भी मिलेगा, क्योंकि यह छूट प्रोडक्ट की कीमतों में परिलक्षित हो सकती है।

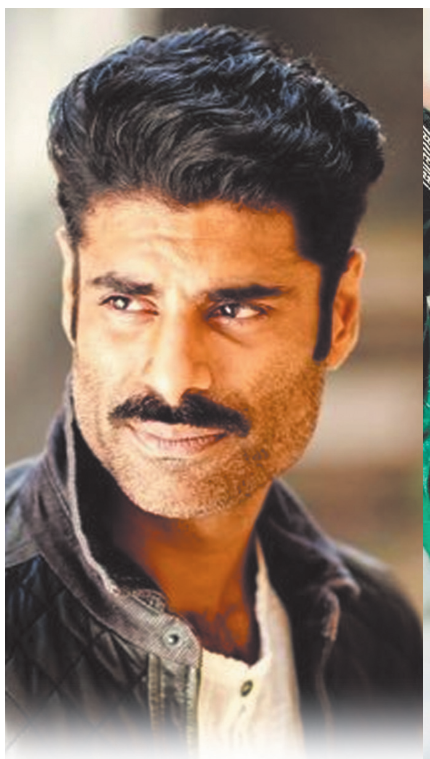

अनुपम खेर से कौन सी चीज सीखना चाहते हैं सिकंदर?

अभिनेता सिकंदर खेर ने अपने सौतेले पिता अनुपम खेर के बारे में दिलचस्प बातें बताई हैं। एक बातचीत में उन्होंने उनसे सीखे जीवन के सबक साझा किए। सिकंदर ने कहा कि अनुपम ने उन्हें हार न मानने की ताकत सिखाई। सिकंदर ने एक पुरानी घटना का जिक्र किया, जब अनुपम ने हॉलीवुड फिल्म द सिल्वर लाइनिंग्स प्लेबुक में अपनी जगह बचाने के लिए रॉबर्ट डी नीरो और ब्रैडली कूपर जैसे बड़े सितारों के सामने अपनी बात रखी। फिल्म में जेनिफर लॉरेंस मुख्य भूमिका में थी। डेविड ओ रसेल ने इसे निर्देशित किया था।

पॉडकास्ट में सिकंदर ने कहा, जो इंसान पहले से भीगा हुआ है, उसे बारिश का डर नहीं होता। यह बात मैंने उनसे सीखी। उनकी जिद और हिम्मत कमाल की है। जब उन्हें पता चला कि फिल्म सारांश से उन्हें बिना बताए हटा दिया गया था, तब उनके पास मुंबई में रुकने के लिए पैसे भी नहीं थे। फिर भी जाने से पहले उन्होंने महेश भट्ट को अपनी बात सुनाने का फैसला किया। उन्होंने इतने जोरदार तरीके से अपनी बात रखी कि उन्हें वह रोल मिल गया।

पिता से कौन सी चीज सीखना चाहते हैं सिकंदर?

सिकंदर ने कहा कि अनुपम के पसंदीदा अभिनेता रॉबर्ट डी नीरो सिल्वर लाइनिंग्स प्लेबुक में उनके साथ काम कर रहे थे। एक रिहर्सल के दौरान डी नीरो को लगा कि अनुपम का किरदार उस सीन में नहीं होना चाहिए। सिकंदर ने साझा किया, डी नीरो को लगता था कि उनका किरदार मेरे पिता के किरदार को घर में नहीं आने देगा, क्योंकि उसे वह पसंद नहीं था। लेकिन मेरे पिता ने हार नहीं मानी। उन्होंने पूरे सेट और जेनिफर लॉरेंस, ब्रैडली कूपर, क्रिस टकर और रॉबर्ट डी नीरो जैसे सितारे के सामने डायरेक्टर से अपनी बात कही। इस दौरान उन्होंने बताया कि उनका किरदार उस सीन में क्यों जरूरी है। इसके बाद डायरेक्टर ने डी नीरो से पूछा,और डी नीरो ने हामी भर दी। सिकंदर ने कहा कि मेरे पिता वहां कोई बड़े नाम नहीं थे। वह भारत से आए एक आम अभिनेता थे। मेरे पिता वह रोल खो सकते थे, लेकिन उन्होंने अपनी आत्म-सम्मान की रक्षा की। यही वो चीज है जो मुझे सीखनी है।

कई प्रोजेक्ट्स में नजर आ चुके हैं सिकंदर हाल ही में सिकंदर ने फिल्मों में वापसी की है। उन्होंने मोनिका ओ माय डार्लिंग और मंकी मैन में सहायक भूमिकाएं निभाई हैं। इसके अलावा वह कुछ समय पहले वेब सीरीज आर्या और सिटाडेल- हनी बनी में भी नजर आए थे।

कॉमेडी फिल्म चिल मरना ब्रो से बॉलीवुड डेब्यू करेंगी यामिनी मल्होत्रा

बिग बॉस के घर जाकर हर किसी अभिनेता की किस्मत खुल जाती है। इसी लिस्ट में अब एक और नाम जुड़ गया है और वह है बिग बॉस 18 की कंटेस्टेंट यामिनी मल्होत्रा का। यामिनी जल्द ही एक बॉलीवुड फिल्म में नजर आने वाली हैं। यामिनी मल्होत्रा जल्द ही कॉमेडी फिल्म चिल मरना ब्रो से बॉलीवुड डेब्यू करने वाली हैं। इस फिल्म को तेजस दत्तानी डायरेक्ट कर रहे हैं। इस फिल्म में कॉमेडी के साथ कई मजेदार ट्विस्ट देखने को मिलेंगे। कुल मिलाकर यह हल्की-फुल्की मनोरंजक फिल्म होगी। दिल्ली की रहने वाली यामिनी अपनी एक्टिंग का जलवा दिखाने से पहले बिग बॉस 18 में नजर आई थीं। बिग बॉस के घर पर यामिनी ने अपनी बोल्ड और बेबाक मौजूदगी से सबका ध्यान खींचा था। खबर के मुताबिक, यामिनी ने अपने बॉलीवुड डेब्यू को लेकर कहा, मुझे हमेशा से एक्टिंग का शौक था। बॉलीवुड में आना मेरा सपना था। यह फिल्म कॉमेडी और ट्विस्ट से भरी है। यामिनी एक एक्ट्रेस होने के साथ-साथ डेंटिस्ट भी हैं। वह टीवी शो गुम है किसी के प्यार में और मैं तेरी तू मेरा में काम कर चुकी हैं। 2016 में वह फिल्म चुट्टालबाई में भी नजर आई थीं। इस साल वह बिग बॉस 18 में वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट के तौर पर आई, लेकिन ज्यादा दिन नहीं रुक पाईं।

फर्जी निकली किंग में दीपिका के होने की खबर, सिद्धार्थ की ट्वीट के बाद आया अपडेट

शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण की जोड़ी परदे पर हमेशा कमाल करती है। फैंस के लिए तो यह मानो ट्रीट होती है, वहीं दीपिका के साथ शाहरुख की जोड़ी हो तो बॉक्स ऑफिस पर भी सफलता पक्की सी हो जाती है। किंग खान इन दिनों फिल्म किंग को लेकर चर्चा में हैं, जिसके जरिए उनकी बिटिया सुहाना बड़े परदे पर डेब्यू कर रही हैं। पिछले कुछ दिनों से मीडिया रिपोर्ट्स में दावे किए जा रहे हैं कि किंग में दीपिका पादुकोण भी नजर आएंगी। बहुप्रतीक्षित फिल्म किंग में दीपिका के किरदार को लेकर भी पक्के दावे किए जाने लगे। कहा गया कि वे सुहाना खान की मां की भूमिका में दिखाई देंगी। मगर, इस फिल्म के निर्देशक सिद्धार्थ आनंद ने खुद इन खबरों का खंडन अपने एक ट्वीट से कर दिया है। एक ट्वीट उन्होंने कल सोमवार को साझा किया था। और अब 08 अप्रैल को भी एक ट्वीट किया है। इसमें उन्होंने ज्यादा कुछ नहीं लिखा। सिर्फ यही लिखा है, खबर गलत है।

पठान 2 है वजह?

एक रिपोर्ट के मुताबिक दीपिका पादुकोण किंग का हिस्सा नहीं हैं। सूत्रों के मुताबिक दीपिका किंग में नजर नहीं आएंगी। शाहरुख और दीपिका की जोड़ी को आदित्य चोपड़ा फिलहाल पठान 2 तक ही सीमित रखना चाहते हैं। फिल्म पठान में भी शाहरुख के साथ दीपिका नजर आईं।

देवरा पार्ट 2 को लेकर अफवाहों पर जूनियर एनटीआर ने लगाया ब्रेक

साउथ के स्टार जूनियर एनटीआर ने इस बात की तस्दीक की है कि देवरा पार्ट 2 पर काम जारी है। अभिनेता ने एक मीटिंग में इस बात की तस्दीक की। इससे पहले अफवाहें थीं कि देवरा की सीक्वल को रद्द कर दिया गया है। देवरा पार्ट 1 पिछले साल रिलीज हुई थी। इसके निर्देशक कोराताला शिवा थे। फिल्म एक्शन से भरपूर थी और बॉक्स ऑफिस पर हिट थी। जूनियर एनटीआर ने दर्शकों से कहा कि कुछ लोगों का कहना है कि देवरा 2 नहीं बनेगी। मैं कह रहा हूं कि इसकी सीक्वल बनेगी। प्रशांत नील के प्रोजेक्ट की वजह से हमें थोड़ा विराम लेना पड़ रहा है। देवरा पार्ट 1 में जूनियर एनटीआर, जान्हवी कपूर और सैफ अली खान थे। जूनियर एनटीआर अपनी अगली फिल्म निर्देशक नेल्सन दिलीप कुमार के साथ ला रहे हैं।

सलमान ने यूलिया वंतूर पर जताया भरोसा और किया प्रोत्साहित

सलमान खान अभिनीत फिल्म सिकंदर इस समय सिनेमाघरों में दर्शकों को दिखाई जा रही है। इस फिल्म में रश्मिका मंदाना, सलमान खान के लिए एक गाना गाती हैं। अब उसी गाने की गायिका ने अभिनेता के व्यवहार के बार मे कुछ खुलासा किया है। सिकंदर फिल्म में लग जा गले गाना गाने वाली गायिका का नाम है यूलिया वंतूर, जिन्होंने हाल ही में फिल्मफेयर से बात की। गायिका ने बताया कि सलमान ने उनका हौसला बढ़ाया था। बातचीत में उन्होंने कहा, 'हर किसी के लिए भावनात्मक समर्थन बहुत जरूरी है। किसी ऐसे व्यक्ति का होना जो आपकी आवाज पर विश्वास करता हो। वह एक ऐसे व्यक्ति थे, जिन्हें मेरी आवाज और मेरी प्रतिभा पर विश्वास था। उन्होंने मुझे ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित किया, जब मुझे खुद पर संदेह था।'

अभिनेत्री और गायिक यूलिया वंतूर ने आगे बताया कि उन्होंने अचानक हिंदी म्यूजिक गाना शुरू किया। इसके अलावा यूलिया ने कहा कि सलमान खान को उनके ऊपर भरोसा था, इसके लिए उन्होंने आभार जताया। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों का होना बहुत जरूरी है, जो आपके लिए खड़े हों। सलमान खान अभिनीत फिल्म सिकंदर ईद पर रिलीज हुई थी। फिल्म ने पहले दिन 26 करोड़ रुपये के कलेक्शन के साथ शुरुआत की। फिल्म ने अभी तक कुल 10 दिनों में 105.6 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। ए आर मुरुगदास के निर्देशन में बनी इस फिल्म में सलमान खान के अलावा रश्मिका मंदाना, काजल अग्रवाल, सत्यराज, सुनील शेट्टी, शर्मन जोशी और प्रतीक बब्बर हैं।

अल्लू अर्जुन-एटली की फिल्म में नजर नहीं आएंगी प्रियंका चोपड़ा

ए6 के निर्माण पर भी आया अपडेट

हाल ही में ऐसी खबरें आ रही थीं कि प्रियंका चोपड़ा निर्देशक राजामौली की फिल्म के बाद एक और साउथ फिल्म में नजर आने वाली हैं। कहा गया था कि प्रियंका चोपड़ा पैन इंडिया स्टार अल्लू अर्जुन और निर्देशक एटली की महत्वाकांक्षी फिल्म में नजर आएंगी, जिसका संभावित नाम ए6 है। प्रियंका के फिल्म में शामिल होने की चर्चा सोशल मीडिया पर तेजी से हो रही थीं, इस बीच अब उनको लेकर खबर है कि वह फिल्म का हिस्सा नहीं हैं।

प्रियंका नहीं होंगी फिल्म का हिस्सा

हाल ही में लगाई जा रही अटकलों से अलग अब प्रियंका चोपड़ा अभिनेता अल्लू अर्जुन और निर्देशक एटली की फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। प्रियंका चोपड़ा जोनस से अल्लू अर्जुन स्टारर फिल्म के लिए कभी बातचीत नहीं हुई थी। दिलचस्प बात यह है कि उन्हें एटली के निर्देशन में सलमान खान के साथ जोड़ी बनाने वाली एक पूरी तरह से अलग परियोजना के लिए विचार किया जा रहा था। लेकिन वह फिल्म अब निर्माण में नहीं है।

डबल रोल में नजर आएंगे अल्लू अर्जुन

यह पुष्टि ऐसे समय में हुई है, जब प्रशंसक दक्षिण भारतीय फिल्म इंडस्ट्री की सबसे चर्चित आगामी फिल्मों में से एक ए6 के बारे में अधिक जानकारी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, ए6 में अल्लू अर्जुन अपने करियर में पहली बार दोहरी भूमिका में होंगे, जो दर्शकों के लिए खास ट्रीट विजुअल होगा।

2025 में शुरू होगा फिल्म पर काम

कहा जा रहा है कि फिल्म का निर्माण 2025 के अंत में शुरू होगा, प्रियंका चोपड़ा इस फिल्म का हिस्सा नहीं होंगी। हालांकि, प्रियंका चोपड़ा साउथ डेब्यू एसएस राजामौली की फिल्म से कर रही हैं, जिसका अस्थाई नाम एसएसएमबी 29 है। इस फिल्म में महेश बाबू मुख्य भूमिका में हैं। हाल ही में उन्होंने फिल्म का शेड्यूल पूरा किया है।

फिर कैंसर से जूझ रहीं आयुष्मान खुराना की पत्नी ताहिरा कश्यप, एक नोट के जरिए दी जानकारी

फिल्म निर्देशक और लेखिका व अभिनेता आयुष्मान खुराना की पत्नी ताहिरा कश्यप एक बार फिर से कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जंग लड़ रही हैं। ताहिरा का ब्रेस्ट कैंसर सात साल बाद एक बार फिर उभर आया है। इसकी जानकारी खुद ताहिरा ने अपने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दी है।

ताहिरा ने इंस्टाग्राम पर दी जानकारी

ताहिरा ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक नोट साझा करते हुए ये बताया है कि सात साल बाद उनका ब्रेस्ट कैंसर फिर से उभर आया है। ताहिरा ने अपने इंस्टाग्राम पर एक नोट शेयर किया, जिसमें उन्होंने लिखा, सात साल की परेशानी या नियमित जांच की शक्ति, यह आपका एक नजरिया है। मैं दूसरे वाले के साथ जाना चाहती हूं और उन सभी को यह सुझाव देती हूं जिन्हें नियमित मैमोग्राम कराने की जरूरत है। मेरे लिए दूसरा चरण है। मुझे यह अभी भी है।

जिंदगी में आने वाली मुश्किलों का करें सामना

इस नोट को साझा करने के साथ ही ताहिरा ने एक कैप्शन भी लिखा है। इस कैप्शन में लेखिका ने एक कहावत लिखी 'जब जिंदगी आपको नींबू देती है, तो नींबू पानी बनाइए।' इसका मतलब है कि जब भी जीवन में मुश्किलें आएं तो उनका भी लाभ उठाएं। आगे ताहिरा ने नींबुओं की ही ओर इशारा करते हुए लिखा कि जब जिंदगी आप पर बहुत उदार हो जाती है और उन्हें फिर से आपके सामने फेंकती है, तो उन्हें शांति से अपने पसंदीदा काला खट्टा ड्रिंक में निचोड़ें और अच्छे व सकारात्मक इरादों के साथ इसे पीएं। क्योंकि एक तो यह एक बेहतर ड्रिंक है और दूसरा आप जानते हैं कि आप इसे एक बार फिर अपना सर्वश्रेष्ठ देंगे। जाहिर है कि इस कवाहत के जरिए ताहिरा ने एक सकारात्मक संदेश दिया है। उनका कहना है कि जिंदगी में जो भी परेशानी आए उसका डटकर सामना करें। ताहिरा ने आगे कहा कि यह एक संयोग है कि आज विश्व स्वास्थ्य दिवस है। इस मौके पर हम अपनी क्षमता के हिसाब से खुद को स्वस्थ रखने के लिए जो कर सकते हैं, वो करें।

जब मैं डर जाऊंगा तब हॉरर फिल्में करूंगा

सनी देओल इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'जाट' के प्रमोशन में व्यस्त हैं।फिल्म के प्रमोशन के सिलसिले में अभिनेता कई सारे इवेंट में हिस्सा ले रहे हैं। इस बीच किसी इवेंट से उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में सनी देओल ने हॉरर फिल्म करने को लेकर जो जवाब दिया उसे सुनकर सभी चौंक गए।

हॉरर फिल्में क्यों नहीं करते सनी देओल?

वीडियो में देखा जा सकता है कि किसी ने अभिनेता से पूछा कि वह हॉरर फिल्में क्यों नहीं करते। उनके जवाब ने सभी हंसने पर मजबूर कर दिया। अभिनेता ने कहा, 'जब मैं खुद डर जाऊंगा, तब ऐसी फिल्में करूंगा।' इतना कहकर सनी देओल हंसने लगे। उन्होंने आगे कहा कि अगर मेरे पास ऐसी कोई स्क्रिप्ट आती है तो मैं जरूर हॉरर फिल्में करूंगा। सनी देओल की फिल्म जाट 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म का निर्देशन गोपीचंद मलिनेनी कर रहे हैं। यह एक्शन एक फिल्म है। फिल्म में सनी देओल के अलावा रिजीना कैसांड्रा, रणदीप हुड्डा, उर्वशी रौतेला, विनीत सिंह कुमार, सईयामी खेर, राम्या कृष्णा और जगपति बाबू जैसे कलाकार भी नजर आएंगे।

भारतीय टीम पांच मैचों की सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी, सामने आया पूरा शेड्यूल

नई दिल्ली-भारतीय महिला हॉकी टीम पांच मैचों की सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी। हॉकी इंडिया ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। यह सीरीज 26 अप्रैल से चार मई तक चलेगी। भारतीय टीम सीरीज की शुरुआत ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ 26 और 27 अप्रैल को होने वाले दो मैचों से करेगी। इसके बाद टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया की सीनियर टीम के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज खेलेगी। सीनियर टीम से मैच एक, तीन और चार मई को खेले जाएंगे। सभी मैच पर्थ हॉकी स्टेडियम में आयोजित किए जाएंगे।

यह दौरा जून में शुरू होने वाले एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के यूरोपीय चरण की तैयारी को देखते हुए काफी महत्वपूर्ण है। नौवें स्थान पर काबिज भारतीय टीम ने एफआईएच प्रो लीग 2023-24 के दौरान अपने आखिरी मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 1-0 से हराया था, लेकिन इन दोनों टीम के बीच 2013 के बाद खेले गए 16 मैचों में से ऑस्ट्रेलिया ने 10 में जीत हासिल की है। भारत ने तीन जीत दर्ज की हैं, जबकि तीन मैच ड्रॉ पर समाप्त हुए हैं।

भारतीय महिला टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने ऑस्ट्रेलिया के दौरे के संदर्भ में कहा, यह दौरा एफआईएच प्रो लीग के यूरोपीय चरण के लिए हमारी तैयारियों को देखते हुए बेहद महत्वपूर्ण है। ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम के खिलाफ खेलने से हमारे खिलाड़ियों को अपने खेल का आकलन करने का अच्छा मौका मिलेगा।

देश का प्रतिनिधित्व करेंगे काशी के दो खिलाड़ी, पैरा टेबल टेनिस में दिखाएंगे दम

वाराणसी। जॉर्डन की राजधानी अम्मान शहर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय पैरा टेबल टेनिस प्रतियोगिता में वाराणसी के दो खिलाड़ी भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। बालिका वर्ग में वाराणसी के सिगरा निवासी प्रियांशी केशरी जबकि पुरुष वर्ग में बीएचयू कृषि विज्ञान संस्थान के छात्र विवेकानंद सिंह खेलेंगे। बालिका वर्ग में प्रियांशी टेनिस में भारत की टॉप सीड खिलाड़ी हैं। काशी हिंदू विश्वविद्यालय परिसर स्थित रुईया मैदान पर बुधवार को टी-10 क्रिकेट खेला गया। आईएमएस प्रीमियर लीग में बुधवार को पहला मुकाबला सुपर स्ट्राइकर बनाम ब्लड बैंक के बीच खेला गया। इसमें सुपर स्ट्राइकर एकादश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 10 ओवर में छह विकेट पर 139 रन बनाए। जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी ब्लड बैंक की पूरी टीम 120 रन पर आउट हो गई।

आयुष सांडिल्य ने 54 मीटर दूर फेंका भाला

काशी हिंदू विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग की ओर से एंफीथियेटर मैदान में एथलेटिक्स कार्यशाला का आयोजन हुआ। प्रशिक्षण के बाद प्रतियोगिता में राष्ट्रीय खिलाड़ी आयुष सांडिल्य 54 मीटर भाला फेंका।शारीरिक शिक्षा विभाग की ओर से एथलेटिक्स कार्यशाला में प्रो. टीम ओनिमा रेड्डी ने खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दिया। उन्होंने बताया कि जेवलीन थ्रो में इंजरी की संभावना अधिक होती है। इससे बचने के लिए खिलाड़ियों को समय समय पर नई तकनीक की जानकारी दी जाती है।

यूपी टीम में वाराणसी मंडल के पांच खिलाड़ी

68वीं राष्ट्रीय खो खो प्रतियोगिता के लिए यूपी की टीम घोषित कर दी गई है। बालक वर्ग में वाराणसी मंडल के पांच खिलाड़ियों को जगह मिली है। जिला क्रीड़ा सचिव विनोद सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता में जौनपुर के कमला नेहरू इंटर कॉलेज अकबरपुर के अखिल और मोहम्मद हसन इंटर कॉलेज के हरशेंद्र प्रताप, गाजीपुर के नंद किशोर सिंह इंटर कॉलेज रामपुर के सूरज राजभर, वाराणसी के बच्छांव स्थित महामना मालवीय इंटर कॉलेज के सूर्यभान कन्नोजिया को जगह मिली है।

ओलंपिक में 128 साल बाद क्रिकेट की वापसी; छह टीमें हिस्सा लेंगी

नई दिल्ली, एजेंसी

क्रिकेट 128 साल के अंतराल के बाद 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक में वापसी करेगा। इसको लेकर आयोजकों ने बुधवार को बड़ा एलान किया। लॉस एंजिलिस ओलंपिक के आयोजकों ने इस बहुराष्ट्रीय आयोजन में क्रिकेट के लिए टीमें तय कर दी हैं। महिला और पुरुष दोनों श्रेणी में छह-छह टीमें हिस्सा लेंगी। मैच टी20 प्रारूप में खेले जाएंगे। छह टीमें स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक के लिए टक्कर लेती दिखेंगी।

साल 1900 में क्रिकेट ओलंपिक का हिस्सा था

पिछली बार क्रिकेट साल 1900 में पेरिस ओलंपिक का हिस्सा रहा था। तब ग्रेट ब्रिटेन और फ्रांस के बीच दो दिवसीय मुकाबला खेला गया था। अब इसे अनाधिकारिक टेस्ट के रूप में गिना जाता है। हालांकि, लॉस एंजिलिस ओलंपिक में छह टीमें टी20 प्रारूप में खेलती दिखेंगी। इतना ही नहीं आयोजकों ने एक टीम में अधिकतम खिलाड़ियों की संख्या भी तय की है। आयोजकों ने कहा है कि एक टीम में 15 खिलाड़ी होंगे। पुरुष और महिला दोनों श्रेणियों में अधिकतम 90 खिलाड़ियों का कोटा तय किया गया है। यानी छह टीमों को मिलाकर अधिकतम 90 खिलाड़ी होंगे।

आईसीसी के 12 नियमित सदस्य

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल के फिलहाल 12 नियमित और 94 सहयोगी सदस्य हैं। नियमित सदस्यों में अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, भारत, आयरलैंड, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे की टीमें हैं। हालांकि, 2028 ओलंपिक के लिए क्वालिफिकेशन प्रक्रिया के बारे में अब तक नहीं बताया गया है। इसमें अमेरिका का खेलना तय माना जा रहा है, क्योंकि उन्हें मेजबान कोटे का फायदा मिलेगा। इसका मतलब होगा कि अमेरिका के अलावा पांच और टीमें हिस्सा ले सकेंगी और उन्हें क्वालिफिकेशन प्रक्रिया से गुजरना होगा।

पांच खेलों को शामिल किया गया

क्रिकेट उन पांच नए खेलों में शामिल है, जिन्हें लॉस एंजिलिस ओलंपिक में जगह दी गई है। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक संघ ने इन पांच खेलों के लॉस एंजिलिस ओलंपिक में शामिल किए जाने की पुष्टि साल 2023 में की थी। क्रिकेट के अलावा इनमें बेसबॉल/सॉफ्टबॉल, फ्लैग फुटबॉल, लैक्रॉस और स्क्वॉश शामिल हैं।

आर्चर की 147 की रफ्तार की गेंद पर क्लीन बोल्ड हुए गिल, फैंस ने किया ट्रोल

अहमदाबाद, एजेंसी

आईपीएल 2025 में बुधवार को राजस्थान रॉयल्स का सामना गुजरात टाइटंस से हुआ। अहमदाबाद में खेले गए इस मुकाबले में गुजरात ने राजस्थान को 58 रन से हरा दिया। इस मैच में कई दिलचस्प पल देखने को मिले। ऐसे ही दो दिलचस्प पल के बारे में आपको बता रहे हैं, जो इस मैच में चर्चा विषय रहा। राजस्थान के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर की इन स्विंग गेंद पर क्लीन बोल्ड होने के बाद शुभमन गिल को सोशल मीडिया पर खूब ट्रोल किया जा रहा है। वहीं, रियान पराग के विकेट ने सोशल मीडिया पर विवाद खड़ा कर दिया है। फैंस दो हिस्सों में बंट गए हैं। कुछ का कहना है कि वह आउट थे, जबकि कुछ का कहना है कि वह आउट नहीं थे और अंपायर के गलत फैसले का शिकार हुए। पराग का विकेट टर्निंग पॉइंट भी साबित हुआ और 218 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान की टीम 19.2 ओवर में 159 रन पर सिमट गई।

आर्चर ने गिल को किया क्लीन बोल्ड

गुजरात की टीम ने पहले बल्लेबाजी की। तीसरे ओवर की पहली गेंद पर आर्चर ने 147.7 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से इनस्विंग गेंद फेंकी। गिल ने गेंद की लाइन को पूरी तरह मिस किया और गेंद ने ऑफ स्टंप को उखाड़ दिया। गिल को सोशल मीडिया पर ट्रोल किया गया। फैंस ने कहा कि आर्चर जैसे क्वालिटी गेंदबाज के खिलाफ गिल लगातार वही गलती कर रहे हैं। आर्चर के खिलाफ आईपीएल में गिल के आंकड़े भी खराब हैं। उन्होंने इस लीग में आर्चर का पांच पारियों में सामना किया है और इस दौरान 15 गेंदें खेली हैं। इस पर वह 10 रन ही बना सके हैं। आर्चर ने इस दौरान गिल को तीन बार आउट किया है। आर्चर के खिलाफ आईपीएल में गिल का औसत 3.3 का और स्ट्राइक रेट 66.6 का है।

पराग के आउट होने पर विवाद

रियान पराग के विकेट को लेकर विवाद ये कम नहीं था कि राजस्थान की पारी के दौरान एक और घटना ने दर्शकों का ध्यान बटोरा। दरअसल, इतने बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान ने तीन ओवर के अंदर 12 रन पर दो विकेट गंवा दिए थे। यशस्वी जायसवाल छह रन और नीतीश राणा एक रन बनाकर आउट हो चुके थे। इसके बाद कप्तान सैमसन ने रियान पराग के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए साझेदारी करने की कोशिश की। सातवें ओवर में एक वक्त राजस्थान ने दो विकेट गंवाकर 60 रन बना लिए थे। सैमसन और पराग के बीच 48 रन की साझेदारी हो चुकी थी, लेकिन तभी कुलवंत खेजरोलिया की एक गेंद पराग के बल्ले के पास से होकर विकेटकीपर बटलर के ग्लव्स में गई। गेंदबाज के अपील करने पर पराग को आउट दिया गया।

इस पर पराग ने डिसीजन रिव्यू सिस्टम (डीआरएस) का इस्तेमाल किया। उनका थर्ड अंपायर के पास जाने का फैसला चौंकाने वाला था क्योंकि पराग तब साफ तौर पर आउट दिख रहे थे। रिप्ले में दिखा कि जब गेंद बल्ले के पास से गुजरी तो स्नीकोमीटर पर स्पाइक दिखे (हलचल दिखी)। हालांकि, उसी समय बल्ले ने जमीन को भी हिट किया था। थर्ड अंपायर ने भी फील्ड अंपायर के फैसले को जारी रखा। इस पर पराग नाराज हो गए और उन्होंने अंपायर से बहस भी की।

गिरगिट है तुम्हारा आराध्य देव, लाइव मैच में भिड़े सिद्धू और रायुडू

मुल्लांपुर। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के हाथों 18 रन से हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में धोनी बल्लेबाजी के लिए आए लेकिन 27 रन बनाकर आउट हो गए। वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। अब इस मैच से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू और अंबाती रायुडू के बीच बहस होती दिख रही है। इस दौरान सिद्धू ने कुछ ऐसा कह दिया जिसको अब प्रशंसक धोनी से जोड़ रहे हैं।

पंजाब के खिलाफ मैच में धोनी पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए थे। जब दिग्गज बल्लेबाज डगआउट से निकले तो कमेंट्री पैनल में मौजूद नवजोत सिंह सिद्धू ने कहा, धोनी आज भागते हुए आ रहे हैं। इस बार इंटेंट तो उनके कदमों से ही साफ दिख रहा है। इस पर अंबाती रायुडू ने कहा, जी हां बिल्कुल! धोनी की चाल देखिए, बल्ला नहीं, तलवार लेकर आ रहे हैं। आज धोनी तलवार चलाएंगे।

मोंटे कार्लो मास्टर्स में दो बड़े उलटफेर, ज्वेरेव और जोकोविच हारे

मोनाको, एजेंसी

मोंटे कार्लो मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट में बुधवार को दो बड़े उलटफेर देखने को मिले। 24 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता नोवाक जोकोविच को बुधवार को दूसरे दौर में एलेजांद्रो टेबिलो से हार का सामना करना पड़ा। इस वजह से उन्हें अपना 100वां करियर खिताब जीतने के लिए और इंतजार करना होगा। वहीं, शीर्ष वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव को दूसरे दौर में इटली के मातेओ बेरेतिनी ने 2-6, 6-3, 7-5 से हरा दिया।

पिछले साल इटैलियन ओपन में जोकोविच को हराकर उलटफेर करने वाले टेबिलो ने दूसरे दौर में जोकोविच को 6-3, 6-4 से हराया। जोकोविच हाल में मियामी ओपन के फाइनल में जैकब मेन्सिक से हार गए थे। वह 25 मई को फ्रेंच ओपन शुरू होने से ठीक पहले अगले महीने 38 साल के हो जाएंगे।

फ्रेंच ओपन के मौजूदा चैंपियन कार्लोस अल्काराज ने क्लेकोर्ट सत्र की शुरुआत दूसरे दौर में फ्रांसिस्को सेरुंडोलो पर 3-6, 6-0, 6-1 से जीत हासिल करके की। दूसरी वरीयता प्राप्त अल्काराज को मियामी ओपन में पहले मैच में बेल्जियम के अनुभवी खिलाड़ी डेविड गॉफिन से हार का सामना करना पड़ा था।

ज्वेरेव बेरेतिनी से हारे

ज्वेरेव का हारना भी चौंकाने वाला रहा। अब बेरेतिनी का सामना जिरि लेहेका या 13वीं वरीयता प्राप्त लोरेंजो मुसेत्ती से होगा। आखिरी बार इटली के नाम यह खिताब 2019 में फेबियो फोगनिनी ने किया था। अन्य मुकाबलों में तीन बार के चैम्पियन यूनान के स्टेफानोस सिटसिपास ने आस्ट्रेलिया के जोर्डन थॉम्पसन को 4-6, 6-4, 6-2 से मात दी। वहीं अमेरिकी ओपन सेमीफाइनल में पहुंचे जैक ड्रेपर ने मार्कोस जिरोन को 6-1, 6-1 से हराया।

पहले दौर के मैच में डेनमार्क के होल्गर रूने 2-6, 0-3 से पिछड़ रहे थे जब नुनो बोर्गेस के खिलाफ उन्हें कोर्ट छोड़ना पड़ा। 15वीं वरीयता प्राप्त बुल्गारिया के ग्रिगोर दिमित्रोव ने निकोलस जैरी को 6-3, 6-4 से हराया। अब उनका सामना मोनाको के वालेंटिन वाचेरोट से होगा।

बिली जीन किंग कप में भारतीय टीम की जीता का खाता खुला, दूसरे मैच में थाईलैंड को दी शिकस्त

पुणे। भारत ने बुधवार को ग्रुप चरण में थाईलैंड पर 2-1 से जीत के साथ बिली जीन किंग टेनिस कप में अपना खाता खोला। श्रीवल्ली भामिदिपति ने मेजबान टीम के लिए शानदार जीत दर्ज की। इससे पहले अंकिता रैना और प्रार्थना थोम्बरे की अनुभवी जोड़ी ने भारत को जीत दिलाने में मदद की।भारत मंगलवार को न्यूजीलैंड से 1-2 से हार गया था। भारत गुरुवार को अपने तीसरे मैच में हॉन्गकॉन्ग से भिड़ेगा।

भामिदिपति ने थाईलैंड की लैनलाना तरारुडी पर एक घंटे 15 मिनट में 6-2, 6-4 से जीत हासिल की जिससे भारत को थाईलैंड के खिलाफ मुकाबले में 1-0 की बढ़त मिल गई। दिन के दूसरे मुकाबले में सहजा यामालापल्ली का सामना मनंचया सवांगकेव से हुआ जो रोमांचक रहा।दोनों खिलाड़ियों ने एक दूसरे के खिलाफ बेहतरीन टेनिस का प्रदर्शन किया। मनंचया ने पहला सेट 6-3 से जीता। फिर सहजा ने जबरदस्त धैर्य और दृढ़ संकल्प दिखाते हुए दूसरा सेट 7-6 (7-3) से अपने नाम किया। अंतिम सेट में 0-1 से पिछड़ने के बाद युवा भारतीय खिलाड़ी को दुर्भाग्य से चोटिल होकर मैदान से बाहर होना पड़ा जिससे दो घंटे और 23 मिनट तक चले रोमांचक मैच का अंत हो गया। इसके बाद अंकिता और थोम्बरे की अनुभवी भारतीय जोड़ी ने युगल में पींगटार्न प्लिप्यूच और पैचरिन चीपचंदेज को एक घंटे 55 मिनट में 7-6, 3-6, 10-3 से हराया।

मोच के चलते स्ट्रेचर पर बाहर गई, टीम मुश्किल में दिखी तो वापस आई, दर्द सहते हुए जड़ा शतक

लाहौर, एजेंसी

महिला विश्व कप 2025 के क्वालिफिकेशन मुकाबले खेले जा रहे हैं। इसी टूर्नामेंट में बुधवार को खेले गए मुकाबले में कुछ ऐसा देखने को मिला, जिसने सभी फैंस को भावुक कर दिया। वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यूज को मैच के बीच में ही मोच आई। वह दर्द से कराहती रहीं। जब उनसे बल्लेबाजी नहीं हुई तो वह स्ट्रेचर पर लेटकर मैदान से बाहर गईं (दो बार रिटायर्ड हर्ट हुईं)। फिर टीम को मुश्किल में देखा तो दर्द के बावजूद वापस क्रीज पर आईं और बल्लेबाजी की। दर्द में रहते हुए उन्होंने बड़े-बड़े शॉट खेले और शतक भी पूरा किया, लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला सकीं। इसे देखकर फैंस भावुक तो हुए ही, लेकिन इस बात की सीख भी मिली की कभी हार नहीं माननी चाहिए। इसका वीडियो भी सामने आया है और फैंस हेली की जमकर तारीफ कर रहे हैं। हेली महिला प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस का हिस्सा हैं।

वेस्टइंडीज और स्कॉटलैंड का मुकाबला

दरअसल, महिला विश्व कप 2025 क्वालिफायर में बुधवार को वेस्टइंडीज का सामना स्कॉटलैंड से हुआ। पहले बल्लेबाजी करते हुए स्कॉटलैंड की महिला टीम 45 ओवर में 244 रन पर सिमट गई। विकेटकीपर सारा ब्राइस ने 55 रन और मेगन मैकॉल ने 45 रन की पारी खेली। इस दौरान हेली ने गेंदबाजी करते हुए स्कॉटलैंड के चार विकेट भी झटके थे। उन्होंने 10 ओवर में 56 रन देकर चार विकेट झटके। जवाब में वेस्टइंडीज की टीम को सात पर पहला झटका लगा था। इसके बाद हेली ने जायदा जेम्स के साथ दूसरे विकेट के लिए 113 रन की साझेदारी निभाई। जायदा 45 रन बनाकर आउट हुईं। 120 रन पर वेस्टइंडीज के दो विकेट गिरे थे। इसके बाद एक वक्त यानी 39वें ओवर में वेस्टइंडीज का स्कोर छह विकेट पर 192 रन हो गया था। 39वां ओवर खत्म होते ही हेली मैथ्यूज से रहा नहीं गया और उन्होंने रिटायर्ड हर्ट होने का फैसला लिया।

39वें ओवर में रिटायर्ड हर्ट हुईं हेली मैथ्यूज

39वें ओवर के बाद वेस्टइंडीज का स्कोर छह विकेट पर 194 रन था। हेली 99 गेंद में 95 रन और आलिया एक रन बनाकर क्रीज पर थीं। इतने रन तक पहुंचने में भी हेली को काफी मशक्कत करनी पड़ी थी। उन्हें शुरुआती ओवरों में ही मोच आई थी, लेकिन जैसे तैसे शॉट लगाकर उन्होंने पारी जारी रखी थी। कई बार तो फीजियो मैदान में आए और दर्द से कराह रहीं हेली का इलाज किया। हेली दर्द से कई बार जमीन पर भी ले गईं। 39वें ओवर में उनसे नहीं रहा गया और रिटायर्ड हर्ट हुईं। हेली को स्ट्रेचर पर लिटाकर मैदान से बाहर ले जाया गया। फिर 42वें ओवर की दूसरी गेंद पर जैसे ही वेस्टइंडीज का आठवां विकेट गिरा।

संक्षिप्त समाचार

नई एक्साइज पॉलिसी लाने की तैयारी में दिल्ली सरकार, पिछली वाली से कितनी अलग होगी?

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की आप सरकार के लिए लाई नई एक्साइज पॉलिसी गले की फांस बन गई थी। आनन-फानन में नई शराब नीति को वापस लेना पड़ा। अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया तो अभी भी इससे नहीं निकल पाए हैं। कोर्ट ने उन्हें राहत के रूप में सिर्फ जमानत दी है, पूरी तरह से रिहा नहीं किया है। इस नीति ने पिछली सरकार की खूब छीछालेदर भी की। अब दिल्ली में रेखा गुप्ता की सरकार है। उन्होंने कहा कि सरकार नई एक्साइज पॉलिसी लाएगी। नई शराब नीति पारदर्शी होगी और इससे समाज में एक खास मैसेज जाएगा। सीएम रेखा गुप्ता ने बताया कि फुलप्रूफ नई शराब नीति लाएगी। उन्होंने कहा कि हम नई आबकारी नीति लाएंगे जो पारदर्शी हो, सरकार के लिए राजस्व उत्पन्न करे और समाज को एक अच्छा संदेश दे। हम अन्य राज्यों में लागू बेस्ट शराब नीति को उदाहरण बनाकर दिल्ली में इसे लागू करेंगे। हम कोशिश करेंगे की इस नई नीति से जनता परेशान न हो। दिल्ली के उपराज्यपाल (एलजी) ने जो नई शराब नीति की सीबीआई जांच कराने का आदेश दिया था। एलजी ऑफिस ने कहा कि सिसोदिया ने जानबूझकर ऐसी गलतियां कीं, जिसकी वजह से उनकी भूमिका जांच के घेरे में है। इन गलतियों के चलते 2021-22 के शराब लाइसेंस वालों को टेंडर में 144 करोड़ रुपये का गैर-कानूनी फायदा पहुंचाया गया। बता दें कि तब की केजरीवाल सरकार ने मई 2020 में दिल्ली विधानसभा में नई शराब नीति लेकर आई थी,जिसे बाद में 2021 नवंबर में इसे लागू कर दिया गया था। सवालों के घेरे और बाद में जांच के घेरे में आई इस नई नीति को तब की आप सरकार ने वापस ले लिया था और पुरानी शराब नीति लागू हो गई थी।

परिवार को नहीं दे पातीं टाइम,रेखा गुप्ता ने बताया सीएम बनने के बाद क्या बदलाव आया

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता फुल ऐक्शन मोड में हैं। नालों की सफाई, यमुना की गंदगी,अस्पतालों और सड़कों के निरीक्षण के अलावा वह कई चैनलों को इंटरव्यू भी दे रही हैं। उन्होंने इंटरव्यू में अपने परिवारजनों के बारे में बात की। रेखा गुप्ता ने बताया कि कैसे मुख्यमंत्री बनने के बाजद वह अब अपने पति और बच्चों को कम समय दे पाती हैं। हालांकि उन्होंने कहा कि उन्हें परिवार का खूब साथ मिला और उनके पति ने उनके लिए बहुत कुछ किया है। रेखा गुप्ता ने बताया कि मेरी ज्वाइंट फैमिली है, बहुत बड़ा परिवार है। मेरे ससुराल में मेरे पति के 4 भाई हैं, एक बहन हैं। उनकी माता जी यानी मेरी सास हैं। उन्होंने आगे कहा कि मेरे परिवार में मेरी मां,मेरे 3 बहन और एक भाई हैं। मेरा बेटा इंजीनियरिंग कर रहा है और बेटी ने मास्टर्स किया है। सब लोग अपनी-अपनी लाइन में काम कर रहे हैं। मेरे पति व्यवसायी हैं। अपने पति की तारीफ करते हुए रेखा गुप्ता ने कहा कि मेरे पति ने मेरे लिए बहुत कुछ किया है। मेरे परिवार का समर्थन ही मुझे आगे बढ़ाता रहता है। परिवार को सीएम बनने के बाद समय न दे पाने पर उन्होंने कहा कि जब आप समाज के लिए काम करते हैं, राजनीति में आते हैं तो आपको कहीं तो समय काटना पड़ता है। पहले मैं अपने बच्चों से दिन में रोज फोन पर बात करती थी,अब 4-5 दिनों में एक बार ही बात हो पाती है।

दिल्ली के सीआर पार्क में पुलिस तैनात, वायरल वीडियो पर ऐक्शन

भाजपा ने की यह डिमांड

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली के चित्तरंजन पार्क में मांस और मछली विक्रेताओं को धमकाने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। आम आदमी पार्टी और टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने जहां भाजपा पर इसका इल्जाम लगाया है। वहीं पार्टी ने आरोपों से इनकार करते हुए दोनों की गिरफ्तारी की मांग की है। पार्टी ने वीडियो को एडिटेड भी बताया है। इसी बीच पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। इसके अलावा सादी वर्दी में बाजार के अंदर पुलिसवालों की तैनाती की गई है। कुछ विक्रेताओं से बात की, जिन्होंने दावा किया कि करीब 15 दिन पहले दो लोगों का उनमें से कुछ के साथ मौखिक झगड़ा हुआ था। उन्होंने यह भी दावा किया कि यह बाजार काली मंदिर से पहले का है और दुकानदार उन लोगों में से हैं जिन्होंने मंदिर निर्माण के लिए पैसे का भी योगदान दिया था। सीआर पार्क में मार्केट नंबर 1 को दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) द्वारा विकसित किया गया था और इसे नगर निगम द्वारा रेगुलेट किया जाता है। मछली दुकान के मालिक दिव्येंदु दास ने कहा, मेरे पिता ने 1984 में यह दुकान खोली थी और तब से हमें अपनी दुकानें चलाने में कोई परेशानी नहीं हुई। लेकिन इन दो लोगों ने दावा करना शुरू कर दिया कि हम मंदिर के बगल में मछली बेचकर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचा रहे हैं, जो सच नहीं है - मछली बंगाली संस्कृति का अभिन्न अंग है। विक्रेताओं ने यह भी आरोप लगाया कि उन लोगों ने उनसे अपनी दुकानें दूसरी जगह ले जाने को कहा है। एक अन्य मछली दुकान के मालिक जॉय दीप दास ने कहा, इन लोगों ने कहा कि अगर तुम अपनी दुकानें यहां से नहीं हटाओगे, तो हम 100 लोगों को बुलाएंगे और बाजार के सामने हनुमान चालीसा का पाठ करेंगे। उन्होंने कहा कि उनके पास सभी अधिकारियों से आवश्यक प्रमाण पत्र हैं और उन्हें पहले कभी इस तरह की समस्या का सामना नहीं करना पड़ा। काली मंदिर के पुजारी संजीव भट्टाचार्य ने भी धमकियों पर हैरानी जताई है। मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो सामने आया, जिसमें भगवा कुर्ता पहने दो लोग कथित तौर पर मछली और मांस विक्रेताओं से सवाल कर रहे थे और उन्हें धमकी दे रहे थे। पुलिस ने कहा कि वीडियो पुराना है। हम वीडियो की प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं करते।

इसके बाद मंगलवार रात से ही दिल्ली पुलिस ने बाजार के पास कर्मियों को तैनात कर दिया है। बुधवार को सादे कपड़ों में कम से कम तीन-चार पुलिसकर्मी तैनात देखे गए। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, हम आरोपियों की पहचान करने की प्रक्रिया में हैं। मामले की जांच चल रही है। वहीं, डीसीपी (दक्षिण) अंकित चौहान ने कहा कि अभी तक एफआईआर दर्ज नहीं की गई है क्योंकि पुलिस को अभी तक कोई शिकायत नहीं मिली है।

दिल्ली के दो लड़कों ने ऐसा लगाया दिमाग, उबर से हर दिन ठग लेते थे 40-50 हजार

नईदिल्ली, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा सेक्टर ईकोटेक-1 पुलिस ने फर्जी आधार कार्ड और ड्राइविंग लाइसेंस के जरिए कैब कंपनी की आईडी बनाकर ट्रैक्सी बुकिंग के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश कर दो बदमाशों को गिरफ्तार किया। दोनों आरोपी उबर कंपनी को हर दिन 40-50 हजार रुपये का चूना लगा देते थे।

ग्रेटर नोएडा के एडीसीपी सुधीर कुमार ने बताया कि सेक्टर ईकोटेक-1 पुलिस की टीम ने मंगलवार की रात घरबरा अंडरपास से चेकिंग के दौरान कार में सवार दो बदमाशों को गिरफ्तार किया। उनकी पहचान मोहम्मद उमेर निवासी सुंदर नगरी दिल्ली और मुजफ्फर जमाल निवासी भजनपुरा दिल्ली के रूप में हुई। पुलिस पूछताछ में पता चला है कि आरोपी उबर टैक्सी कंपनी के साथ धोखाधड़ी करने वाले गिरोह से जुड़े हैं। वे फर्जी आधार कार्ड और ड्राइविंग लाइसेंस के जरिए उबर कंपनी की आईडी बनाकर धोखाधड़ी करते थे।

पुलिस ने आरोपियों के पास से 21 मोबाइल, 500 फर्जी आधार कार्ड की फोटो कॉपी, एक पिट्ठू बैग, एक छोटा प्रिंटर, एक कार समेत अन्य सामान बरामद किया है। पूछताछ में पता चला है कि गिरोह में और भी कई लोग शामिल हैं। पुलिस गिरोह के सरगना और अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी है। आरोपी ऑनलाइन ऐप की मदद से एडिट करके कई फर्जी आधार कार्ड और ड्राइवर लाइसेंस तैयार करते थे। आधार कार्ड और ड्राइविंग लाइसेंस पर गूगल लेंस की मदद से फोटो बदल दी जाती थी। वे एक आधार कार्ड में बदलाव कर 10 से अधिक आईडी तैयार कर लेते थे। ऐप के जरिए आधार कार्ड और ड्राइविंग लाइसेंस में नाम, पता और फोटो बदलकर प्रिंटर से इसकी फोटो कॉपी निकाल लेते थे। पुलिस के मुताबिक पकड़े गए आरोपियों में मुजफ्फर 12वीं पास है, जबकि उमेर दसवीं पास है। यह दोनों कम पढ़े लिखे होने के बावजूद नामी कंपनी को नुकसान पहुंचा रहे थे। दोनों आरोपी फर्जीवाड़ा कर कंपनी को रोजाना 40 से 50 हजार रुपये का नुकसान पहुंचा रहे थे। वे पिछले एक माह से इस तरह का फर्जीवाड़ा कर रहे थे।

रामदेव के बयान से विवाद, पैसों से मदरसों-मस्जिदों के निर्माण का दावा

नईदिल्ली, एजेंसी। मशहूर योग गुरु बाबा रामदेव एक बार फिर से विवादों में घिरते नजर आ रहे हैं। हाल ही में वायरल हुए एक वीडियो में बाबा रामदेव ने शरबत जिहाद शब्द का इस्तेमाल किया, जिसके बाद लोगों ने इसका विरोध करना शुरू कर दिया। रामदेव अपने इस वायरल वीडियो में पतंजलि शरबत का प्रचार करते हुए दावा करते हैं कि एक शरबत बेचने वाली कंपनी अपनी कमाई के एक हिस्से का इस्तेमाल मस्जिद और मदरसे बनाने में करती है। पतंजलि प्रोडक्ट्स के नामक हैंडल से फेसबुक पर पोस्ट किए गए इस वीडियो के कैप्शन में हिंदी में लिखा हुआ है कि शरबत जिहाद के नाम पर बेचे जा रहे टॉयलेट क्लीनर और कोल्ड ड्रिंक के जहर से अपने परिवार और मासूम बच्चों को बचाएं। घर में केवल पतंजलि का शरबत और जूस ही लाएं।

इस वीडियो में बाबा रामदेव सॉफ्ट ड्रिंक की आलोचना करते हुए नजर आ रहे हैं। उनका कहना है कि ये टॉयलेट क्लीनर की तरह हैं, जिसे गर्मी में प्यास बुझाने के नाम पर पिया जाता है। रामदेव इन सॉफ्ट ड्रिंक्स को भारतीयों की सेहत पर हमला बताते हुए इसकी तुलना जहर से करते हैं। वीडियो में रामदेव कहते हैं.गर्मियों में प्यास बुझाने के नाम पर लोग ठंडे पेय पदार्थ पीते हैं जो असल में टॉयलेट क्लीनर हैं। एक तरफ टॉयलेट क्लीनर जैसे ज़हर का हमला है और दूसरी तरफ शरबत बेचने वाली एक कंपनी है जो इससे होने वाली कमाई का इस्तेमाल मस्जिद और मदरसे बनाने में करती है। यह ठीक है, यह उनका धर्म है।

रामदेव ने आगे दावा किया कि जाहिर तौर पर अगर आप उस कंपनी का शरबत पीते हैं तो यह मस्जिद और मदरसों के लिए धन जुटाने में मदद मिलती है। उन्होंने दावा किया कि अगर आप पतंजलि के शरबत का चयन करते हैं तो इससे गुरुकुलों, आचार्यकुलों, पतंजलि विश्वविद्यालयों और भारतीय शिक्षा बोर्ड को मदद मिलती है।

दिल्ली में दिन के बाद तपने लगीं रातें, बदलेगा मौसम; आंधी के साथ बारिश दिलाएगी राहत

नईदिल्ली, एजेंसी।
लू के साथ ही अब गर्म रातों से दिल्ली के लोग बेहाल हैं। मंगलवार की रात दिल्ली के ज्यादातर मौसम केन्द्रों में तपिश भरी रात (वॉर्म नाइट) की स्थिति बनी रही। दिल्ली के लोगों को अप्रैल माह में ही लू के थपेड़ों ने मुसीबत में डाल दिया है। ज्यादातर हिस्सों में बुधवार सुबह से ही तेज धूप निकली। इसके चलते दिन के 11 बजे के बाद ही लोगों का घरों से बाहर निकलना मुश्किल होने लगा। दिनभर खुले में काम करने वाले और दोपहिया वाहन चलाने वालों को गर्म हवा के चलते भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। दिल्ली में अभी तक दिन के समय भले ही तेज धूप के चलते लोगों को लू का सामना करना पड़ रहा हो, लेकिन आसमान साफ रहने के चलते रात के समय मौसम अपेक्षाकृत शीतल था। अब रात में भी तपिश भरी हवाओं का असर देखने को मिल रहा है।

दिन और रात की गर्मी के लिए मौसम विभाग ने अलग-अलग तकनीकी शब्द दिए हैं। दिन की गर्मी यानी अधिकतम तापमान में इजाफे को लू यानी हीट वेव से व्याख्यायित किया जाता है। न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी को वार्म नाइड से व्याख्यायित किया जाता है। अधिकतम तापमान अगर 40 डिग्री से ऊपर है और न्यूनतम तापमान सामान्य से साढ़े चार डिग्री से ज्यादा ऊपर है तो उसे वॉर्म नाइट की स्थिति कहा जाता है। वहीं, अधिकतम तापमान अगर 40 डिग्री से ऊपर है और न्यूनतम तापमान साढ़े छह डिग्री से ऊपर है तो उसे वेरी वॉर्म नाइट की स्थिति कहा जाता है।

राजधानी में बुधवार को लू की स्थिति का दायरा बढ़ा है। मंगलवार को दिल्ली के दो मौसम केन्द्रों में लू की स्थिति बनी थी, लेकिन बुधवार को सफदरजंग, पालम, रिज और आयानगर यानी चार मौसम केन्द्रों में लू की स्थिति रही। यहां अधिकतम तापमान 40 डिग्री के पार दर्ज किया गया। दिल्ली के सफदरजंग मौसम केंद्र में यह लगातार तीसरा दिन है जब अधिकतम तापमान 40 से ऊपर है और लू की स्थिति बनी हुई है। राहत की खबर यह है कि पश्चिमी विक्षोभ के असर से अगले दो दिनों में बीच-बीच में अंधड़ की स्थिति बनने के आसार हैं। मौसम विभाग का अनुमान है कि गुरुवार और शुक्रवार को हल्के बादलों की आवाजाही रहेगी। बीच-बीच में हल्की बूंदाबांदी हो सकती है। 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार वाली हवाएं चलेंगी। बीच-बीच में यह हवाएं 50 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार भी पकड़ सकती हैं। इससे तापमान में दो से तीन डिग्री तक की कमी आने की संभावना है।

म्यूजिक कंसर्ट हादसा: मशहूर गायिका समेत अब तक 184 ने तोड़ा दम, मलबे में अपनों को तलाश रहे लोग

डोमिनिकन गणराज्य एजेंसी।
डोमिनिकन गणराज्य में नाइट क्लब हादसे के बाद लोगों के जीवित बचे होने की आस हो रही धूमिल सैंटो डोमिंगो, 10 अप्रैल (एपी) डोमिनिकन गणराज्य की राजधानी सैंटो डोमिंगो में एक नाइट क्लब की छत गिरने की घटना में मृतकों की संख्या 184 पहुंच गई है। बचाव दलों ने बृहस्पतिवार को मलबे में जीवितों की तलाश जारी रखी, हालांकि अब उन्हें इस प्रयास में सफलता की उम्मीद कम ही है। डोमिनिकन गणराज्य के फोरेंसिक संस्थान के बाहर बुधवार देर रात दर्जनों लोग अपने प्रियजनों की तलाश में जमा हुए थे, लेकिन कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिलने से वे हताश दिखे।

डॉक्टरों ने चेतावनी दी है कि अस्पताल में भर्ती दो दर्जन मरीजों में से कुछ की हालत अभी पूरी तरह ठीक नहीं है और आठ की हालत गंभीर है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ विक्टर अटल्ला ने कहा कि हादसा बहुत भयावह था और रोगियों की हालत को देखते हुए उन्हें बचाने के लिए अब बहुत समय नहीं है। सरकार ने बुधवार रात कहा कि वह शव तलाशने में जुटी है, लेकिन आपातकालीन अभियान केंद्र के निदेशक जुआन मैनुअल मेंडिज ने कहा कि मौके पर मौजूद बचावकर्मी अब भी जीवित लोगों के मिलने की आस में प्रयासरत हैं लेकिन मंगलवार शाम से कोई भी जीवित नहीं मिला है। बुधवार देर रात अधिकारियों ने बताया कि मृतकों की संख्या कम से कम 184 पर पहुंच गई है, जबकि घटना में दर्जनों लोग घायल हुए हैं। अधिकारियों के अनुसार सैंटो डोमिंगो का मशहूर जेट सेट नाइट क्लब सोमवार और मंगलवार की दरमियानी रात गायकों, संगीत प्रेमियों, एथलीट और सरकारी अधिकारियों से खचाखच भरा हुआ था। उन्होंने कहा कि मंच पर मेरेंग्यू गायिका रूबी पेरेज प्रस्तुति दे रही थीं, तभी नाइट क्लब की छत से सीमेंट झड़ने लगा और देखते ही देखते पूरी छत ढह गई। आपातकालीन अभियान केंद्र के निदेशक मैनुअल मेंडीज ने बताया कि मृतकों में पेरेज भी शामिल हैं।

चीन ने अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की

बीजिंग , एजेंसी।
चीन ने अमेरिका की यात्रा करने वाले अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है। संस्कृति और पर्यटन मंत्रालय ने बुधवार को एक ट्रैवल एजवाइजरी में चीनी नागरिकों से कहा कि वे अमेरिका जाने से पहले वहां के हालात का पूरा आकलन करें। इसमें कहा गया है कि अमेरिका में सुरक्षा की स्थिति और चीन-अमेरिका के बिगड़ते व्यापारिक रिश्तों के कारण यात्रा जोखिम भरी हो सकती है।

इसके अलावा चीन के शिक्षा मंत्रालय ने छात्रों के लिए एक अलग चेतावनी जारी की है। इसमें छात्रों को अमेरिका जाने से बचने की सलाह दी गई है, क्योंकि उन्हें

वहां वीजा, कागजी कार्रवाई, या कानूनी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। गौरतलब है कि टैरिफ को लेकर चीन और अमेरिका आमने-सामने आ गए हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ने चीन के सामानों पर 125प्रतिशत टैरिफ लगा दिया है। वहीं, चीन ने अमेरिका के सामानों पर 84प्रतिशत टैरिफ की घोषणा की है।

1000 दिनों तक लगातार पीरियड्स, टेस्ट करते-करते डॉक्टर्स भी परेशान

महिला ने शेयर किया दर्द भरा अनुभव

वाशिंगटन एजेंसी।
अमेरिका की एक टिकटॉक यूजर ने पीरियड्स को लेकर एक खतरनाक बात बताई है,जिसे सुनकर आप भी हैरान रह जाएंगे। किसी भी महिला को पीरियड्स होना आम बात है, अगर ये 5/6 दिन हो तो ये नार्मल है। लेकिन क्या आपने कभी सुना है किसी महिला को लगातार 1000 दिन पीरियड्स हुए हैं। ऐसा ही अनुभव टिकटॉक यूजर पोपी ने शेयर किया है।

डॉक्टरों से परामर्श करने के बावजूद, हाल ही में जब तक उन्हें इसका मूल कारण पता नहीं चला, तब तक उनकी बीमारी का कारण एक रहस्य ही बना रहा। पोपी ने हाल ही में एक वीडियो में खुलासा किया, मेरे पहले अल्ट्रासाउंड में ही यह बात पता चल गई थी, और किसी ने भी मुझे इसके बारे में बताने के बारे में नहीं सोचा।

पहले दो हफ्ते तक लगातार हुई ब्लीडिंग फिर...: पोपी की तीन साल की पीरियड्स की कहानी दो हफ्ते तक लगातार ब्लीडिंग से शुरू हुई, जिसके कारण उसे मेडिकल हेल्प लेनी पड़ी। कई डॉक्टर परामर्श, परीक्षण और दवा के बावजूद, ब्लीडिंग जारी रही। उसके ओवेरी पर सिस्ट पाए गए, लेकिन इसका कारण स्पष्ट नहीं था।

पोपी ने बतया, मेरा आयरन लेवल? बहुत कम हो गया था, भयानक ऐंठन हुई। मेरी सभी मांसपेशियों में दर्द, मेरी हड्डियों में दर्द। मुझे लगातार सिरदर्द, लगातार मतली होती है।

डॉक्टर ने कई टेस्ट किए, लेकिन नहीं मिली सफलता: पीसीओएस टेस्ट के बावजूद पोपी के पीरियड्स तीन महीने तक जारी रहे। डॉक्टरों ने हिस्टेरोस्कोपी की, लेकिन कोई स्पष्ट कारण नहीं मिला। एक विशेषज्ञ ने नई दवा दी और एक आईयूडी डाला, जो भी राहत देने में विफल रहा। कई परीक्षणों और विभिन्न इलाज और दवाओं को आजमाने के बावजूद, एक साल से अधिक समय तक लगातार रक्तस्राव से जूझने के कारण उसकी हताशा और हताशा बढ़ती गई। पोपी ने बताया, मैंने 950 दिन अत्यंत पीड़ा में बिताए हैं, अपनी जीवन भर की बचत पीरियड पैड और पीरियड प्रोडक्ट, नए ट्राउजर, नए अंडरवियर, नई चादरों पर खर्च कर दी है। डॉक्टर ने इसका एमआरआई और अल्ट्रासाउंड भी किया। लगातार पीरियड्स होने से उसकी सेहत पर बुरा प्रभाव पड़ा। लंबे समय के बाद 950वें दिन उसकी पीरियड्स बंद हुए। उसने बताया कि अन्य टिकटॉक यूजर की मदद से उसे इस रहस्यमय बीमारी के बारे में पता चला कि इस बाइकॉर्नुएट गर्भाशय कहा जाता है, जिसे दिल के आकार का गर्भाशय भी कहते हैं। इस स्थिति में गर्भाशय दो भागों में बंट जाता है। राहत पाने के लिए, पोपी कई प्रक्रियाओं से गुजरने का प्लान बना रही हैं। उसके हार्मोन लेवल की जांच करने और उसके आईयूडी को हटाने के लिए एक व्यापक हार्मोनल पैनल होगा। उसे एक इलाज प्रक्रिया से भी गुजरना पड़ सकता है, जहां डॉक्टर उसके गर्भाशय की परत से असामान्य टिश्यू को हटा देंगे

12_16.12.2018 PAGE-04.qxd 10-04-2025 21:57 Page 1

धूमधाम से मनाई गई भगवान महावीर की जयंती

निकाली गयी शोभा यात्रा

नबिटा टीम

बोकारो/धनबाद। 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का 2624 वां जन्म कल्याणक महा महोत्सव जैन मिलन केंद्र के तेरा पंथ भवन में धूमधाम से मनाया गया।

भगवान महावीर स्वामी की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं मंगल पाठ करके कार्यक्रम की शुरूआत की गई। संजय बैद, आलोक जैन, मदन लाल डागा,श्याम सुंदर जैन, कमलकांत जैन और विपुल मेहता ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन किया।

मुख्य अतिथि मदनलाल डागा ने कहा कि भगवान महावीर ने अहिंसा परमोः धर्म का संदेश दुनिया को दिया जो आज के समय में बेहद प्रासंगिक है। डागा ने कहा विश्व को आज शांति और सद्भावना की जरूरत है।

इसके पूर्व अध्यक्ष संजय बैद ने कहा कि भगवान महावीर ने जियो और जीने दो का संदेश दिया। हमें अपने आसपास के जीवों के साथ करुणा का भाव रखना चाहिए।

सचिव आलोक जैन ने बताया इस अवसर पर जैन समाज के रितिक जैन, रश्मि जैन, वान्या जैन, खुशी मेहता, जैसल पटेल, आदित्य जैन को शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने पर सम्मानित किया गया। आलोक ने बताया की जैन मिलन पब्लिक स्कूल के 11 बच्चों को भी शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने पर प्रशस्ति पत्र और एक स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

इसके पूर्व स्कूली बच्चों ने भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। नताशा जैन ने भी महावीर के भजनों की सुंदर प्रस्तुति दी। इस अवसर पर जैन मिलन के संस्थापक सदस्य मदनलाल डागा को एक स्मृति चिन्ह भेंट कर संस्था में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। रक्तदान शिविर के संयोजक चंदन बांठिया ने कहा की इस महत्वपूर्ण अवसर पर रेड क्रॉस के सहयोग से आयोजित रक्तदान शिविर में 22 यूनिट रक्त का संग्रह हुआ।

इस अवसर पर सुभाष जैन, बिनोद चोपड़ा,सुरेंद्र जैन, केतन मेहता, विमल सेठ, विमल जैन, दीपक जैन, दीपक सेठ, अंकित जैन, सिद्धार्थ चौरड़िया, काकू भाई, कमल सांघवी, प्रकाश कोठारी, उमेश जैन, गजराज बेगवानी, मदन चौरडिया, अभय राज बेगवानी, कमल लोढ़ा,आनंद कोठारी शांतिलाल लोढ़ा,अशोक बांठिया सहित बड़ी संख्या में जैन समाज की महिलाएं एवं पुरुष उपस्थित थे।

इसी तरह सरस्वती विद्या मंदिर 3 सी में आज गुरुवार को भगवान महावीर की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय के संस्कृत आचार्य विनय आचार्य , सचिव राजकुमार और प्राचार्य संजीव कुमार के द्वारा संयुक्त रूप से भगवान महावीर के तस्वीर पर माल्यार्पण एवं पुष्पार्चन कर किया गया। वहीं विद्यालय सचिव ने कहा कि भगवान महावीर इंद्रियों को नियंत्रण करने में असाधारण कौशल के धनी थे। उनका सम्पूर्ण जीवन तपस्वी के रूप में बीता।

कहा कि उनके कठिन तपस्या एवं साहस को अपने जीवन में उतारने की जरूरत सभी को है। वहीं प्रधानाचार्य ने कहा कि पौराणिक मान्यताओं के अनुसार भगवान महावीर स्वामी जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर थे। भगवान महावीर ने 12 साल कठिन तपस्या की थी। जिससे उन्हें मौन, तप, व्रत करने के बाद आत्मज्ञान की प्राप्ति हुई थी। मौके पर विद्यालय के सभी आचार्य दीदीजी, कर्मचारी बंधु भगिनी सहित विद्यालय के सभी भैया बहन उपस्थित थे।

धनबाद से संवाददाता के अनुसार गुरुवार को श्री दिगम्बर जैन मन्दिर, कतरास रोड में भगवान महावीर का 2624 वां जन्म जयंती महोत्सव बड़े ही धूम धाम से मनाया गया। साशन नायक बाल ब्रह्मचारी 1008 भगवान महावीर की शोभा यात्रा में महावीर स्वामी रथ पर बैठाकर श्री दिगंबर जैन बड़ा मंदिर,कतरास रोड मटकुरिया,धनबाद से धूमधाम से गाजे बाजे के साथ भगवान महावीर का जयकारा बोलते हुए निकाली गई।भगवान महावीर का प्रमुख संदेश जियो और जीने दो के नारे गुंजायमान हुए।

जैन धर्मावलम्बियों ने सभी प्राणी को जीने का संदेश दिया।रथ यात्रा में धनबाद दिगंबर जैन समाज के सभी लोग एकत्रित हुए।भगवान को रथ में बैठाकर सुकुमाल जैन खवासी के रूप में एवं सारथी संजय-मनोज जैन,धनबाद और खजांची रमेश जैन,प्रथम इंद्राणी उत्सव जैन और द्वितीय आरोही जैन,तृतीय इंद्राणी-परिसंका जैन एवं चतुर्थ इंद्राणी मेंघा जैन बनी।

इस प्रकार सभी इंद्र में सोनू-संजय जैन एवं आलोक-सौरभ राजकुमार जैन, मनोज जैन,मनीष जैन,समाज के सदस्य अरविंद, महेंद्र, संतोष, सत्येंद्र, मनन, दियान, अभिषेक, सुभम, अनिल झरिया,रजत, विकास, नीरज,वरुण,निशान,कोमल,चक्रेश जैन,अमित जैन,आशीष जैन, आनंद जैन, स्वयंलता जैन,सत्यभाला जैन, प्रीति जैन,बबिता जैन,स्मृति जैन, तृप्ति, जैन, तृप्ति, वंदना, सुषमा, ललिता जैन,अर्चना जैन, रिद्धि, हिना,आतंकि ज्योति जैन, स्नेहा, पुष्टि, मीना, शिम्मि, सरिस्का,सोनिया और सभी जैन समाज के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। रथा यात्रा को धूम-धाम से सभी जैन श्रावक श्राविकाओं ने निकाला।यात्रा कतरास रोड से प्रारम्भ होकर सभी जैन परिवारों के आवास के बाहर आरती करते हुए एवं फल-शरबत का वितरण करते हुए बैंक मोड़ तक पहुंची तथा बैंक मोड़ से पुनः वापस आकर श्री मंदिर जी में भगवान जी का अभिषेक किया गया। सभी के भोजन प्रसाद की व्यवस्था धनबाद जैन समाज के जैन भाइयों ने की और सभी को प्रसाद का सेवन कराया।

गर्मी में बचाव को जू में की गयी विशेष व्यवस्था

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। बढ़ती गर्मी को देखते हुए, जवाहरलाल नेहरू बायोलॉजिकल पार्क (जैविक उद्यान) में जानवरों को गर्मी से बचाव एवं राहत के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। जानवरों को गर्मी से राहत प्रदान करने हेतु जानवरों के बाड़ों में कूलर एवं पंखों की व्यवस्था की गई है। हिप्पोपोटेमस और भालू के बाड़ों में जलाशयों की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। अन्य जानवरों के लिए बाड़ों में शेड्स लगाए गए हैं जिससे उन्हें सीधी धूप से बचाया जा सके।

जानवरों की नियमित रूप से क्लोज मॉनिटरिंग की जा रही है। गर्मी के मौसम में जानवरों की प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने के लिए उनके आहार में विटामिन्स, इलेक्ट्रोलाइट्स एवं मिनरल्स जैसे आवश्यक फूड सप्लीमेंट्स को सम्मिलित किया गया है। सभी जानवर गर्मी के इस मौसम में पूर्णतः सुरक्षित, स्वस्थ एवं सुकूनदायक वातावरण में रह सकें, इसके लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने वालों का पुलिस ने किया पदार्फाश

तीन महिलाओं सहित चार गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। व्हट्सएप पर अश्लील चैट करना,ग्राहकों का वीडियो बनाकर सेक्सटॉर्शन के माध्यम से ठगी करने वाले गिरोह के तीन महिलाएं समेत एक पुरुष मनीष कुमार उर्फ मोंटी भईया को साईबर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। अपराधियों के पास से 14 मोबाईल, 18 मोबाईल जिसमे एक प्रतिबिंब प्लाटेड सिम बरामद किया गया है।अपराधियों की गिरफ्तारी बैंक मोड़ थाना क्षेत्र से हुई है।प्रेस कॉन्फ्रेंस में जानकारी देते हुए साईबर डीएसपी संजीव कुमार ने बताया कि एसएसपी एच. पी. जनार्दनन के निदेर्शानुसार गुप्त सुचना के आधार पर बैंक मोड़ राजेंद्र मार्केट स्थित एक मकान में छापामारी की गई। जहाँ से सरगना के मास्टर माइंड मनीष समेत तीन महिलाओं को साईबर ठगी करते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया।पूछताछ में सामने आया कि सरगना द्वारा कॉल सेंटर चलाया जा रहा था। जिसमे लोगों को अश्लील चैट तथा सेक्स वीडियो बनाकर ग्राहकों का भया दोहन कर ठगी करते थे। पूछताछ में यह भी सामने आया है कि इस काम में कई लड़कियों को जोड़ा गया था। गिरफ्तार मनीष अपनी दूसरी पत्नी को इस फ्रॉड के काम में शामिल कर रखा था।जोकि सिम उपलब्ध कराना, पैसे बाँटने हिसाब किताब रखने और ठगी के काम में लड़कियों को जोड़ने का काम करती थी। आरोपी की पत्नी फिलहाल साईबर पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। इस काम में लगी लड़कियों को दिन भर के काम में 50 प्रतिशत की राशि दिया जाता था और 50 प्रतिशत राशि भईया रखता था। गिरफ्तार मोंटी धनबाद के पुराना बाजार के दरी मोहल्ला का रहनेवाला है।डीएसपी ने बताया कि बरामद एक प्लाटेड नंबर से पंजाब के रहनेवाले एक व्यक्ति से 40 हजार की ठगी की गई थी।

लकड़ी लदा टेम्पो जब्त, चालक फरार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

साहिबगंज। जिले के बरहरवा वन विभाग ने अवैध लकड़ी तस्करी की गुप्त सूचना के आधार पर वन विभाग की टीम ने एक बिना नंबर वाले टेम्पो को जब्त किया है। जिसमें 14 बोटा सेमल लकड़ी अवैध रूप से लदी हुई थी। यह टेम्पो हाथीखुटा पहाड़ गांव से निकलकर चामरापहाड़ की ओर जा रहा था।

सूचना मिलते ही बरहरवा रेंज के अंतर्गत कार्यरत वन विभाग की टीम ने सक्रियता दिखाते हुए त्वरित कार्रवाई शुरू की टीम ने चामरापहाड़ गांव के समीप सड़क पर संदिग्ध वाहन को रोक कर उसकी तलाशी ली तलाशी के दौरान वाहन से 14 बोटा अवैध सेमल लकड़ी बरामद की गई।

जब्त किए गए वाहन एवं लकड़ी को रेंज कार्यालय लाया गया है, जहां विधिसम्मत आगे की कार्रवाई की जा रही है। इस पूरी कार्रवाई में वनपाल राणा रंजीत, वन रक्षी राजेश टुडू, वन रक्षी इंद्रजीत कुमार तथा अन्य वनकर्मी शामिल थे।

लाखों का अवैध डोडा बरामद, एक गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। चास पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने 118 किलो अवैध डोडा के साथ पिकअप वाहन जब्त किया है। साथ ही एक को गिरफ्तार किया हैं। डोडा का बाजार मूल्य 17 लाख 70 हजार रुपए बताया गया है। गिरफ्तार चालक गुलाम मुस्तफा दलाल ने पुलिस को बताया कि यह डोडा बांकुड़ा से धनबाद जिले के तोपचांची ले जाया जा रहा था। पुलिस को देखकर मौके से एक व्यक्ति फरार भी हुआ है।

इसकी जानकारी चास एसडीपीओ प्रवीण कुमार सिंह ने दी है। प्रवीण कुमार सिंह ने बताया कि एंटी क्राइम चेकिंग के दौरान रात्रि को चास थाना पुलिस ने भवानीपुर के पास चंदनकियारी-चास मुख्य सड़क पर चंदनकियारी की ओर से आ रही एक सफेद रंग की टाटा पिकअप वैन को रोकने का प्रयास किया। पुलिस को देखते ही चालक वाहन छोड़कर भागने लगा, जिसे पीछा कर पकड़ा गया। पूछताछ में चालक ने अपना नाम गुलाम मुस्तफा दलाल है जो मुस्लिम पाड़ा, पुनीसोल, थाना-ओदा, जिला-बांकुरा (पश्चिम बंगाल) का रहने वाला बताया।

जब्त वाहन की तलाशी लेने पर सब्जी के खाली कैरेट के नीचे छिपाकर रखे गए 10 प्लास्टिक बोरियों में कुल 118.432 किलोग्राम अवैध डोडा बरामद किया गया। जिसकी बाजार कीमत 17 लाख 70 हजार है। अभियुक्त से पूछताछ जारी है और मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि यह नशे की खेप कहां से लाई गई थी और किसे सप्लाई की जानी थी।

कैलेण्डर का लोकार्पण

बोकारो। मिथिला सांस्कृतिक परिषद, बोकारो द्वारा प्रकाशित वार्षिक पंचांगयुक्त कैलेण्डर 2025-26 का लोकार्पण सेक्टर 4 स्थित मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल के विद्यापति सभागार में किया गया। परिषद के पदाधिकारियों ने इसका लोकार्पण किया। हर साल जारी होने वाला परिषद का कैलेंडर इस बार भी अपने-आप में विशिष्ट है, क्योंकि इसमें अंग्रेजी व हिन्दी तिथियों के साथ-साथ मिथिला पंचांग भी समाहित है।

परिषद के अध्यक्ष जय प्रकाश चौधरी एवं महासचिव नीरज चौधरी ने कहा कि वर्ष 2025-26 के लिए प्रकाशित इस वार्षिक कैलेंडर में मिथिला पंचांग, विशिष्ट धर्म-स्थल, दर्शनीय स्थलों तथा पर्व-त्योहार के साथ विवाह, उपनयन, मुंडन सहित विभिन्न तिथियों की उपयोगी जानकारी भी दी गयी है। इसके अलावा परिषद की ओर से संचालित मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल की उल्लेखनीय उपलब्धियों को भी सचित्र समाहित किया गया है। अध्यक्ष श्री चौधरी ने इस अवसर पर सामाजिक एवं सांस्कृतिक उत्थान के साथ-साथ आपसी एकजुटता पर भी विशेष बल दिया।

लोहरदगा में भाजपा के सक्रिय सदस्यों की कार्यशाला सम्पन्न

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

लोहरदगा। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय में सक्रिय सदस्यों का एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुरूवात पार्टी संस्थापक पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्पार्चन,दीप प्रज्वलन कर वंदे मातरम गीत के साथ किया गया। मौके पर मुख्य अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष बालमुकुंद सहाय ने कहा कि 2014 में एनडीए के प्रधानमंत्री बनने के बाद से अब तक देश का चहुमुखी विकास हुआ है। भारत आत्मनिर्भरता के साथ विकास के पथ पर निरन्तर आगे बढ़ रहा है। प्रधान मंत्री राजीव गांधी के समय केंद्र से चला हुआ एक रुपया गरीबो तक 15 पैसे पहुचता था आज पूरे एक रुपया उस गरीब को मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी अंत्योदय के सिद्धांत पर चलने वाली पार्टी है। अंतिम व्यक्ति का विकास ही भाजपा का विकास का पैमाना है। उन्होंने कहा कि 11 वर्षो के शासन काल मे भाजपा ने 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाया। कार्यशाला में सक्रिय कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि हमे अपना अतीत और इतिहास हमेशा याद रखना चाहिये। कुछ पार्टियों के कार्यकर्ता पार्टी से जुड़ने के कुछ ही समय बाद महंगी गाड़ी एवम आलीशन बंगलो के मालिक बन जाते है उसे देख कर हमें विचलित नही होना है। उन्होंने कहा कि जो कार्यकर्ता लाभ हानि के आधार पर पार्टी से जुड़ते है वह कभी समाज और देश का भला नही कर सकते और जो पार्टी के सिद्धांतों के आधार पर जुड़ते है वही पार्टी और देश के लिये कुछ कर गुजरते है। उन्होंने कार्यकर्ताओ से जिम्मेवारी पूर्वक पार्टी एवम समाज हित मे काम करने की बात कही। प्रदेश कार्य समिति सदस्य ओम प्रकाश सिंह ने भारतीय जनता पार्टी के इतिहास ,उपलब्धि एवं स्थापना की जानकारी देते हुए कहा कि देश आजादी के बाद प्रधानमंत्री नेहरू गाँधी वाली कांग्रेस सरकार की तुष्टि करन,बहुसंख्यक की उपेक्षा एवम राष्ट्र विरोधी नीतियों के कारण भारतीय जनसंघ की स्थापना की गई। इसके बाद 1977 में प्रधान मंत्री इंदिरा के आपातकाल एवम तानाशाही रवैये के कारण जनता पार्टी फिर भारतीय जनता पार्टी की स्थापना की गई। उन्होंने कहा कि दो लोक सभा सीट से जीत प्रारम्भ करने वाली भारतीय जनता पार्टी की आज 20 राज्यो समेत केंद्र में लगातार तीसरी बार सरकार है।पार्टी संगठन का लगातार विस्तार हो रहा है। कार्यशाला में कई सक्रिय कार्यकर्ता शामिल थे।

चड़क पूजा 13 से, 15 को लगेगा मेला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। मनईटांड़ बस्ती भोक्ता मंदिर समिति की ओर से तीन दिवसीय चड़क पूजा का आयोजन किया जा रहा है। इस संदर्भ में गुरुवार को मंदिर परिसर में प्रेस वार्ता किया गया। अध्यक्षता समिति के सचिव बलराम महतो ने किया। नेतृत्व पूजा समिति के कोषाध्यक्ष नागेश्वर महतो ने किया। उन्होंने बताया कि पूजा की शुरूआत 13 अप्रैल को संजोत सह फलाहार किया जाएगा।

दूसरा दिन 14 अप्रैल को उपवास एवं रात्रि में भक्ति जागरण का आयोजन किया गया है। इसके अलावा 15 अप्रैल को मंदिर परिसर में मेला का आयोजन किया गया है। मेला में पूजा समिति की ओर से प्रसाद वितरण का भी व्यवस्था किया गया है एवं अंतिम दिन 16 अप्रैल को पारण किया जाएगा। बताया गया है चड़क पूजा का आयोजन करीब सौ वर्षों से हो रही है। पूजा में करीब 350 शिव भक्त अपने शरीर पर कील चुभोकर भोक्ता खूंटा में घूमकर आस्था का परिचय देते हैं और हजारों लोगों मेला का आनंद लेते हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में मंदिर समिति के अध्यक्ष सह पूर्व पार्षद 29 मदन महतो, उपाध्यक्ष अरुण चंद्र महतो, वार्ड नंबर 30 पार्षद प्रतिनिधि मुकेश महतो, सह सचिव जयलाल महतो, पप्पू महतो, रवि सोनी, बड़े महतो, दिनेश महतो, धनंजय महतो, रंजीत रवानी, विकेश भगत, राहुल कुशवाहा, राजेंद्र महतो आदि तैयारियों में जुटे है।

अंतरराज्यीय बस पड़ाव का संचालन शुरू

देवघर। देवघर के बाघमारा में नवनिर्मित अंतरराज्यीय बस पड़ाव का आज से संचालन शुरू हो गया है। प्रशासन ने पुराने बस पड़ाव को सील कर दिया है। देवघर बस एसोसिएशन ने आरोप लगाया है कि निगम या प्रशासन की ओर से उन्हें कोई पूर्व सूचना नहीं दी गई। इसी को लेकर एसोसिएशन ने आज से सभी बसों का परिचालन बंद करने का फैसला लिया है और अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं।बसों का संचालन ठप हो जाने से यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन का 7 सूत्री मांगों को लेकर धरना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

निरसा (धनबाद)। खुदिया कोलियरी गेट पर आज राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन (आरसीएमयू) द्वारा 7 सूत्रीय मांगों को लेकर एक दिन का धरना प्रदर्शन किया गया। इस धरने का नेतृत्व राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन ईसीएल रीजनल समिति के कार्यकारी अध्यक्ष शशि भूषण तिवारी ने किया।धरना में विशेष रूप से राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन के संयुक्त महामंत्री बैभव सिन्हा मुख्य रूप से उपस्थित थे। मौके पर बड़ी संख्या में यूनियन कार्यकर्ता एवं कोलियरी मजदूर इस आंदोलन में शामिल हुए और अपनी मांगों के समर्थन में जोरदार नारेबाजी की।धरना स्थल पर वरीय युनियन नेता डा संतोष राय, अर्जुन भूइयां, कोलियरी अध्यक्ष संतोष कुमार, सचिव अजय कुमार, रामानुज सिंह, बिजेंद्र शर्मा, सत्येंद्र कुमार,राजन कुमार,चुरामन राय, संजीत सिंह, सुमित बाउरी, बिहारी कुमार,विनोद बाउरी,धनंजय बाउरी, सुनील चौहान, परमवीर चौहान, धुरवा बीपी,साजीद अंसारी सहित सैकड़ों मजदूर उपस्थित थे।

धरना के पश्चात एक प्रतिनिधिमंडल को परियोजना पदाधिकारी द्वारा वार्ता के लिए आमंत्रित किया गया। वार्ता सकारात्मक वातावरण में संपन्न हुई, जिसमें परियोजना पदाधिकारी द्वारा मजदूरों की मांगों पर गंभीरता से विचार करने का आश्वासन दिया गया।

राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही मांगों पर अमल नहीं किया गया और एक सप्ताह के अंदर मिनट्स नहीं मिला तो आंदोलन को और उग्र रूप दिया जाएगा।

हावड़ा-आनंदविहार समर स्पेशल ट्रेन का रुट बदला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। धनबाद होकर चलने वाली हावड़ा-आनंदविहार समर स्पेशल ट्रेन के मार्ग में अचानक बदलाव की घोषणा हो गई है। 11 व 12 अप्रैल को चलने वाली 03011 हावड़ा-आनंदविहार स्पेशल ट्रेन मार्ग बदल कर चलेगी। वापसी में आनंदविहार से 13 व 14 अप्रैल को चलने वाली 03012 आनंदविहार-हावड़ा स्पेशल का भी मार्ग बदलेगा।

हावड़ा से आसनसोल, धनबाद, कोडरमा व गया के बदले आसनसोल से झाझा, किउल, शेखपुरा, नवादा, तिलैया व गया होकर चलेगी। वापसी में भी भी इसी मार्ग से हावड़ा जाएगी। दिल्ली जानेवाली स्पेशल ट्रेन में धनबाद व कोडरमा में बड़ी संख्या में यात्रियों ने टिकट बुक कराया है। ट्रेन के अचानक मार्ग परिवर्तन से ऐसे यात्रियों की परेशानी बढ़ेगी। दूसरी ट्रेन में कंफर्म सीट उपलब्ध न होने से यात्रियों को विकल्प ढूंढ़ना होगा।

धनबाद से झाड़ग्राम के बीच चलने वाली मेमू गुरुवार से अलग-अलग दिनों में रद रहेगी। धनबाद-टाटा स्वर्णरेखा एक्सप्रेस टाटा के बदले आद्रा तक जाएगी और वहीं से लौटेगी। रेलवे की ओर से बताया गया कि चक्रधरपुर मंडल के मणिकुल-कुनकी के बीच मेगा ब्लॉक के मद्देनजर ट्रेनों के परिचालन में बदलाव किया गया है।

बारिश से फसलों को व्यापक नुकसान

टुण्डी। मौसम विभाग के पूवार्नुमान के अनुसार पूरे झारखंड में असमय वारिश होने से कई तरह के नुकसान का अनुमान है। ज्ञात हो कि इस समय वारिश ने किसानों को उसकी मेहनत पर पानी फेर दिया। एक ओर जहां फसलों को व्यापक रूप से क्षति पहुंचाई गई वहीं दूसरी ओर छोटे किसानों को रोजी रोजगार में कई तरह के व्यवधान उत्पन्न कर गया। साथ ही टुण्डी प्रखंड में हल्की बारिश होने से तीन दिनों तक बिजली से उपभोक्ताओं को वंचित रहना पड़ता है। गुरुवार शाम से ही भारी वारिश के साथ साथ गर्जन के साथ तेज हवा के झोंका चला, जिससे गेहूं,जेठुआ फसल तथा आम जैसे चीजों को भारी नुकसान हुआ है। साथ ही थोड़ी सी भी बूंदाबांदी शुरू होते ही बिजली रानी गायब हो जाती है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी.कॉर्प.लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लॉट नंबर 31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादकः मनोज विशाल फोन नंबरः 9431145865, 8210783623, आर.एन.आई. पंजीकरण संख्याः JHAHIN/2017/72655, Email : bokaronbt@gmail.com